राष्ट्रीय संस्करण

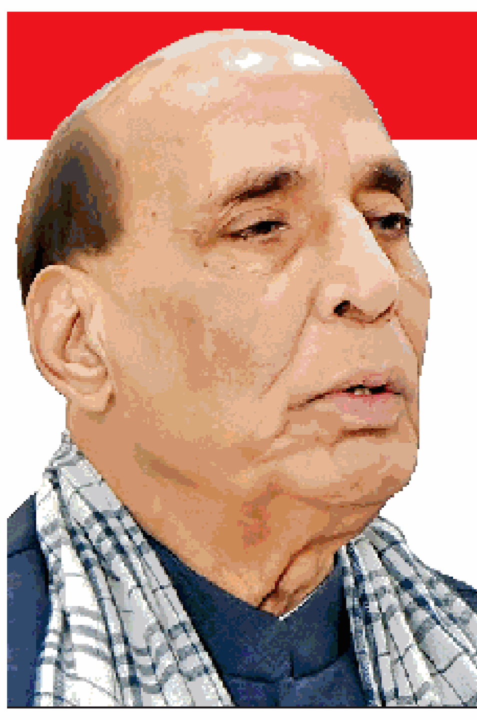

आपरेशन सिंदूर की सफलता में लाजिस्टिक्स प्रबंधन था एक निर्णायक कारक >> 3

वर्ष 9 अंक 47

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, सोमवार, 28 जुलाई, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

करंट फैलने की अफवाह से मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़, आठ की मौत

मंदिर से करीब सौ मीटर पहले पैदल मार्ग की सीढ़ियों पर रविवार सुबह हुआ हादसा, 39 घायल

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

- प्रशासन ने करंट फैलने से किया इन्कार, जांच में नहीं दिखे इसके साक्ष्य
- सात गंभीर घायल ऋषिकेश एम्स व आठ हरिद्वार जिला अस्पताल में भर्ती

हरिद्वार में प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर रविवार सुबह बिजली का तार टूटने के कारण करंट फैलने की अफवाह से भगदड़ मच गई। हादसे में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 39 घायल हो गए। मृतकों में छह उत्तर प्रदेश, एक उत्तराखंड और एक बिहार निवासी थे। 15 श्रद्धालुओं को ऋषिकेश एम्स ले जाया गया। इनमें से सात की हालत गंभीर है। आठ अन्य घायलों का हरिद्वार के जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में घटनास्थल पर करंट फैलने के साक्ष्य नहीं दिखे। प्रशासन ने करंट फैलने से इन्कार किया है। हर की पैड़ी चौकी प्रभारी संजीत कंडारी की तहरीर पर करंट की अफवाह फैलाने वाले अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

उत्तराखंड सरकार ने मृतकों के स्वजन को दो-दो लाख व घायलों को 50-50 हजार रुपये और मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट ने मृतकों के स्वजन को पांच-पांच लाख व घायलों को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

पीएम नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगदड़ में हुई जान-माल की हानि पर शोक जताते हुए कहा, जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना है। ईश्वर करे कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी शोक जताया है। उन्होंने घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के भी आदेश दिए हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने भी राज्य के प्रत्येक मृतक के परिवार को दो-दो लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है।

मनसा देवी मंदिर हर की पौड़ी से लगभग तीन किमी दूर बिल्व पर्वत पर स्थित है। यहां तीन रास्तों- सीढ़ी वाला मार्ग, सीमेंटेड रैंप व रोपवे के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। सीढ़ी वाले मार्ग पर 800 से अधिक सीढ़ियां व रैंप हैं। रविवार को इस रास्ते पर सुबह करीब सवा नौ बजे मंदिर से 100 मीटर पहले सीढ़ियों पर हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ में शामिल कुछ लोग मंदिर तक जल्दी पहुंचने के लिए सुरक्षा दीवार के ऊपर चढ़ने लगे। रास्ते के इस हिस्से में दुकानों के तिरपाल की रस्सियां और बिजली के तार भी थे। आशंका जताई जा रही कि किसी तिरपाल की रस्सी के साथ तार टूटा, इस कारण करंट फैलने की अफवाह उड़ी। इससे श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। धक्का-मुक्की में कई श्रद्धालु सीढ़ियों पर गिर गए। बचाव दल ने घायलों को रोपवे से सड़क तक लाया, जहां से उन्हें हरिद्वार जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने आठ श्रद्धालुओं को मृत घोषित कर दिया।

मनसा देवी मंदिर के सीढ़ी मार्ग में भगदड़ से पूर्व अपने बच्चे को भीड़ में दबने से बचाने का प्रयास करती एक महिला। वीडियोग्रैब

भीड़ नियंत्रित करने की नहीं थी कोई व्यवस्था पेज>>5

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण में विपक्षी दलों की भी बढ़ी भागीदारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- 12 प्रमुख दलों के प्रतिनिधियों ने एसआइआर में सक्रिय भागीदारी की
- भाजपा ने बीएलए की संख्या में 3% और माकपा ने 1083% की वृद्धि की

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर चुनाव आयोग द्वारा पहले चरण के जारी किए गए आंकड़े बताते हैं कि इस प्रक्रिया में सिर्फ मतदाता ही नहीं, कांग्रेस और वाम दलों जैसी प्रमुख विपक्षी पार्टियों ने भी सक्रियता से भाग लिया है। कांग्रेस और वाम दलों जैसे विपक्षी दलों ने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की संख्या बढ़ाकर सक्रियता से इस प्रक्रिया में भागीदारी की है।

आयोग ने बताया कि 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने एसआइआर प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की है। राजनीतिक दलों ने 23 जून के बाद कुल 1.60 लाख बीएलए नामित किए, जो अभियान की शुरुआत से 16 प्रतिशत की वृद्धि है। उदाहरण के तौर पर भाजपा ने बीएलए की संख्या में जहां तीन प्रतिशत, वहीं कांग्रेस ने 105 प्रतिशत, माकपा ने 1083 प्रतिशत, भाकपा (माले) ने 542 प्रतिशत, बसपा ने 185 प्रतिशत तो राजद ने मात्र एक प्रतिशत बीएलए की वृद्धि की है।

ये आंकड़े इस धारणा का खंडन करते हैं कि विपक्ष ने मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का बहिष्कार किया या उसमें कम भागीदारी की। इसके बजाय यह दर्शाता है कि कांग्रेस, माकपा और भाकपा-माले जैसी पार्टियों ने मतदाताओं से जुड़ने और सटीक मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर पर सक्रिय रूप से लामबंदी की। बीएलए नियुक्तियों में वृद्धि को बिहार विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की तैयारी और जमीनी स्तर पर तैयारियों का एक महत्वपूर्ण संकेतक माना जा रहा है। विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए बिहार चुनाव से ठीक पहले मतदाता पुनरीक्षण अभियान चलाने के लिए चुनाव आयोग की आलोचना करता रहा है। लेकिन, चुनाव आयोग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार बीएलए की नियुक्ति में बढ़ोतरी इस बात को दर्शाती है कि अभियान के दौरान विपक्ष जमीनी स्तर पर मौजूद था।

7.24 करोड़ मतदाताओं के गणना फार्म जमा, 36 लाख लापता पेज>>4

जागरण विशेष

जैविक आहार जो बढ़ा रहा पशुओं की प्रजनन क्षमता

काशीपुर: देशभर के पशुपालकों के लिए डा. बीनू भदौरिया उम्मीद बनकर उभरी हैं। उन्होंने ऐसा जैविक आहार तैयार किया है, जो मवेशियों को स्वस्थ रखने के साथ बीमारियों से भी बचाता है। ● पेज-6

मुद्दा

सरकारी तंत्र में सलाहकारों की बढ़ती भूमिका

सरकारी तंत्र की क्षमता का विकास समय की जरूरत है और इसके लिए बाहरी विशेषज्ञों की मदद लेना अच्छी पहल। लेकिन इससे जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या आइएएस एवं अन्य शीर्ष नौकरशाह नाकाम हैं, जो विशेषज्ञ सलाहकारों की जरूरत पड़ रही है। ऐसे में पेश है, बाहरी विशेषज्ञों से सरकारी संस्थाओं को कितना फायदा हुआ है और स्थायी कर्मियों के कामकाज पर असर की पड़ताल वाला विवरण। ● पेज-7

संपादकीय

मताधिकार का स्पष्ट आधार है नागरिकता: संविधान से लेकर जनप्रतिनिधि कानून में स्पष्ट है कि केवल भारतीय नागरिक ही देश के मतदाता हो सकते हैं। इसलिए नागरिकता और मतदान के अधिकार को अलग करके नहीं देखा जा सकता। **ए. सूर्यप्रकाश** का आलेख।

बाजार संभावनाओं को भुनाने का मौका: खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है, लेकिन इस मामले में भारत अभी बहुत पीछे है। **डा. जयंतीलाल भंडारी** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

समानता कायम करने की दिशा में उपलब्धि: विश्व बैंक द्वारा जारी एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में उपभोग में असमानताएं कम हुई हैं। **डा. अश्विनी महाजन** का दृष्टिकोण।

अपनों के 'विपक्षी स्वर' बढ़ा रहे चुनौती: उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार के समक्ष 'अपनों' के सवालों की नई चुनौती खड़ी होती दिख रही है। **अजय जायसवाल** की डायरी। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

जर्जर दीवारों के मजबूत रिश्ते

बदरिया घेरि आई ननदी ...

● पेज-13

मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे, गठबंधन की संभावनाएं बढ़ीं

मुंबई: महाराष्ट्र की राजनीति में रविवार को एक अहम घटनाक्रम में मनसे प्रमुख राज ठाकरे छह वर्ष बाद चचेरे भाई व शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मिलने उनके घर मातोश्री पहुंचे। इससे गठबंधन की संभावनाएं बढ़ गई हैं। (पेज-4)

भारत में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा विज्ञान : मोदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- 'मन की बात' में बोले प्रधानमंत्री, सिर्फ अंतरिक्ष क्षेत्र में हो गए 200 से ज्यादा स्टार्टअप
- खेल, संस्कृति के साथ इतिहास की कड़ियों से तमिलनाडु से लेकर बिहार-बुंदेलखंड को जोड़ा

देश की सफलताओं और देशवासियों की उपलब्धियों का बखान करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें संस्करण में विज्ञान के क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए भारत की तस्वीर दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों अंतरिक्ष से वापसी कर जैसे ही शुभांशु शुक्ला धरती पर सुरक्षित उतरे, पूरा देश गर्व से भर गया। जब अगस्त, 2023 में चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग हुई थी, तब देश में एक नया माहौल बना था। अब छोटे-छोटे बच्चे कहते हैं कि हम भी अंतरिक्ष में जाएंगे, चांद पर उतरेंगे, अंतरिक्ष विज्ञानी बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत विज्ञान के क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। देश में 200 से ज्यादा स्टार्टअप सिर्फ स्पेस सेक्टर में हैं। 'इंस्पायर-मानक' अभियान का उल्लेख कर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बच्चों के नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पांच बच्चे चुने जाते हैं। हर बच्चा नया आइडिया लाता है। चंद्रयान-3 के बाद लाखों बच्चे जुड़ चुके हैं। नेशनल स्पेस डे (23 अगस्त) का स्मरण कराते हुए उन्होंने आह्वान किया कि आप इसे मनाने का कोई नया आइडिया हो तो नमो एप पर जरूर भेजें।

प्रधानमंत्री ने बताया कि कुछ दिन पहले हमारे छात्रों ने इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलिंपियाड में पदक जीते हैं। इंटरनेशनल मैथेमेटिकल ओलिंपियाड में हमारे विद्यार्थियों ने तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया। अगले महीने मुंबई में होने वाले एस्ट्रोनामी और एस्ट्रोफिजिक्स ओलिंपियाड में 60 से ज्यादा देशों के छात्र व विज्ञानी आएंगे।

दैनिक जागरण में छपी साहू की कहानी का किया जिक्र

प्रधानमंत्री मोदी ने हिंसा छोड़कर मछली पालन का रास्ता अपनाने वाले झारखंड में गुमला जिले के पूर्व माओवादियों की प्रशंसा की। उन्होंने पूर्व माओवादी ओम प्रकाश साहू की कहानी सुनाई। 'दैनिक जागरण' ने उनकी कहानी प्रकाशित की थी। मोदी ने कहा, ओमप्रकाश साहू ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया और मछली पालन शुरू किया। अपने जैसे कई लोगों को भी इसके लिए प्रेरित किया। सरकार से मदद भी मिली। आज बसिया ब्लाक के 150 से ज्यादा परिवार मछली पालन से जुड़ चुके हैं।

मोदी ने कहा, यूनेस्को ने 12 मराठा किलों को वर्ल्ड हेरिटेज साइट की मान्यता दी है। इनमें 11 महाराष्ट्र में व एक तमिलनाडु में है। उन्होंने छत्रपति शिवाजी के पराक्रम को नमन किया।

जब देश एक सोच पर एक साथ आ जाए तो असंभव भी होता संभव पेज>>3

संसद में गर्मागर्म बहस तो सुप्रीम कोर्ट में चर्चित मुद्दों पर टिकी निगाहें

लोकसभा व राज्यसभा में गूंजेगा आपरेशन सिंदूर, पहलगाम हमले पर दिखेगा टकराव

- सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष, दोनों की ओर से शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारे जाने की संभावना

नई दिल्ली, प्रेट्र: संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद अब सोमवार से पहलगाम हमले और आपरेशन सिंदूर पर तीखी बहस होने की संभावना है, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर आमने-सामने होंगे। भाजपा नेतृत्व वाले राजग और विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा के दौरान अपने शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारे जाने की उम्मीद है।

सूत्रों के अनुसार गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर इन मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपनी सरकार के मजबूत रुख को रखने के लिए हस्तक्षेप कर सकते हैं। दोनों सदनों में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे, सपा के अखिलेश यादव तथा अन्य नेताओं के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं।

मोदी भी राष्ट्रीय सुरक्षा पर सरकार का रुख रखने के लिए कर सकते हैं हस्तक्षेप

दोनों पक्षों ने प्रत्येक सदन में 16-16 घंटे की बहस पर सहमत हुए हैं, जो सामान्य से अधिक समय है। राजग द्वारा उन सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों को भी मैदान में उतारे जाने की उम्मीद है, जिन्होंने आपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने के लिए 30 से अधिक देशों की यात्रा की हैं।

थरूर को कांग्रेस की ओर से वक्ता बनाए जाने पर स्थिति स्पष्ट नहीं पेज>>3

बिहार में एसआइआर और जस्टिस वर्मा समेत कई मामलों पर आज सुनवाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- शीर्ष कोर्ट में सुनवाई से विशेष सघन मतदाता सूची पुनरीक्षण का भविष्य होगा तय

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार का दिन हलचल भरा रहने वाला है। शीर्ष कोर्ट कई अहम मामलों की सुनवाई करेगा जिसमें सबसे महत्वपूर्ण बिहार में विशेष सघन मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआइआर) का मामला होगा। इस मामले की सुनवाई से बिहार में एसआइआर का भविष्य तय होगा। इसके अलावा आवास से नकदी मिलने के आरोपों में घिरे इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की उन्हें दोषी ठहराने वाली आंतरिक कमेटी की रिपोर्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर भी कोर्ट सुनवाई करेगा। साथ ही, एक जनहित याचिका में जस्टिस वर्मा के घर से नकदी मिलने के मामले में दिल्ली पुलिस को एफआइआर दर्ज करने का आदेश देने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, बीएस-6 मानक वाले वाहनों को 10 और 15 वर्ष बाद हटाने के प्रतिबंध से छूट पर भी सुनवाई होगी।

दिल्ली में आयु पूरी कर चुके वाहनों पर प्रतिबंध में छूट पर भी सुनवाई

चुनाव आयोग ने जवाब दाखिल कर पुनरीक्षण को सही ठहराते हुए कहा है कि यह मतदाता सूची से अयोग्य व्यक्तियों को हटाकर चुनाव की शुद्धता को बढ़ाता है। वहीं, जस्टिस वर्मा ने कहा है कि उन्हें जांच में नहीं सुना गया था। जबकि बीएस-6 वाहनधारक लाखों लोगों की निगाहें भी सुप्रीम कोर्ट पर रहेंगी। दिल्ली सरकार ने दायर याचिका में कहा है कि बीएस-6 वाहनों से उम्र संबंधी प्रतिबंध हटा लिया जाए।

भागवत बोले, 'भारत' का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए

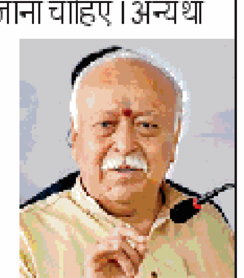

कोच्चि: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि 'भारत' का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। अन्यथा देश अपनी पहचान और दुनियाभर में हासिल अपना सम्मान भी खो देगा। आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा अमृता इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में आयोजित एक राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, 'भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। इंडिया भारत है, यह सच है। लेकिन भारत, भारत है। (पेज-5)

सप्ताहभर उत्तर में बेहद सक्रिय रहेगा मानसून

नई दिल्ली : उत्तर भारत के पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्रों में अगले सात दिन मानसूनी बारिश के लिहाज से बेहद सक्रिय रहने वाले हैं। अरब सागर व बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव वाले क्षेत्र के प्रभाव से अगले एक सप्ताह तक कई राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। (पेज-6)

थाइलैंड और कंबोडिया के नेता आज मलेशिया में करेंगे वार्ता

कुआलालंपुर: थाइलैंड और कंबोडिया के नेता सोमवार को मलेशिया में मुलाकात करेंगे और वहां पर संघर्षविराम पर वार्ता होगी। शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के नेताओं से फोन वार्ता में उनसे लड़ाई खत्म करने के लिए कहा था। (पेज-11)

अंग खोने वाले केंद्रीय पुलिस बल के जवान सेवा में बने रहेंगे

नई दिल्ली में रविवार को केंद्रीय गृह सचिव (मध्य में) गोविंद मोहन को स्मृति चिह्न भेंट करते सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह। सौ. एक्स@सीआरपीएफइंडिया

- सीएपीएफ के दिव्यांग जवानों को मिलेगा वित्तीय पैकेज, बकाया वेतन
- गृह सचिव ने दिया स्थायी दिव्यांग अफसरों को सम्मान का भरोसा
- सीआरपीएफ के महानिदेशक की अध्यक्षता में अफसरों की समिति

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस पर रविवार को घोषणा की कि आपरेशनों के दौरान अपने अंग खोने वाले सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के अधिकारियों और जवानों को भविष्य में बल की सेवाओं से वंचित नहीं होंगे। घायल होने पर किसी स्थायी दिव्यांगता का सामना करने वाले अधिकारी और जवान अब सेवा में बने रहेंगे। उन्हें एक बार का मौलिक वित्तीय पैकेज तो मिलेगा ही, साथ ही उनकी पदोन्नति होगी और बकाया वेतन भी मिलेगा।

केंद्रीय गृह सचिव ने सीआरपीएफ कर्मियों से बातचीत में बताया कि बल के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में अधिकारियों की एक समिति का गठन किया गया है, जिसके अगले कुछ महीनों में अपनी सिफारिशें और योजना के कार्यान्वयन की विधियों को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले दशकों में कई केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कर्मियों ने आइईडी विस्फोट या इसी तरह की घटनाओं के कारण अपने पैर, हाथ या आंखें खो दी हैं और स्थायी विकलांगता का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि जो जवान व अधिकारी सशस्त्र आपरेशनों के दौरान अपने अंग खो देते हैं या शारीरिक दिव्यांगता का सामना करते हैं, उन्हें सेवा से नहीं हटाया जाएगा।

बलों की चुनिंदा इकाइयों में तैनात होंगे : गोविंद मोहन ने कहा, 'ऐसे दिव्यांग कर्मियों को इन बलों की कुछ चुनी हुई इकाइयों में कार्य करने के लिए तैनात किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनका वेतन और भत्ते उनकी सेवानिवृत्ति तक जारी रहें।' ऐसे बहादुर कर्मियों का सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा और वे अपनी सामान्य सेवानिवृत्ति तक गर्व के साथ सेवा करेंगे।

नई रणनीति

लद्दाख में एलएसी के सामने बसाए जाएंगे तिब्बती, चीन को लगेगी मिर्ची

तिब्बतियों के पुनर्वास के लिए चुमुर में सेंट्रल तिब्बतियन एडमिनिस्ट्रेशन को मिली 7 .75 एकड़ भूमि, पूर्वी लद्दाख का चुमुर इलाका लेह से 300 किमी दूरी पर, उन तिब्बतियों को मिलेगी भूमि जिनके पास अपने घर नहीं

विवेक सिंह ● जागरण

जम्मू : बौद्ध गुरु दलाई लामा के लद्दाख प्रवास के बीच तिब्बतियों को ऐसी जगह बसाने की रणनीति बनी है, जिससे चीन को जरूर मिर्ची लगेगी। लेह जिले में चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब चुमुर क्षेत्र में तिब्बत से पलायन कर चुके लोगों के लिए बसाने की तैयारी है। चीन के सामने तिब्बतियों को बसाने से क्षेत्र की सुरक्षा को भी बल मिलेगा, क्योंकि चीन चुमुर में कई बार घुसपैठ की कोशिश भी कर चुका है। लेह में बसे तिब्बतियों के पुनर्वास के लिए लेह के थिक्से मठ के थिक्से रिनपौचे ने सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) को 7.75 एकड़ भूमि दी है।

चुमुर पूर्वी लद्दाख में चीन से लगती एलएसी के करीब है। दलाई लामा के लद्दाख दौरे के दौरान चुमुर इलाके में दी जमीन क्षेत्र में बसे तिब्बतियों के कल्याण के लिए इस्तेमाल की जाएगी। इस भूमि के कागजात नौवें थिक्से रिनपौचे, नवांग जामयांग चंबा स्टेंजिन ने उनसे मिलने पहुंचे सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन के प्रतिनिधि सिकयोंग पेंपा सेरिंग को सौंपे। इस भूमि पर उन तिब्बत के लोगों का पुनर्वास किया जाएगा जिनके पास लेह में अपने घर नहीं हैं। पूर्वी लद्दाख का चुमुर इलाका लेह से 300 किलोमीटर की दूरी पर है। एलएसी पर चुमुर से सटा चीन के कब्जे वाला इलाका कभी तिब्बत का हुआ करता था। चीन के तिब्बत पर कब्जा करने के बाद वहां से तिब्बती घर छोड़ने को मजबूर हो गए थे।

तिब्बतियों के पुनर्वास के लिए सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन को भूमि के दस्तावेज सौंपते थिक्से मठ के थिक्से रिनपौचे। सौ. सीटीए

तिब्बतियों के लिए निभाई नैतिक जिम्मेदारी: थिक्से रिनपौचे

सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन के प्रतिनिधियों ने थिक्से रिनपौचे के आवास पर बैठक कर तिब्बतियों के कल्याण संबंधी मुद्दों पर भी बातचीत की। उन्होंने लेह के चुमुर इलाके का दौरा कर उस जगह का निरीक्षण किया। यहां आने वाले दिनों में तिब्बतियों के पुनर्वास के लिए निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। दल के सदस्यों ने चुमुर में रहने वाले लद्दाख के खानाबदोश लोगों के साथ बातचीत भी की। इस जमीन से लद्दाख में तिब्बती समुदाय को बहुत लाभ होगा। इससे तिब्बती, लद्दाखी बौद्ध समुदाय के साथ अन्य समुदायों को भी बल मिलेगा। थिक्से रिनपौचे ने कहा है कि तिब्बतियों की जरूरत के समय उनका सहयोग कर नैतिक जिम्मेदारी निभाई जा रही है। उन्होंने कहा कि दलाई लामा ने हमेशा हिमालयी भिक्षुओं का समर्थन किया है।

भारत तिब्बत मंच ने कहा, चुमुर में तिब्बतियों का पुनर्वास होता है तो यह बहुत अच्छी बात

भारत तिब्बत मंच के उत्तर भारत के प्रभारी पदाधिकारी कुलदीप शर्मा का कहना है कि अगर चुमुर में तिब्बतियों का पुनर्वास होता है तो यह बहुत अच्छी बात है। चीन अतिक्रमण में विश्वास रखने वाला देश है। उसके सामने तिब्बत के वे लोग बसेंगे जो अपनी घर वापसी के लिए तरसते हैं। उन्हें बहुत मुश्किल हालात में पलायन कर भारत आना पड़ा था। भारत तिब्बत मंच भी चीन से तिब्बत की आजादी चाहता है।

****

28 जुलाई को मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा का अनुमान जताया है। इसके चलते अगले दो तीन दिन तापमान में गिरावट देखी जा सकती है। रविवार को फिर से उमस भरी गर्मी महसूस की गई।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 28 जुलाई, 2025

आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने के आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
28 जुलाई	34.0	27.0
29 जुलाई	30.0	24.0
नोएडा		
28 जुलाई	33.0	27.0
29 जुलाई	32.0	26.0
गुरुग्राम		
28 जुलाई	35.0	26.0
29 जुलाई	34.0	25.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

जल्द सौर ऊर्जा से रोशन होगी विधानसभा: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर गुप्ता ने उपसभापति को दिल्ली विधानसभा में चल रहे विभिन्न परिवर्तनकारी कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विधानसभा को एक आदर्श लोकतांत्रिक संस्थान के रूप में विकसित करने के लिए अपनाई जा रही कार्ययोजनाओं के बारे में बताया। गुप्ता ने बताया कि दिल्ली विधानसभा में नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। (राब्यू)

मुख्यमंत्री से पटाखों से प्रतिबंध हटाने की उठाई मांग

नई दिल्ली: वाहनों के परिचालन की तय अवधि बढ़ाने को लेकर दिल्ली सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से अब पटाखा कारोबारियों को भी उम्मीद जगी है। रविवार को पटाखा कारोबारियों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिला और उनसे दिल्ली में पटाखों पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की। यह प्रतिबंध वर्ष 2018 से जारी है, जब खतरनाक वायु प्रदूषण के मद्देनजर जाड़े के मौसम में इसे लगा दिया जाता है। (जासं)

करोल बाग में फंदा लगाकर दंपती ने दी जान

नई दिल्ली: मध्य जिले के करोल बाग में दंपती ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इनकी पहचान देबू भौमिक और उनकी पत्नी मल्लिका भौमिक के रूप में हुई है। दोनों मूलरूप से बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर के रहने वाले थे। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। आशंका है कि आर्थिक तंगी से परेशान दंपती ने जान दी है। पुलिस ने शवों को आरएमएल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और मामला दर्ज कर आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है। (जासं)

जांच में तकनीकी साधनों का अधिकतम उपयोग करें एजेंसियां : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- ड्रग्स तस्करी से संबंधित याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने दिया निर्देश
- कहा, इससे जांच की प्रभावशीलता बढ़ने के साथ निष्पक्षता भी होगी सुनिश्चित

ड्रग्स तस्करी से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने जांच एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे अपनी जांच में तकनीकी साधनों का अधिकतम उपयोग करें। इससे न केवल जांच की प्रभावशीलता और पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि निष्पक्षता भी सुनिश्चित होगी।

न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने हेरोइन जब्ती से जुड़े मामले में आरोपित को जमानत देने से इन्कार करते हुए कहा कि यह चिंताजनक है कि वर्ष 2023 में गिरफ्तारी के समय जांच अधिकारियों के पास वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी के उपकरण नहीं थे। ऐसे में पुलिस के बयान पर विश्वास करना कठिन है, क्योंकि जब्ती की कोई वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी उपलब्ध नहीं है। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि घटनास्थल के निकट कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था, जिससे फुटेज उपलब्ध नहीं हो सकी। इस पर पीठ ने कहा कि जांच एजेंसियों को तकनीकी साधनों का

उपयोग करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। हालांकि, आरोपित को राहत देने से इनकार करते हुए पीठ ने कहा कि वह न तो लंबे समय से सलाखों के पीछे है और न ही मुकदमे की सुनवाई में कोई अत्यधिक देरी हो रही है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपित को 19 अप्रैल 2023 को गिरफ्तार किया गया था और उसके पास से एक किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी।

आम लोगों के लिए खुला अंग्रेजों के जमाने का रोशनआरा क्लब

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

- अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस पुनर्निर्मित इस क्लब का रविवार शाम एलजी ने किया उद्घाटन

नवनिर्मित रोशनारा क्लब के उद्घाटन पर स्नूकर खेल में शाट लगाते एलजी वीके सक्सेना साथ मौजूद सांसद प्रवीन खंडेलवाल व अन्य अतिथि। हरीश कुमार

दिल्लीवासियों के जीवन को सुगम बनाने और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए एलजी वीके सक्सेना ने रविवार शाम पुनर्निर्मित धरोहर रोशनआरा क्लब का उद्घाटन किया। साथ ही अंग्रेजों के जमाने में शुरू हुआ यह क्लब आम लोगों के लिए खोल दिया गया। इस मौके पर एलजी ने कहा, 'दिल्ली विरासतों का शहर है और पिछले तीन वर्षों में यहां कई विरासत संरचनाओं का पुनर्निर्माण किया गया है। भविष्य में हम और अधिक पुनर्निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' इस महत्वपूर्ण अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल, स्थानीय विधायक अशोक गोयल और डीडीए उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

12 जनवरी 2023 को एलजी ने रोशनआरा क्लब के अपने पहले दौरे पर, इस क्लब को बहुत ज्यादा उपेक्षित स्थिति में पाया था। यह खराब रखरखाव और जर्जर हो चुके अग्रभाग के कारण जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था। डेढ़ साल से अधिक समय तक बंद रहे इस क्लब को 29 सितंबर, 2023 को डीडीए ने आधिकारिक रूप से अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद इस क्लब की मूल विरासत को संरक्षित करते हुए इसकी भव्यता को पुनर्स्थापित करने के लिए व्यापक सिविल, विद्युत और सौंदर्य संबंधी जीर्णोद्धार कार्य किया। इस दौरान क्लब की स्थापत्य विरासत के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। यूरोपीय शैली के दरवाजे और खिड़कियां, मैंगलोर टाइल वाली छत और इंट्रीकेट वुडन ट्रस सहित सदियों पुराने अग्रभाग का सावधानीपूर्वक जीर्णोद्धार किया गया है। प्राचीन झूमरों और मूल साज-सज्जा के पारंपरिक आकर्षण को पुनर्जीवित करने के लिए नवीनीकृत और पुनः तैयार किया गया है।

माना जाता है बीसीसीआइ का जन्मस्थल : रोशनआरा क्लब, भारतीय क्रिकेट के उद्गम स्थल के रूप में एक अनूठी विरासत है। इसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) का जन्मस्थान माना जाता है। उत्तरी दिल्ली के मध्य में स्थित यह क्लब एक सदी से भी अधिक समय से प्रतिष्ठा और उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है। 22 एकड़ से अधिक हरे-भरे शांत क्षेत्र में फैला यह क्लब लंबे समय से अपने सदस्यों के लिए एक शाही और हरे-भरे आश्रय स्थल के रूप में कार्य करता रहा है।

फीस देकर ले सकते हैं इन खेलों का आनंद

रोशनआरा क्लब में विभिन्न आउटडोर खेल सुविधाएं भी शुरू की गई हैं। इसमें समय सीमा के साथ एक तय शुल्क देकर लोग सुबह सात से शाम पांच बजे के बीच विभिन्न खेल सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं।

खानपान की भी मिलेगी पूरी सुविधा

अधिकारियों ने बताया कि क्लब की मुख्य इमारत में खानपान की सुविधा भी मिलेगी। क्लब में रेस्तरां सेवाओं के लिए कई कदम कदम उठाए गए हैं।

क्लब में खेल चुके क्रिकेट के कई दिग्गज खिलाड़ी

क्लब से जुड़े प्रतिनिधियों ने बताया कि कई क्रिकेट खिलाड़ी रोशनआरा क्लब के ग्राउंड में मैच खेल चुके हैं। इस मैदान पर पूर्व कप्तान नवाब पटौदी, मोहिंदर अमरनाथ, बिशन सिंह बेदी, वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, विराट कोहली जैसे खिलाड़ी क्रिकेट खेल चुके हैं।

एनसीआर में बड़े स्तर पर आपदा प्रबंधन अभ्यास की तैयारी

29 जुलाई से एक अगस्त तक 'सुरक्षा चक्र अभ्यास' का होगा आयोजन

भूकंप व अन्य आपातकालीन स्थितियों में समन्वय और प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत बनाना है उद्देश्य

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), सेना और दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों के सहयोग से 29 जुलाई से एक अगस्त तक बड़े स्तर पर आपदा प्रबंधन अभ्यास, 'सुरक्षा चक्र अभ्यास' का आयोजन होगा। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में अब तक आयोजित सबसे बड़े तैयारी अभ्यासों में से एक है। इसका उद्देश्य भूकंप और औद्योगिक रासायनिक खतरों जैसी बड़ी आपदा की स्थितियों में समन्वय और प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत बनाना है।

यह अभ्यास दिल्ली के 11 जिलों-मध्य दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, नई दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली, शाहदरा, दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली, दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली के अलावा हरियाणा के पांच जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, नूंह व रेवाड़ी और उत्तर प्रदेश के दो जिलों गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद में एक साथ आयोजित किया जाएगा। एनडीएमए ने कहा है कि इस अभ्यास का एक मकसद लोगों को आपातकालीन स्थितियों में किए जाने वाले राहत व बचाव कार्यों के प्रति जागरूक करना भी है।

तैयारी में सड़कों पर नजर आएंगे ये बदलाव

- अभ्यास के दौरान सड़कों पर एंबुलेंस, दमकल गाड़ियों, पुलिस व सेना के आपातकालीन वाहनों की आवाजाही में वृद्धि देखने को मिलेगी।
- राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), सशस्त्र बल, नागरिक सुरक्षा और अन्य एजेंसियों के कर्मी विभिन्न स्थानों पर तैनात किए जाएंगे।
- अभ्यास की शुरुआत का संकेत देने के लिए सायरन या सार्वजनिक संबोधन प्रणाली का उपयोग किया जा सकता है।
- संबंधित क्षेत्रों में कमान चौकियां, अभ्यास क्षेत्र, राहत शिविर और चिकित्सा सहायता चौकियां स्थापित की जाएंगी।
- प्रतिक्रिया दल खोज और बचाव अभ्यास, हताहतों को निकालने और कृत्रिम पीड़ितों को चिकित्सा सहायता प्रदान करते हुए दिखाई देंगे।

आपदा प्रबंधन का अभ्यास करते कर्मचारी। फाइल

रोजगार पाने तक रखरखाव की हकदार है उच्च शिक्षित महिला : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: परिवार न्यायालय के निर्णय बरकरार रखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि एक उच्च शिक्षित महिला जब तक रोजगार या आय का स्रोत विकसित करने में सक्षम नहीं हो जाती, वह पति से सहायता पाने की हकदार है। अदालत ने कहा कि उच्च योग्यता प्राप्त महिला को प्रयास करने पर नौकरी मिल सकती थी, लेकिन इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वह नौकरी नहीं कर रही है। यह भी नहीं कहा जा सकता है कि उसने जानबूझकर नौकरी छोड़ी थी, क्योंकि उसे शादी के बाद आस्ट्रेलिया जाने पर नौकरी छोड़नी पड़ी थी।

पीठ ने परिवार न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली पति की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि भरण-पोषण का आदेश केवल अंतरिम था। इसका आशय यह था कि अंतिम भरण-पोषण आदेश आय के हलफनामे पर विचार करने के बाद दोनों पक्षों की वित्तीय क्षमता और जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए जारी किया जाएगा। पीठ ने कहा कि अंतरिम भरण-पोषण आदेश, भरण-पोषण के आवेदन पर निर्णय होने तक महिला को अंतरिम राहत प्रदान करता है। अपीलकर्ता ने एक लाख का रखरखाव देने के परिवार न्यायालय के आदेश को चुनौती दी। अपीलकर्ता पति आस्ट्रेलियाई नागरिक है। उसने तर्क दिया कि प्रतिवादी शिक्षित महिला है और उसने मन से काम नहीं करने का फैसला किया था।

प्रार्थना के नाम पर मतांतरण का आरोप, लोगों का हंगामा

- हापुड़ पुलिस जांच में यीशु की प्रार्थना की बात आई सामने
- पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर शांतिभंग में किया चालान

मोहल्ला कृष्णा विहार में जांच करते पुलिसकर्मी। जागरण

जागरण संवाददाता, हापुड़

हापुड़ के कोतवाली क्षेत्र के मेरठ रोड स्थित मोहल्ला कृष्णा विहार में रविवार सुबह एक मकान में प्रार्थना के नाम पर मतांतरण का आरोप लगने से अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने मकान को घेरकर हंगामा शुरू कर नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची व स्थिति को नियंत्रित किया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि कुछ लोग प्रभु यीशु की प्रार्थना कर रहे थे। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में कार्रवाई की है।

रविवार सुबह मोहल्लेवासियों को संदेह हुआ कि मकान में मतांतरण की गतिविधियां चल रही हैं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मोहल्लेवासियों का गुस्सा बढ़ता गया व उन्होंने मकान को घेर लिया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया और मकान में मौजूद लोगों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान मकान में मौजूद महिलाओं और पुरुषों के नाम और पते दर्ज किए गए। प्रारंभिक जांच में पुलिस को मतांतरण से संबंधित कोई साक्ष्य नहीं मिला। इसके बजाय यह पाया गया कि लोग नियमित रूप से प्रभु यीशु की प्रार्थना कर रहे थे। पुलिस ने मौके से मेरठ के नौचंदी क्षेत्र के फूलबाग कालोनी गली नंबर आठ के रजनीश शर्मा, जिला गाजियाबाद के विजय नगर क्षेत्र के मोहल्ला भीमनगर के सागर वर्मा व हापुड़ के थाना देहात क्षेत्र के मोहल्ला शिवनगर के ललित को हिरासत में ले लिया। उन्हें पूछताछ के लिए थाने भिजवाया, जहां उनसे मामले की विस्तृत जानकारी ली गई।

> अभी तक की जांच में मकान में मतांतरण की कोई गतिविधि नहीं मिली है। कुछ लोग वहां प्रभु यीशु की प्रार्थना कर रहे थे, जो उनकी निजी धार्मिक प्रथा का हिस्सा है। स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी।
> – ज्ञानंजय सिंह, एसपी

शराब की बोतल पर भी दर्ज हो कैंसर होने के खतरे का संदेश

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

- एम्स के डाक्टरों द्वारा एक मेडिकल जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट में कही गई है यह बात
- तंबाकू से 13 तरह के कैंसर होते हैं, शराब के सेवन से होता है सात तरह का कैंसर

तंबाकू व सिगरेट के पैकेट की तरह शराब की बोतल पर भी यह संदेश लिखा जाना चाहिए कि शराब के सेवन से कैंसर होने का खतरा है। एम्स के कैंसर विशेषज्ञों द्वारा एक मेडिकल जर्नल फ्रंटियर्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट में एम्स के डाक्टरों ने शराब की बोतल पर कैंसर से संबंधित चेतावनी का संदेश दर्ज किए जाने की सिफारिश के पीछे ठोस तर्क भी दिए हैं।

एम्स में रेडियोथेरेपी विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. अभिषेक शंकर ने कहा कि देश में कैंसर के मामले बढ़े हैं। वर्ष 2012 से वर्ष 2022 की अवधि में कैंसर के मामले करीब 36 प्रतिशत बढ़े हैं। ग्लोबोकान 2022 के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 में देश में कैंसर के करीब 14 लाख नए मामले सामने आए। 9,16,827 मरीजों की मौतें हुईं। तंबाकू से ओरल व फेफड़े के कैंसर सहित 13 तरह के कैंसर होते हैं। उसी तरह शराब के सेवन से सात तरह का कैंसर होता है। जिसमें भोजन नली, लिवर, कोलन

कैंसर, स्तन कैंसर, ओरल कैंसर व गले का कैंसर शामिल है। हाल ही में अमेरिका के सर्जन जनरल ने शराब के सेवन से कैंसर होने को लेकर एक चेतावनी जारी की है। डा. अभिषेक शंकर ने कहा कि लिवर व पेट से संबंधित कैंसर के मामले बढ़ रहे है। इसलिए शराब की बोतल पर भी कैंसर से संबंधित चेतावनी दर्ज होनी चाहिए। साथ ही कैंसर की स्क्रीनिंग कराने की सलाह भी दर्ज होनी चाहिए।

पिता ने विषाक्त पदार्थ बच्चों को पिलाया और खुद भी पीया, तीनों की मौत

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : पल्ला थाना क्षेत्र के रोशन नगर में रहने वाले एक पिता ने कोल्ड ड्रिंक में विषाक्त पदार्थ मिलाकर पहले अपने दोनों बच्चों को पिलाया। फिर खुद भी पी लिया। रविवार दोपहर को तीनों की मौत हो गई। विषाक्त पदार्थ पीने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। मौके पर मिली कोल्ड ड्रिंक की बोतल से पुलिस को अंदेशा है कि विषाक्त पदार्थ इसमें ही मिलाया गया होगा। बोतल को जब्त करके फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। यह जानकारी मिली है कि मृतक की पत्नी खुशी तीन माह से अलग रह रही था। इस कारण वह काफी तनाव में था।

मृतक मूलरूप से बिहार के समस्तीपुर जिले के बड़हेता गांव, थाना कल्याणपुर का रहने वाला मोहम्मद निजाम यहां पल्ला थाना क्षेत्र के रोशन नगर में रहता था। मोहम्मद निजाम के दो बच्चे दिलशाद और शायमा भी उसके पास ही रहते थे। मृतक के जीजा मोहम्मद अफरोज ने बताया कि निजाम आटो चलाता था। वह शराब का सेवन करता था। इसी कारण से पत्नी खुशी से अक्सर झगड़ा होता था।

बीएमडब्ल्यू चालक ने तीन को मारी टक्कर, बच्ची की मौत

जागरण संवाददाता, नोएडा

- नोएडा के चाइल्ड पीजीआइ में बच्ची को दिखाकर पिता व मामा स्कूटी से लौट रहे थे घर
- पीजीआइ से निकलते ही हुआ हादसा, स्कूटी सवार शार्टकट के चक्कर में विपरीत दिशा में चल रहे थे

मृतक बच्ची आयत का फाइल फोटो। स्वजन

नोएडा सेक्टर 30 चाइल्ड पीजीआइ के सामने शनिवार देर रात जन्मदिन पार्टी से लौट रहे बीएमडब्ल्यू 520 डी कार के चालक ने विपरीत दिशा से आ रहे स्कूटी सवार तीन को सामने से टक्कर मार दी। इससे स्कूटी सवार पांच साल की बच्ची समेत तीनों कार के शीशे से टकराकर दूर जा गिरे, जबकि स्कूटी कार में फंसकर करीब सौ मीटर तक घिसटते चली गई। हादसे के बाद तीनों को प्राइवेट अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में पता चला है कि शार्टकट के चक्कर में स्कूटी सवार विपरीत दिशा से आ रहे थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कारोबारी के बेटे और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के दौरान चालक नशे में था।

पुलिस के मुताबिक, नोएडा सेक्टर 45 सदरपुर खजूर कालोनी के गुल मोहम्मद बिजली का काम करते हैं। शनिवार को उनकी पांच वर्षीय बेटी आयत की तबीयत खराब हो गई। गुल मोहम्मद स्कूटी से आयत को रात में ही अपने साले राजा के साथ चाइल्ड पीजीआइ में दिखाने गए थे। उपचार के बाद रात करीब सवा 12 बजे तीनों घर के लिए निकल लिए। गेट नंबर चार के पास बने यूटर्न की ओर बढ़े, तभी सेक्टर 37 की ओर से आ रही बीएमडब्ल्यू ने स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी। तीनों का सिर कार के शीशे से टकराया और सड़क पर दूर जा गिरे। किसी ने भी हेलमेट नहीं लगाया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटे से ज्यादा थी। तीनों को नजदीक के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने आयत को मृत घोषित कर दिया। गुल मोहम्मद व राजा का उपचार चल रहा है। गुल मोहम्मद के भाई पीर मोहम्मद अंसारी ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सहायक पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित चालक की पहचान सेक्टर 37 के यश शर्मा व उसके साथी सेक्टर 70 के अभिषेक रावत के रूप में हुई।

2019 माडल की कार के हो चुके 16 चालान

जांच में सामने आया है कि कार 2019 माडल की है। छह साल में 12 चालान ओवरस्पीड, दो पार्किंग रूल्स, एक स्टाप लाइन, एक बिना डीएल के वाहन चलाने संबंधी हुए हैं। अभी तक कोई भी चालान जमा नहीं किया गया है। सबसे पुराना चालान 59 माह से पेंडिंग है।

बर्थडे पार्टी से नशा करके आ रहे थे दोनों

एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि यश दिल्ली विवि से बीबीए पास है, जबकि उसका दोस्त अभिषेक दिल्ली द्वारिका के कालेज से एमबीए कर रहा है। यश वर्तमान में कार सेल-परचेज का काम करता है। उसने पांच दिन पहले ही गगनदीप से कार को बेचने के लिए लिया था। शनिवार रात को दोनों सेक्टर 39 में एक दोस्त के यहां जन्मदिन पार्टी में शामिल होकर कार से ही एलिवेटेड रोड की ओर जा रहे थे।

डीयू में आज जारी होगी दूसरे राउंड की सूची

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में अंडरग्रेजुएट (यूजी) कोर्सेज में दाखिले के लिए सोमवार को दूसरे राउंड की सीट एलाटमेंट सूची जारी होगी। स्टूडेंट्स के डैशबोर्ड पर 28 जुलाई को शाम पांच बजे तक इसकी जानकारी उपलब्ध हो जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय अपनी आधिकारिक वेबसाइट admission.uod.ac.in पर सीयूईटी आधारित कटआफ भी जारी करेगा, जिससे यह पता चलेगा कि किस न्यूनतम स्कोर पर किस कोर्स में दाखिला मिलेगा।

खाली सीटों को भरने का अवसर

डीयू के पहले राउंड में 93 हजार सीटें अलाट की गईं थीं, लेकिन केवल 62,565 छात्रों ने दाखिला प्रक्रिया पूरी की। इनमें से 43,741 छात्रों ने अपग्रेड का विकल्प चुना यानी वे दूसरे राउंड में किसी और कालेज या कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं। विश्वविद्यालय ने इन छात्रों को अपनी कालेज और कोर्स प्राथमिकताएं बदलने का अवसर भी दिया था। अब दूसरे राउंड में ऐसे छात्रों को उन कालेजों में प्रवेश मिल सकता है, जहां सीटें कम बची हैं।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर विशेष

अचानक लिवर खराब होने का बड़ा कारण बन रहा हेपेटाइटिस-ए

रणविजय सिंह • जागरण

> बाजार में हेपेटाइटिस-ए का टीका मौजूद होने के बावजूद यह टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा नहीं, लिवर फेल्योर होने पर बहुत कम मरीजों को हो पाता है प्रत्यारोपण, डोनर की कमी व आर्थिक तंगी आती है आड़े

नई दिल्ली: वायरल हेपेटाइटिस की बात होने पर अक्सर चर्चा हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी की होती है। यह दोनों बीमारियां घातक भी हैं, लेकिन हेपेटाइटिस-ए व हेपेटाइटिस-ई वायरल संक्रमण को सामान्य पीलिया की बीमारी समझकर कई लोग गंभीरता से नहीं लेते हैं। इस तरह की लापरवाही सेहत पर भारी पड़ सकती है। एम्स, यकृत व पित्त विज्ञान संस्थान (आइएलबीएस) व गंगाराम अस्पताल के डाक्टर बताते हैं कि अचानक लिवर खराब होने का सबसे बड़ा कारण हेपेटाइटिस-ए बन रहा है और यह बीमारी जानलेवा भी साबित हो रही है।

हाल ही में कोलकाता, चंडीगढ़, हैदराबाद और जयपुर के चार बड़े अस्पतालों की तरफ से किए गए अध्ययन में भी यह बात सामने आई है। इस अध्ययन में डाक्टरों ने हेपेटाइटिस-ए के टीकाकरण की भी जरूरत बताई है। मौजूदा समय में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में हेपेटाइटिस-बी शामिल है। बाजार में हेपेटाइटिस-ए का टीका मौजूद है, लेकिन यह टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है। हेपेटाइटिस-ए का संक्रमण दूषित भोजन व दूषित पानी के कारण होता है। इसलिए डाक्टरों का यह भी कहना है कि स्वच्छ खानपान से इस बीमारी से बचाव किया जा सकता है। एम्स के गैस्ट्रोलाजी विभाग के प्रोफेसर डा. शालीमार ने बताया कि हेपेटाइटिस-ए और हेपेटाइटिस-ई दोनों दूषित खानपान के कारण होते हैं। इससे पीड़ित 90 प्रतिशत मरीज एक माह में ठीक हो जाते हैं। कुछ मरीजों में यह एक्यूट लिवर फेल्योर का कारण बनता है। कुछ समय से हेपेटाइटिस-ए के कारण एक्यूट लिवर फेल्योर के मरीज अधिक देखे जा रहे हैं। इंडियन जर्नल आफ गैस्ट्रोलाजी में प्रकाशित एक शोधपत्र के अनुसार, एक्यूट लिवर फेल्योर से पीड़ित 44.26 प्रतिशत में इस बीमारी का कारण हेपेटाइटिस-ए का संक्रमण था। इसके अलावा साढ़े पांच प्रतिशत मरीजों में बीमारी का कारण हेपेटाइटिस-ए के साथ कोई दूसरा संक्रमण होना था।

12 प्रतिशत मरीजों में एक्यूट लिवर फेल्योर का कारण एक शोध में शराब का सेवन पाया गया

44.26 प्रतिशत एक्यूट लिवर फेल्योर से पीड़ितों में हेपेटाइटिस-ए का संक्रमण पाया गया

75 प्रतिशत क्रोनिक लिवर फेल्योर का कारण हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी व शराब का सेवन पाया गया है

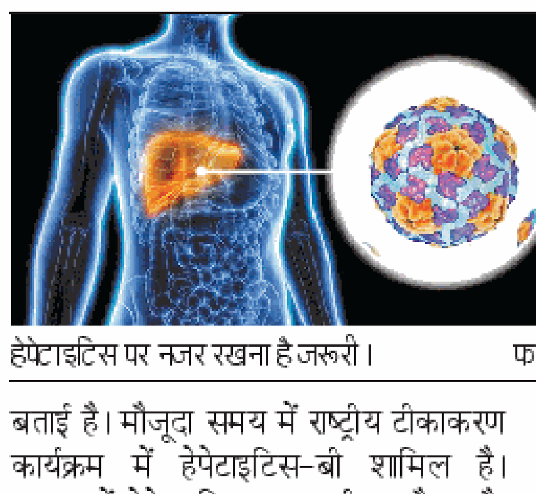

हेपेटाइटिस पर नजर रखना है जरूरी। फाइल

हेपेटाइटिस की रोकथाम अब भी बड़ी चुनौती

एम्स के गैस्ट्रोलाजी विभाग के प्रोफेसर डा. शालीमार ने बताया कि देश में करीब 2.9 करोड़ लोग हेपेटाइटिस-बी से पीड़ित है। डब्ल्यूएचओ ने 2030 तक इस बीमारी के उन्मूलन के लिए इसके मामलों में 90 प्रतिशत कमी लाने, 90 प्रतिशत टीकाकरण, माताओं से बच्चों में होने वाले हेपेटाइटिस-बी के संक्रमण को 90 प्रतिशत कम करने और 80 प्रतिशत मरीजों का इलाज सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है। 2018 से हेपेटाइटिस नियंत्रित कार्यक्रम चल रहा है। फिर भी इस बीमारी का उन्मूलन बड़ी चुनौती है।

****

सम्मेलन में अनुपस्थित रहने पर जेएनयू की कुलपति से मांगा जवाब

नई दिल्ली, प्रेट्र : शिक्षा मंत्रालय ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री धुलीपुडी पंडित से एक सम्मेलन में अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों के अनुसार, कुलपति बिना औपचारिक अनुमति लिए केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन में शामिल नहीं हुईं। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने इस अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया है। ऐसे मामलों में कुलपतियों को पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होता है। सम्मेलन का निमंत्रण काफी पहले भेजा गया था। हालांकि, जेएनयू में उसी समय एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, फिर भी प्राथमिकता मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मेलन को दी जानी चाहिए थी।

शिक्षा मंत्रालय ने 10-11 जुलाई को गुजरात के केवड़िया में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया था। यह सम्मेलन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर आयोजित किया गया था।

यौन उत्पीड़न मामले में डीयू प्रोफेसर की याचिका खारिज

विनीत त्रिपाठी, जागरण • नई दिल्ली: विभिन्न छात्राओं और एक पूर्व छात्रा द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डा. अमित कुमार को राहत देने से इन्कार करते हुए डीयू की आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) के निर्णय को दिल्ली हाई कोर्ट ने बरकरार रखा है। अदालत ने कहा कि भविष्य संवारने से लेकर मार्गदर्शक माने जाने वाले शिक्षक द्वारा छात्राओं के यौन उत्पीड़न का कृत्य उचित नहीं है क्योंकि ये छात्राओं के मस्तिष्क पर हानिकारक प्रभाव डालती है।

15 जुलाई तक इस वर्ष बीएसएफ ने 1,372 बांग्लादेशियों को भारत में घुसने के दौरान पकड़ा, जबकि विभिन्न राज्य पुलिस बलों ने 3,536 लोगों को पकड़ा है।

आपरेशन सिंदूर की सफलता में लाजिस्टिक्स प्रबंधन था एक निर्णायक कारक : राजनाथ

रक्षा क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव, युद्ध के तरीकों में भी देखने को मिल रहे हैं बड़े परिवर्तन

रक्षा मंत्री ने कहा, युद्ध सिर्फ बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते

नई दिल्ली में रविवार को अपने आवास से वडोदरा स्थित गति शक्ति विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह को संबोधित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एएनआइ

- बताया लाजिस्टिक्स प्रबंधन का महत्व, कहा–युद्ध के मैदान में किसी देश का तय करता है भाग्य
- जो राष्ट्र अपनी लाजिस्टिक्स श्रृंखला को मजबूत रखता है, वही होता है सबसे अधिक स्थिर, सुरक्षित और सक्षम
- संसाधनों के उचित प्रबंधन के अभाव में सबसे मजबूत इरादे भी पड़ जाते हैं कमजोर

वडोदरा, प्रेट्र : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि जिस गति से दुनिया बदल रही है, वह प्रभावशाली भी है और चौंकाने वाली भी। रक्षा क्षेत्र भी बदल रहा है और युद्ध के तरीकों में भी बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। आज के दौर में युद्ध सिर्फ बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते, बल्कि समयबद्ध तरीके से निर्बाध लाजिस्टिक्स प्रबंधन के परिणामस्वरूप युद्ध जीते जाते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी ढांचों को निशाना बनाकर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए 'आपरेशन सिंदूर' की सफलता में 'सशस्त्र बलों को जुटाने से लेकर सही समय और स्थान पर उपकरण पहुंचाने तक' विभिन्न एजेंसियों द्वारा निर्बाध लाजिस्टिक्स (रसद) प्रबंधन एक निर्णायक कारक था।

रेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वडोदरा स्थित गति शक्ति विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षा समारोह में छात्रों और संकाय सदस्यों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि लाजिस्टिक्स प्रबंधन युद्ध के मैदान में किसी देश का भाग्य तय करता है। जीत और हार का फैसला लाजिस्टिक्स प्रबंधन से होता है और आपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी दुनिया ने इसे देखा था। उन्होंने कहा, 'चाहे युद्ध हो, आपदा हो या वैश्विक महामारी, जो राष्ट्र अपनी लाजिस्टिक्स श्रृंखला को मजबूत रखता है, वही सबसे अधिक स्थिर, सुरक्षित और सक्षम होता है।'

इस अवसर पर उपस्थित रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'अब तक, यह गति शक्ति विश्वविद्यालय रेलवे, विमानन और राजमार्ग लाजिस्टिक्स के क्षेत्र में काम कर रहा है। अब हमने निर्णय लिया है कि विश्वविद्यालय समुद्री और बंदरगाह क्षेत्र को भी जोड़ेगा।'

उन्होंने कहा, 'चाहे सीमा पर लड़ रहे सैनिक हों या आपदा प्रबंधन में लगे कर्मचारी, समन्वय या संसाधनों के उचित प्रबंधन के बिना, सबसे मजबूत इरादे भी कमजोर पड़ जाते हैं। शक्ति का मापदंड केवल हथियारों से ही नहीं, बल्कि समय पर संसाधन प्रबंधन से भी होता है।'

राजनाथ ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत के बुनियादी ढांचा में अभूतपूर्व विकास हुआ है और समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण के साथ इस परिवर्तन की नींव- नीतिगत सुधारों और मिशन-मोड परियोजनाओं के माध्यम से रखी गई है।

उन्होंने कहा, 'पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत, रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और लाजिस्टिक्स आधारभूत ढांचे जैसे विकास के सात शक्तिशाली स्तंभ मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान कर रहे हैं।

अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजने की प्रक्रिया का बीएसएफ जुटाएगी साक्ष्य

- बांग्लादेश सीमा पर जवानों को 5,000 बाडी कैमरे और बायोमेट्रिक उपकरण मिलेंगे
- सीमा पर निगरानी रखने में भी मिलेगी मदद, तैनात जवानों पर हमले भी दर्ज होंगे

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को पांच हजार से अधिक बाडी-वार्न कैमरे प्रदान किए जा रहे हैं। यह कदम सीमावर्ती निगरानी बढ़ाने और अवैध बांग्लादेशियों को देश से बाहर निकाले जाने के दौरान के दृश्य और साक्ष्य रिकार्ड करने के साथ ड्यूटी पर तैनात कर्मियों पर हमले की घटनाओं को दर्ज करने के लिए उठाया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश से लगी सीमा के 4,096 किलोमीटर लंबे फ्रंट पर बीएसएफ के कुछ चयनित बार्डर आउटपोस्ट (बीओपी) को भी ऐसे उपकरणों से लैस किया जा रहा है, जो अवैध बांग्लादेशियों के फिंगर प्रिंट और आइरिस (आंखों की पुतली) स्कैन जैसी बायोमेट्रिक चिह्नों को रिकार्ड करेंगे, ताकि इस डाटा को विदेशियों के पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) के साथ साझा किया जा सके। इससे भारत में घुसपैठ करने वाले अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ साक्ष्य आधारित डाटाबेस बनाया जा सकेगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में बीएसएफ मुख्यालय के इन दो प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जो बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा स्थिति की 'व्यापक समीक्षा' के बाद लिया गया है। लगभग पांच हजार बाडी-वार्न कैमरे बीएसएफ के जवानों को दो बैचों में भेजे जा रहे हैं। जवानों की वर्दी पर लगे यह कैमरे रात में देखने की क्षमता से लैस हैं और लगभग 12-14 घंटे का फुटेज रिकार्ड कर सकते हैं। ये कैमरे अवैध बांग्लादेशियों के निर्वासन के समय तथ्यों और साक्ष्यों को रिकार्ड करने में मदद करेंगे। यह कैमरे तब भी कारगर होंगे जब बीएसएफ के जवानों को सीमा पार से होने वाले ड्रग्स, मवेशियों, मानव तस्करी और नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआइसीएन) की तस्करी जैसे संगठित अपराधों को रोकना पड़ता है। रिकार्डिंग उन मामलों में भी साक्ष्य के रूप में कार्य करेगी, जहां बीएसएफ के जवानों पर दोनों देशों के अपराधियों द्वारा हमले किए जाते हैं। बांग्लादेश और उसके सुरक्षा बल सीमा गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने द्विपक्षीय मंचों पर यह दावा किया है कि उनके नागरिकों को भारतीय पक्ष अत्यधिक बल प्रयोग करके मारता है, जबकि बीएसएफ ने हमेशा कहा है कि वह जवानों की जान बचाने के अंतिम उपाय के रूप में गैर-घातक या घातक गोलीबारी करती है। अब इन बाडी-वार्न कैमरों से इन घटनाओं को रिकार्ड किया जाएगा व जब आवश्यक हो तो जांच के लिए प्रमाण के रूप में कार्य करेगा। कुछ चयनित व 'संवेदनशील' बीएसएफ बीओपी को भी बायोमेट्रिक डाटा रिकार्डिंग मशीनों से लैस किया जा रहा है, जो इस फ्रंट पर पकड़े गए अवैध बांग्लादेशियों के फिंगरप्रिंट और आंखों के स्कैन दर्ज करेंगे।

बिहार में राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का होगा गठन : नीतीश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना: बिहार में राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया जाएगा। यह आयोग सफाई कर्मियों के हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के संबंध में सरकार को सुझाव देगा। साथ ही, सफाई कार्यों में लगे लोगों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर उसे लागू करवाने के संबंध में समुचित कार्रवाई करेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि बिहार में सफाई कर्मचारियों के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा, कल्याण, पुनर्वास, सामाजिक उत्थान, शिकायतों के निवारण तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का विभाग को निर्देश दिया है। सफाई कर्मचारी आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष तथा पांच सदस्य होंगे। इनमें एक महिला या ट्रांसजेंडर होंगे। आयोग राज्य में सफाई कार्यों से जुड़े समाज के वंचित वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

फिल्म पायरेसी में शामिल लोगों को होगी तीन साल तक की कैद

- केंद्र सरकार ने डिजिटल पायरेसी रोकने को कानूनों में किया संशोधन
- संशोधनों में न्यूनतम तीन महीने की जेल और तीन लाख का जुर्माना तय

नई दिल्ली, प्रेट्र : डिजिटल पायरेसी पर अंकुश लगाने के प्रयास में केंद्र सरकार ने अवैध फिल्म रिकार्डिंग और प्रसारण में शामिल लोगों के लिए जेल की सजा और उत्पादन लागत के पांच प्रतिशत तक के कड़े जुर्माने को शामिल करने के लिए कानूनों में संशोधन किया है। सरकार ने फिल्म पायरेसी के खिलाफ प्रविधानों को मजबूत करने के लिए दो साल पहले सिनेमा अधिनियम में ये बदलाव किए थे।

सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने पिछले सप्ताह संसद में कहा, 'संशोधनों में न्यूनतम तीन महीने की जेल और तीन लाख रुपये का जुर्माना शामिल है, जिसे तीन साल तक की जेल और आडिट की गई कुल उत्पादन लागत के पांच प्रतिशत तक के जुर्माने में बढ़ाया जा सकता है।'

उन्होंने कहा कि सिनेमा अधिनियम की धारा 6एए और 6एबी अवैध फिल्म रिकार्डिंग और प्रसारण पर रोक लगाती है। सिनेमा अधिनियम की नई जोड़ी गई धारा-7(1बी)(ii) सरकार को पायरेटेड सामग्री को होस्ट करने वाले मध्यस्थों को आवश्यक निर्देश जारी करने का अधिकार देती है।

उन्होंने कहा कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को कापीराइट धारकों या अधिकृत व्यक्तियों से शिकायतें प्राप्त करने और ऐसी सामग्री होस्ट करने वाले मध्यस्थों को आवश्यक निर्देश जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि एक अंतर-मंत्रालयी समिति का गठन किया गया है ताकि एंटी-पायरेसी रणनीतियों को मजबूत किया जा सके और समन्वित कार्य योजनाएं विकसित की जा सकें। ईवाई द्वारा प्रकाशित द राब रिपोर्ट और इंटरनेट और मोबाइल एसोसिएशन आफ इंडिया (आइएएमएआइ) के अनुसार भारतीय मनोरंजन उद्योग ने 2023 में पायरेसी के कारण 22,400 करोड़ रुपये का नुकसान झेला था।

जब देश एक सोच पर एक साथ आ जाए तो असंभव भी होता संभव

प्रथम पृष्ठ से आगे

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री की 'मन की बात' कार्यक्रम सुनने के बाद पूर्व सैनिकों से मिलते हुए। एएनआइ

पीएम ने ये भी कहा...

- उत्तराखंड के कीर्तिनगर के लोग पहाड़ों में कचरा प्रबंधन की नई मिसाल कायम कर रहे हैं।
- भोपाल में एक टीम है, जिसका नाम है 'सकारात्मक सोच।' इसमें 200 महिलाएं शामिल हैं। ये सिर्फ सफाई ही नहीं करतीं, लोगों का सोच भी बदलती हैं।
- लखनऊ की गोमती नदी टीम का जिक्र भी जरूरी है। पिछले 10 वर्षों से हर रविवार, बिना थके, बिना रुके, इस टीम के सदस्य सफाई के काम में लगे रहते हैं।
- छत्तीसगढ़ के बिल्हा का उदाहरण भी बहुत अच्छा है। यहां महिलाओं को कचरा प्रबंधन का प्रशिक्षण मिला और उन्होंने मिलकर शहर की तस्वीर ही बदल दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'कुछ लोगों को कभी-कभी कोई काम नामुमकिन लगता है। लगता है कि क्या ये भी हो पाएगा? लेकिन जब देश एक सोच पर एक साथ आ जाए तो असंभव भी संभव हो जाता है। स्वच्छ भारत मिशन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पिछले करीब 11 वर्षों में स्वच्छ भारत मिशन एक जन-आंदोलन बना है। लोग इसे अपना फर्ज मानते हैं और यही असली जन-भागीदारी है।'

अगस्त क्रांति और नेशनल हैंडलूम डे की चर्चा : बिहार के मुजफ्फरपुर में 11 अगस्त, 1908 को फांसी पर झूले अमर बलिदानी खुदीराम बोस को नमन करते हुए प्रधानमंत्री ने अगस्त क्रांति की चर्चा शुरू की। कहा, एक अगस्त को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि होती है। इसी महीने आठ अगस्त को गांधीजी के नेतृत्व में 'भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरुआत हुई थी। फिर आता है स्वतंत्रता दिवस। कहा कि सात अगस्त, 1905 को एक और क्रांति की शुरुआत हुई थी। इसी स्मृति में देश हर वर्ष सात अगस्त को 'नेशनल हैंडलूम डे' मनाता है। आज भारत में 3,000 से ज्यादा टेक्सटाइल स्टार्टअप सक्रिय हैं।

विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों में भारत ने जीते 600 पदक : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' में सरकार की 'खेलो भारत नीति 2025' का जिक्र करते हुए कहा कि छह जुलाई को अमेरिका के बर्मिंघम (अलबामा) में द्विवार्षिक विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल संपन्न हुए। भारत ने इसमें इतिहास रच दिया। भारत ने लगभग 600 पदक जीते। हम 71 देशों में शीर्ष तीन में पहुंचे। प्रधानमंत्री ने सवाल किया, 'क्या आप जानते हैं कि ओलिंपिक के अलावा सबसे बड़ा खेल आयोजन कौन सा है? उत्तर है, 'विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल। दुनियाभर के पुलिसकर्मियों, अग्निशमन कर्मियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच एक खेल प्रतियोगिता।' 2029 में ये खेल भारत में होंगे।

संथाली साड़ी के पुनरुद्धार के लिए आदिवासी महिलाओं को सराहा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संथाली साड़ियों के पुनरुद्धार के लिए ओडिशा के मयूरभंज जिले की आदिवासी महिलाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 650 से अधिक आदिवासी महिलाओं ने मयूरभंज में संथाली साड़ी को पुनर्जीवित किया है। अब ये महिलाएं हर महीने हजारों रुपये कमा रही हैं। क्योंझर जिले की प्रमिला प्रधान की पर्यावरण संरक्षण और बिहार के नालंदा के नवीन कुमार की हथकरघा तकनीक के क्षेत्र में योगदान के लिए सराहना की।

अपराजिता बिल पर केंद्र के प्रश्नों का जवाब दे राज्य सरकार : बोस

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- राज्यपाल बोले, मैं चाहता हूं कि राज्य सरकार इसमें पूरी तरह सहयोग करे
- बिल में दुष्कर्म और हत्या के दोषियों को फांसी की सजा का प्रविधान

सीवी आनंद बोस। फाइल

बंगाल सरकार को अपराजिता विधेयक वापस भेजने के एक दिन बाद राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस ने कहा कि वह चाहते हैं कि राज्य सरकार इस विधेयक पर केंद्र की आपत्तियों का जवाब दे। यह भी कहा कि विधेयक अपने संदर्भ और विषय-वस्तु के लिहाज से बड़ा है, इसलिए राष्ट्रपति द्वारा इस पर विचार किए जाने की आवश्यकता है।

बंगाल विधानसभा ने नौ अगस्त, 2024 को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डाक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले के लगभग एक महीने बाद अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया था। विधेयक में दुष्कर्म और हत्या जैसे गंभीर मामले में दोषी पाए जाने पर फांसी की सजा का प्रविधान है।

राज्यपाल ने कहा कि अपराजिता विधेयक अपने संदर्भ और विषयवस्तु में व्यापक था इसलिए, मैंने सोचा कि इस पर भारत के राष्ट्रपति की राय ली जानी चाहिए। अब, भारत सरकार ने कुछ प्रश्न उठाए हैं, जिनका उत्तर देने के लिए मैंने राज्य सरकार से कहा है। मालूम हो कि केंद्र सरकार की आपत्तियों के बाद राज्यपाल बोस ने शुक्रवार को अपराजिता विधेयक को राज्य सरकार को वापस लौटा दिया था।

बता दें कि ममता बनर्जी की सरकार और राज्यपाल सीवी आनंद बोस के बीच कई मुद्दों पर तकरार हो चुकी है।

आंगनबाड़ियों में नामांकित 13 राज्यों के 63 जिलों में 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे बौनेपन के शिकार

- कुपोषण के कारण बच्चों में कम शारीरिक विकास वाले राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर
- संसद में पेश दस्तावेज के विश्लेषण के उपरांत यह तथ्य हुआ उजागर
- 0-6 वर्ष की उम्र के 8.19 करोड़ में से 35.91% बच्चे बौनेपन के शिकार

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : संसद में प्रस्तुत कई दस्तावेज के विश्लेषण के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 34 जिलों सहित 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 63 जिलों में यह बात सामने आई है कि आंगनबाड़ियों में नामांकित 50 प्रतिशत से ज्यादा बच्चे स्टंटिंग (बौनेपन) के शिकार हैं। विश्लेषण से यह भी पता चला कि 199 जिलों में बौनेपन का स्तर 30 से 40 प्रतिशत है। स्टंटिंग एक प्रकार का दीर्घकालिक कुपोषण है, जो तब होता है जब बच्चों को लंबे समय तक पर्याप्त पोषण नहीं मिलता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून, 2025 के पोषण ट्रैकर पर आधारित आंकड़ों के अनुसार, स्टंटिंग के उच्चतम स्तर वाले कुछ सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में महाराष्ट्र का नंदुरबार (68.12 प्रतिशत), झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम (66.27 प्रतिशत), उत्तर प्रदेश का चित्रकूट (59.48 प्रतिशत), मध्य प्रदेश का शिवपुरी (58.20 प्रतिशत) और असम का बोंगाईगांव (54.76 प्रतिशत) शामिल हैं।

आंगनबाड़ियों में नामांकित कुपोषण के कारण बच्चों में कम शारीरिक विकास वाले राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश का स्थान सबसे ऊपर है। यहां 34 जिलों में बौनेपन का स्तर 50 प्रतिशत से अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, आंगनबाड़ियों में 0-6 वर्ष की उम्र के 8.19 करोड़ बच्चों में से 35.91 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं और 16.5 प्रतिशत कम वजन के हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में बौनेपन का स्तर और भी ज्यादा (37.07 प्रतिशत) है। कम वजन वाले बच्चों के मामले में भी स्थिति उतनी ही गंभीर है।

लोकसभा में हाल ही में एक प्रश्न के जवाब में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा था कि पोषण केवल भोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल और शिक्षा जैसे कारक भी शामिल हैं। चूंकि कुपोषण के लिए बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, इसलिए इस समस्या का समाधान एकीकृत तरीके से करना अत्यंत आवश्यक है। सरकार 'मिशन सक्षम आंगनबाड़ी' और 'पोषण 2.0' नामक एक व्यापक योजना लागू कर रही है, जो आंगनबाड़ी सेवाओं, 'पोषण अभियान' और किशोर पोषण कार्यक्रमों को एकीकृत करती है। यह योजना समुदाय-आधारित ठोस कुपोषण प्रबंधन (सीएमएएम), पोषक तत्वों से भरपूर या संवर्धित चावल के उपयोग और भोजन में बाजरे जैसे मोटे अनाज को शामिल करने पर केंद्रित है।

थरूर को कांग्रेस की ओर से वक्ता बनाए जाने पर स्थिति स्पष्ट नहीं

प्रथम पृष्ठ से आगे

हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि शशि थरूर, जिन्होंने अमेरिका सहित अन्य देशों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था, को कांग्रेस द्वारा वक्ता के रूप में चुना जाएगा या नहीं। थरूर ने आतंकी हमले के बाद सरकार की कार्रवाई का समर्थन किया था, जिससे उनके अपनी पार्टी से संबंध खराब हो गए हैं। चूंकि उन्होंने एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था, इसलिए उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया जा सकता है।

विपक्षी दल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीछे कथित खुफिया चूक और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में मध्यस्थता के दावे किए जाने के आधार पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे।

उधर, राहुल गांधी ने बार-बार सरकार की विदेश नीति पर हमला किया है। उनका दावा है कि भारत को आपरेशन सिंदूर में अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिला। इससे इतर, मोदी ने आपरेशन सिंदूर की सराहना की है, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। प्रधानमंत्री के अनुसार, आपरेशन सिंदूर अपने उद्देश्यों में 100 प्रतिशत सफल रहा है और इसने भारत के स्वदेशी हथियारों की क्षमता को साबित किया है। भारत ने पाकिस्तान से जुड़े आतंकवाद के खिलाफ नई नीति अपनाई है और आतंकियों तथा उनको शरण देने वालों के बीच कोई अंतर नहीं करेगा।

सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध का एक मुद्दा यह है कि विपक्ष ने निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर संसद में चर्चा की मांग की है। उसका दावा है कि इस कवायद का उद्देश्य चुनावी राज्य में भाजपा नीत गठबंधन को मदद पहुंचाना है। रिजीजू ने कहा है कि संसद में हर मुद्दे पर एक साथ चर्चा नहीं की जा सकती और सरकार नियमों के अनुसार इस पर बहस की मांग पर बाद में निर्णय लेगी।

यह भी उल्लेखनीय है कि इस प्रकार की चर्चाओं में आरोप-प्रत्यारोप के कारण सदन में टकराव की स्थिति बनती रही है।

उम्मीद की रोशनी

टूटी दशकों की खामोशी, बस्तर के गांवों में बजने लगी विकास की घंटी

कभी माओवाद की दहशत में डूबे इन गांवों में अब विकास की नई सुबह दे रही दस्तक, पहली बार गांवों में खुले बैंक, आदिवासी समाज के लोग ले रहे बैंकिंग सेवाओं के लाभ

संदीप तिवारी ● नईदुनिया

- आंगनबाड़ी केंद्रों में अपने बच्चों को लेकर पहुंच रहीं माताएं, मोबाइल टावर भी सक्रिय

बस्तर में बढ़ रही हैं संचार सेवाएं। प्रतीकात्मक

रायपुर : कभी माओवाद की भयावह छाया में डूबे बस्तर के सैकड़ों गांवों में अब उम्मीद की रोशनी फैलने लगी है। जहां पहले बंदूकों की गूंज, दहशत और सन्नाटा पसरा रहता था, वहां अब बच्चों की किलकारियां, स्कूलों की घंटी और मोबाइल नेटवर्क की टोन सुनाई दे रही है। यह मुमकिन हुआ है छत्तीसगढ़ सरकार की 'नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव)' योजना के चलते, जिसने बस्तर के 327 गांवों में बदलाव की इबारत लिखनी शुरू कर दी है। 30 जुलाई को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में माओवादी उन्मूलन की रणनीति और नियद नेल्ला नार योजना की प्रगति की समीक्षा हो सकती है।

दशकों तक माओवादी आतंक के साए में दबे इन गांवों में विकास की नई सुबह दस्तक दे रही है। महिलाएं निर्भीक बच्चों को लेकर आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचने लगी हैं। पहली बार कई गांवों में बैंक खुले हैं और आदिवासी समुदाय बैंकिंग सेवाओं का लाभ ले रहा है। मोबाइल टावरों की स्थापना ने दूरस्थ अंचलों को डिजिटल दुनिया से जोड़ा है। आज जब बस्तर के सुदूर गांवों में मोबाइल की घंटी बजती है तो यह सिर्फ संचार नहीं, बल्कि बदलाव की घंटी होती है।

बता दें कि 15 फरवरी 2024 को शुरू हुई 'नियद नेल्ला नार' योजना के तहत 17 विभागों की 52 योजनाएं और 31 सामुदायिक सुविधाएं इन गांवों तक पहुंचाई जा चुकी हैं। डेढ़ साल में सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर में 54 नए सुरक्षा कैंप खोले गए हैं। इन शिविरों ने न केवल सुरक्षा की दीवार खड़ी की है, बल्कि प्रशासन और आम जनता के बीच भरोसे की खाई को भी पाटा है। उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि हर गांव में संविधान पहुंचेगा, बस्तर बदल कर रहेगा।

विकास के बोलते आंकड़े

- **31** नए प्राथमिक विद्यालयों में 13 हो चुके चालू
- **185** आंगनबाड़ी केंद्रों में 107 संचालन में
- **119** मोबाइल टावरों में 43 सक्रिय
- **144** हाईमास्ट लाइटों में 92 चालू
- **116** सड़क परियोजनाओं में 26 पूर्ण

परिवर्तन की मिसाल बना हिड़मा का पूवर्ती गांव

सुकमा का पूवर्ती गांव, जो कभी माओवादी हिड़मा और देवा जैसे आतंकियों का ठिकाना रहा, आज परिवर्तन की मिसाल बन रहा है। यह गांव पहले शासन की पहुंच से दूर था, लेकिन सुरक्षा कैंप खुलने के बाद यहां तेजी से मूलभूत सुविधाएं पहुंचने लगी हैं। तीन दशकों से माओवादी हिंसा बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी। सरकार की इच्छाशक्ति, सुरक्षा बलों की रणनीति और स्थानीय समुदाय की भागीदारी ने माओवादी तंत्र की कमर तोड़ दी है।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

****

3 दिनों तक सदन में उपस्थित रहने को एक व्हिप जारी किया है कांग्रेस ने अपने लोकसभा सदस्यों को। यह व्हिप सोमवार से बुधवार तक के लिए है। इस दौरान सदन में पहलगाम आतंकी हमले और आपरेशन सिंदूर पर चर्चा की जाएगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण दैनिक जागरण सोमवार 28 जुलाई, 2025

मोदी के गंगईकोंड चोलपुरम दौरे से बदल सकता है तमिलनाडु का राजनीतिक विमर्श

- पीएम ने चोलपुरम मंदिर का किया दौरा, चोल सम्राट राजेंद्र चोल-प्रथम पर जारी किया स्मारक सिक्का
- बैकफुट पर आई स्टालिन सरकार ने ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहर के जीर्णोद्धार के लिए खोला खजाना
- अब तक शिव भक्त चोल राजाओं को नजरअंदाज करती आई थी डीएमके

गंगईकोंड चोलपुरम मंदिर आस्था की भूमि है और इसने हम सभी को शिव भक्ति में लीन कर दिया है। मैं काशी से सांसद हूं। जब मैं ओम नम: शिवाय सुनता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। – नरेन्द्र मोदी, पीएम

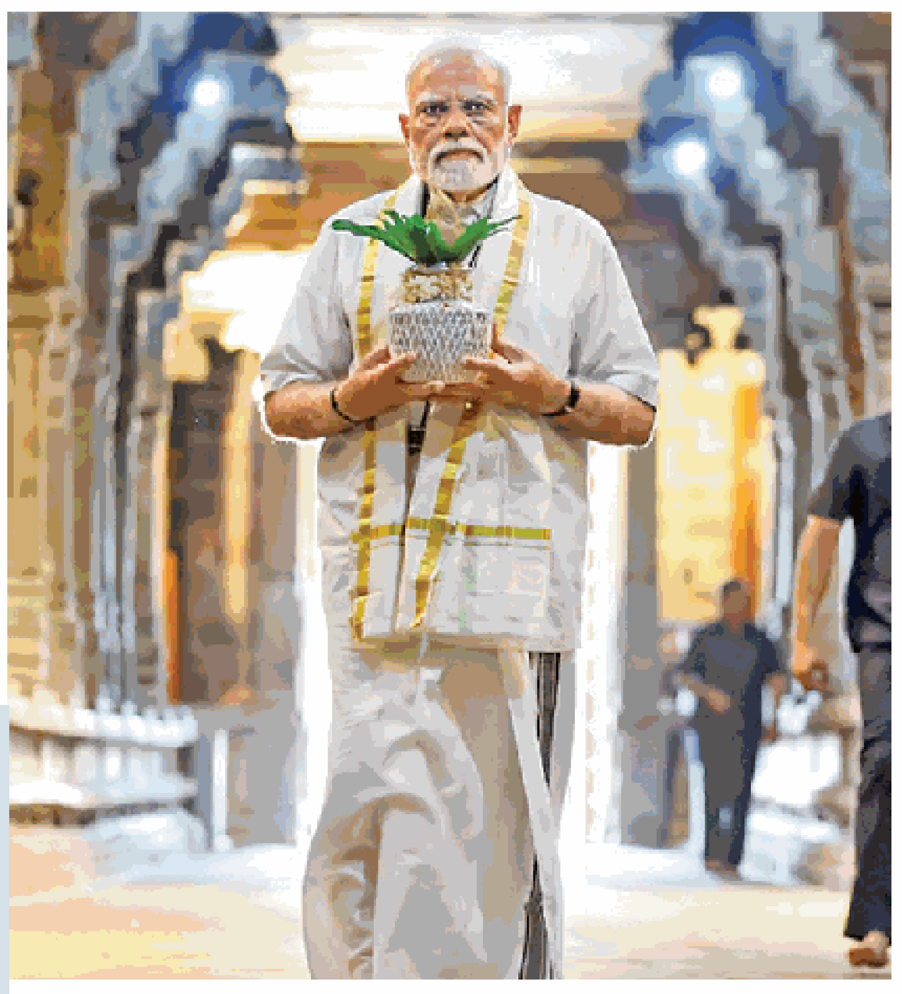

तमिलनाडु में रविवार को गंगईकोंडा चोलापुरम मंदिर में पूजा-अर्चना करने जाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

नीलू रंजन • जागरण

नई दिल्ली : दो वर्ष पूर्व संसद में चोल साम्राज्य के धर्मदंड सेंगोल की स्थापना के जरिये मोदी सरकार ने दक्षिण और उत्तर भारत के बीच ऐतिहासिक कड़ी को जोड़ने का काम शुरू किया था। रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चोल सम्राट राजेंद्र चोल-प्रथम द्वारा स्थापित राजधानी गंगईकोंड चोलपुरम के 1000 वर्ष पूरे होने पर तमिलनाडु के अरियालुर जिले में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और एक सिक्का जारी कर इसे और आगे बढ़ाया। इसने तमिलनाडु की समृद्ध ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत को राजनीति के केंद्र में ला दिया है। इसे चोल साम्राज्य की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत के सहारे तमिलनाडु की राजनीति को साधने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है। साथ ही तमिलनाडु को सनातन से जोड़ने की कोशिश के रूप में भी। इसने सनातन के खिलाफ चलने वाली द्रविड़ राजनीति को बैकफुट पर ला दिया है।

तमिलनाडु दौरे के दूसरे दिन मोदी ने गंगईकोंड चोलपुरम मंदिर का दौरा किया, यहां पर उन्होंने पूजा-अर्चना भी की। इसके बाद चोल सम्राट राजेंद्र चोल-प्रथम की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि इस ऐतिहासिक मंदिर में मैंने देशभर के 140 करोड़ लोगों की भलाई और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि चोल राजाओं ने श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण पूर्व एशिया जैसे क्षेत्रों के साथ अपने राजनयिक और व्यापारिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया। चोल साम्राज्य का इतिहास और विरासत भारत की अपार क्षमता का प्रमाण है और देश की प्रगति के दृष्टिकोण के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मोदी ने घोषणा की कि तमिलनाडु में चोल सम्राटों राजराज चोल और राजेंद्र चोल की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी ताकि भारतीय इतिहास और संस्कृति में उनके योगदान को स्मरण किया जा सके। संबोधन के दौरान मोदी ने आपरेशन सिंदूर की कामयाबी का भी जिक्र किया। कहा- "आपरेशन सिंदूर ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के खिलाफ किसी भी खतरे का करारा जवाब देगा। भारत के दुश्मनों और आतंकियों के लिए दुनिया में कोई आश्रय नहीं है।" इस दौरान मोदी ने एक रोड शो भी किया और उन्होंने सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

उधर, यदि देखा जाए तो आजादी के पहले से ही द्रविड़ संस्कृति को उत्तर भारत से अलग दिखाने का प्रयास किया जाता रहा है। अनीश्वरवादी पेरियार की द्रविड़ राजनीति से प्रेरित डीएमके भी इसी दिशा में चलती रही है। इसीलिए शिव भक्त चोल राजाओं और उनकी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया। दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैले चोल साम्राज्य की राजधानी गंगईकोंड चोलपुरम इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। गंगईकोंड चोलपुरम की नींव राजेंद्र चोल-प्रथम की गंगा के मैदान तक की विजय के बाद रखी गई थी। वहां बड़ा तालाब बनाकर गंगा से लाया गया जल डाला गया था। गंगईकोंड चोलपुरम का अर्थ है "गंगा को लाने वाले चोल राजा"। जाहिर है कि यह उत्तर भारत और तमिलनाडु के साझा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को इसी स्थल से तमिलनाडु की जनता को स्पष्ट संदेश दिया है।

प्रधानमंत्री के दौरे की घोषणा के बाद, तमिलनाडु के स्थानीय मीडिया में गंगईकोंड चोलपुरम की उपेक्षा और ऐतिहासिक स्थलों की जर्जर स्थिति की खबरें प्रमुखता से प्रकाशित हुईं, जिससे यह जनता के बीच विमर्श का विषय बन गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने गंगईकोंड चोलपुरम की ऐतिहासिक धरोहरों के जीर्णोद्धार के लिए करोड़ों रुपये देने की घोषणा की। इनमें 19.20 करोड़ रुपये उस तालाब के जीर्णोद्धार के लिए दिए गए, जिसमें गंगा जल मिलाया गया था। तालाब से जुड़ी 38 किलोमीटर लंबी नहर के लिए 12 करोड़ और पूरे परिसर के पर्यटन स्थल के विकास के लिए 7.20 करोड़ रुपये की घोषणा की गई। हालांकि, तमिलनाडु के भाजपा नेता अन्नामलाई ने चोल साम्राज्य की पहली राजधानी तंजावुर में ऐतिहासिक स्थलों की बदहाली का हवाला देकर यह स्पष्ट किया कि स्टालिन की घोषणा केवल एक दिखावा है।

प्रधानमंत्री मोदी लंबे समय से तमिलनाडु को भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ एकीकृत करने के प्रयास में जुटे हैं। इसके लिए काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगमम जैसे कार्यक्रम आरंभ किए गए हैं, ताकि आम लोगों के बीच दूरियों को कम किया जा सके। अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक सेंगोल को इलाहाबाद के नेहरू म्यूजियम से निकालकर संसद में स्थापित करने को भी इसी संदर्भ में देखा जा रहा है।

छह वर्ष बाद मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे, दोनों में गठबंधन की संभावनाएं बढ़ी

65 वर्ष के हो गए उद्धव को जन्मतिथि की बधाई देने राज ठाकरे उनके बंगले मातोश्री पर गए

एक माह में दूसरी बार एक साथ दिखाई दिए दोनों भाई

राज्य ब्यूरो, जागरण • मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में रविवार को बड़ा उलटफेर दिखाई दिया, जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे अपने चचेरे भाई व शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मिलने उनके घर मातोश्री पहुंचे। छह वर्ष के अंतराल पर हुई इस घटना से स्थानीय निकाय चुनावों में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की संभावनाएं बढ़ गई हैं। दोनों भाई एक महीने में दूसरी बार साथ दिखाई दिए हैं।

रविवार को 65 वर्ष के हो गए उद्धव को जन्मतिथि की बधाई देने राज ठाकरे उनके बांद्रा पूर्व स्थित बंगले मातोश्री पर गए। इससे पहले राज जनवरी, 2019 में अपने बेटे अमित की शादी का निमंत्रण देने मातोश्री गए थे। उससे पूर्व वह शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के निधन के बाद मातोश्री गए थे। घरेलू माहौल की बात करें, तो लगभग दो दशक बाद 'राजा' अपने प्रिय 'दादू' को उनकी जन्मतिथि की बधाई देने मातोश्री गए।

मुंबई में रविवार को शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को जन्मतिथि की शुभकामनाएं देने मातोश्री पहुंचे मनसे प्रमुख राज ठाकरे। एएनआइ

मुलाकात से मविआ उत्साहित

राज-उद्धव की मुलाकात से महाविकास आघाड़ी (मविआ) में उत्साह का माहौल है। राकांपा (शरद चंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा है कि यह बहुत अच्छी बात है कि दोनों भाई एक साथ आए हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने उद्धव को जन्मतिथि पर बधाई दी।

मुलाकात को राजनीतिक नजरिए से न देखें : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'दोनों का मिलना खुशी की बात है। इसे राजनीतिक नजरिए से क्यों देखा जाए? वह जन्मतिथि की बधाई देने गए थे। हमारी शुभकामना भी उद्धव जी के साथ हैं। सब साथ हैं।' उन्होंने कहा कि लोगों के मन में जो है, वह विधानसभा चुनावों में झलक गया है। अब जो लोगों के मन में है, वह स्थानीय निकाय चुनावों में भी झलकेगा। हमें दो लोगों के मन की बात पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि यह एक पारिवारिक मामला है।

राउत ने कहा कि महाराष्ट्र आज खुश

शिवसेना (यूबीटी) विधायक व विधानसभा में पार्टी दल के नेता भास्कर जाधव ने कहा, महाराष्ट्र के लोग चाहते थे कि दोनों भाई व दोनों दल साथ आएं, दो विचार एक साथ आएं। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र आज खुश है। बता दें कि महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान 29 नगर निगमों, 257 नगर परिषदों, 26 जिला परिषदों, 289 पंचायत समितियों में चुनाव होंगे।

मातोश्री पहुंचने पर राज ने सबसे पहले बालासाहेब की कुर्सी के सामने झुककर श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके बाद उद्धव ने राज के कंधे पर हाथ रखकर थपथपाया। उद्धव ने एक्स पर लिखा कि राज ठाकरे ने जन्मतिथि की शुभकामना दी। राज ने भी लिखा, बड़े भाई शिवसेना पक्ष-प्रमुख उद्धव ठाकरे को जन्मतिथि के अवसर पर दिवंगत बालासाहेब ठाकरे के आवास मातोश्री जाकर शुभकामना दी। बाद में उद्धव ने पत्रकार वार्ता में कहा, 'आज मैं बहुत खुश हूं।' जब उनसे पूछा गया कि राज ने उन्हें शिवसेना प्रमुख कहा है, तो उन्होंने कहा, 'हां, केवल एक ही शिवसेना है।' राज के पहुंचते ही राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने उनका स्वागत किया। इस मुलाकात में राज के साथ उनके सहयोगी व पूर्व गृह राज्यमंत्री बाला नंदगांवकर और पूर्व विधायक नितिन सरदेसाई भी थे। इस मुलाकात ने उद्धव को बधाई देने के लिए मातोश्री के आसपास एकत्रित हुए कई लोगों के चेहरों पर मुस्कान व आंसू ला दिए। राज और उद्धव पांच जुलाई को वर्ली स्थित सरदार वल्लभभाई स्टेडियम में मराठी भाषा, मराठी अस्मिता और महाराष्ट्र के व्यापक मुद्दे पर एकसाथ आए थे।

कांग्रेस ने मतदाता पुनरीक्षण रोकने को कहा, भाजपा बोली- लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाना चाहता है विपक्ष

- सिंघवी बोले-चुनाव आयोग को अहंकार नहीं दिखाना चाहिए
- राहुल किसी भी कीमत पर सत्ता हथियाना चाहते हैं : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, प्रेट्र : बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक घमासान जारी है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने रविवार को कहा कि चुनाव आयोग को संस्थागत अहंकार नहीं दिखाना चाहिए और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को रोक देना चाहिए। इसके जवाब में भाजपा ने विपक्षी गठबंधन पर विदेशी घुसपैठियों के दम पर भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, राजद सांसद मनोज झा और माकपा नेता नीलोत्पल बसु के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सिंघवी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा की जा रही यह प्रक्रिया 'नागरिकता परीक्षण' बन गई है। मैं चुनाव आयोग से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि यह राजनीतिक हठ का मामला नहीं है। यह संस्थागत अहंकार का मामला नहीं है। कृपया इस पर पुनर्विचार करें। हर कोई आपसे आग्रह कर रहा है। सिंघवी ने इस प्रक्रिया में जल्दबाजी पर भी सवाल उठाया।

दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग के "आत्म-प्रशंसापूर्ण" दावे उनकी आशंकाओं की पुष्टि करते हैं। हमने सुना है कि 65 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। चुनाव आयोग का दावा मूलतः हमारी आशंकाओं की पुष्टि करता है। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है। मनोज झा ने इसे आजादी के बाद से मताधिकार से वंचित करने की सबसे बड़ी कवायद बताया। नीलोत्पल बसु ने इसे गरीबों को मताधिकार से वंचित करने की कोशिश करार दिया।

विपक्षी दलों द्वारा मतदाता पुनरीक्षण अभियान की तीखी आलोचना पर भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह अभियान मतदाता सूची में आवश्यक बदलाव लाने के उद्देश्य से है। यह पूरी तरह पारदर्शी है। आइएनडीआइए की पार्टियां उन जगहों पर जीत रही हैं, जहां घुसपैठियों की मौजूदगी के चलते जनसांख्यिकी में सबसे ज्यादा बदलाव आया है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिष्ठा का मुद्दा है। लेकिन, राहुल गांधी किसी भी कीमत पर सत्ता हथियाना चाहते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि इंदिरा गांधी 50 साल पहले मानती थीं कि चुनाव की वैधता उनकी जीत पर निर्भर करती है।

बंगालियों के उत्पीड़न के खिलाफ तृणमूल ने शुरू किया भाषा आंदोलन

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता: भाजपा शासित राज्यों में बंगाली प्रवासी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को भाषा आंदोलन की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आह्वान पर शहर से लेकर राज्य के विभिन्न जिलों में तृणमूल के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने दोपहर में सड़क पर उतरकर बंगाली प्रवासी श्रमिकों के उत्पीड़न के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। भाजपा व केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रैली में शामिल तृणमूल नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा आज देश में ऐसा माहौल बना रही है कि बांग्ला बोलने पर ही बांग्लादेशी बताकर प्रताड़ित किया जा रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

ममता बनर्जी।

इधर, मुख्यमंत्री ममता सोमवार को बीरभूम जिले में भाषा आंदोलन जुलूस का नेतृत्व करेंगी और औपचारिक रूप से वहां की धरती से आंदोलन की शुरुआत करेंगी।

भाषा आंदोलन के जरिए बंगाली भाषा की गरिमा की रक्षा की मांग को लेकर तृणमूल हर शनिवार और रविवार को सड़कों पर उतरेगी। वहीं भाजपा का कहना है कि ममता झूठ बोल रही हैं। देश में कहीं भी बंगालियों पर अत्याचार नहीं हो रहा है।

तेजस्वी व तेजप्रताप यादव के लिए परिवार और राजनीति अलग-अलग

- तेजस्वी ने परिवार के लिए तेजप्रताप को हर दृष्टिकोण से रक्षक बताया
- तेजस्वी ने बड़े भाई तेजप्रताप की खूबियां गिनाते हुए कहा कि वे सब काम कर सकते हैं

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

लालू परिवार तो वैसे भी सुर्खियों में रहता है और अभी तो आए दिन तेजप्रताप से जुड़ी कोई-न-कोई नई कहानी है। इस बार इस कहानी में ट्विस्ट तेजस्वी पैदा कर रहे। एक चैनल को दिए साक्षात्कार में तेजस्वी ने परिवार के लिए तेजप्रताप को हर दृष्टिकोण से रक्षक (प्रोटेक्टिव) बताया। तेजस्वी का यह दृष्टिकोण पारिवारिक संबंधों के जीवंत होने की पुष्टि कर रहा। दूसरी तरफ तेजप्रताप एक साक्षात्कार में कह रहे कि अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए वे हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

साक्षात्कार में तेजस्वी ने बड़े भाई तेजप्रताप की खूबियां गिनाते हुए कहा कि वे सब काम कर सकते हैं। पायलट भी हैं, बांसुरी भी अच्छा बजाते हैं। रील भी बना लेते हैं और एमएलए भी हैं। भाई होने के नाते हम उनको इतना तो सही मानते हैं कि वे हमेशा परिवार को लेकर प्रोटेक्टिव रहते हैं। अच्छा लगता है कि सब उनका बनाया रील देखते भी हैं।

तेज प्रताप और तेजस्वी यादव। फाइल

नीतीश सरकार की आलोचना करने के अगले दिन रविवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान राजद नेता तेजस्वी यादव के निशाने पर आ गए। तेजस्वी ने कहा कि चिराग ने एक मंत्री और एनडीए सहयोगी के रूप में अपनी कमजोरी दिखाई है। उन्हें केवल अपनी कुर्सी से प्यार है और बिहार के लिए उनकी कोई वास्तविक चिंता नहीं है।

तेजप्रताप बोले, तेजस्वी महुआ से लड़ेंगे मैं उतर जाऊंगा राघोपुर में

तेजस्वी के महुआ से चुनाव लड़ने की अटकलों पर तेजप्रताप ने कहा कि अगर तेजस्वी महुआ से लड़ेंगे, तो मैं राघोपुर से लड़ूंगा। राजनीति और पारिवारिक संबंध अलग हैं। उन्होंने दावा किया कि महुआ में हुए विकास-कार्य उनके प्रयास के प्रतिफल हैं। अगर राजद वहां से प्रत्याशी देता है तो जनता उसे अस्वीकार कर देगी। उल्लेखनीय है कि तेजप्रताप पहले ही महुआ से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं। 2015 में वे पहली बार महुआ से ही विधायक बने थे। पिछला चुनाव हसनपुर से जीते। तेजस्वी दोनों चुनाव में राघोपुर से विजयी रहे हैं।

राजद में गरीबों और आम कार्यकर्ताओं के लिए कोई जगह नहीं : तेजप्रताप

जासं., बोचहां (मुजफ्फरपुर): राजद प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े पुत्र व राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेजप्रताप यादव ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस उन्हें पार्टी व परिवार से बेदखल करने के लिए षड्यंत्र रच रहे। जिस पार्टी को लालू यादव ने खून-पसीने से सींचा, आज उसमें गरीबों और आम कार्यकर्ताओं के लिए कोई जगह नहीं हैं। टीम तेजप्रताप की ओर से रविवार की रात बोचहां में आयोजित जनसंवाद में उन्होंने कहा कि तेजस्वी के आसपास बाहरी लोगों का घेरा बना दिया गया है। वे पार्टी और परिवार से उन्हें बेदखल करने की साजिश रच रहे हैं।

तेजप्रताप ने कहा कि राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल बुजुर्ग हैं। उनकी लंबी उम्र हो, लेकिन उन्होंने जो बयान दिया, उसके लिए उन्हें शर्म आनी चाहिए। मालूम हो कि मंगनीलाल ने बीते दिनों जमुई में आयोजित कार्यक्रम में कहा था कि तेजस्वी के सामने राजद में किसी की औकात नहीं, तेजप्रताप का कोई अस्तित्व नहीं। प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए तेजप्रताप ने कहा कि बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है।

भारत के आपरेशन सिंदूर ने भारत के रक्षा शेयरों में वृद्धि की : सुधांशु त्रिवेदी

- भाजपा नेता ने कहा-पाकिस्तान के इस्तेमाल किए चीनी हथियार विफल
- जेएफ-17 व पीएल-15 विमान निर्माता चेंगदू के शेयर नौ प्रतिशत गिरे

चेन्नई, प्रेट्र : भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी का कहना है कि भारत के सफल आपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के आतंकी शिविरों पर हमला किया, जबकि पाकिस्तान के इस्तेमाल किए चीनी हथियार पूरी तरह से विफल रहे हैं। मई में आतंकवाद विरोधी अभियान के बाद भारत के रक्षा शेयरों में शानदार वृद्धि हुई, जबकि चीन के शेयरों में गिरावट आई है।

सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को वीआइटी चेन्नई परिसर में तमिलनाडु उच्च शिक्षा शिक्षक संघ के तत्वावधान में आयोजित 'विकसित भारत के लिए रोड मैप-एक बहुविषयक दृष्टिकोण' पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन करते हुए कहा, 'आपरेशन सिंदूर की सफलता ने एक अन्य देश चीन को भी प्रभावित किया क्योंकि वास्तविक युद्ध में चीनी हथियारों का उपयोग विफल साबित हुआ है।' त्रिवेदी ने कहा कि पाकिस्तान के इस्तेमाल किए जेएफ-17 विमान और पीएल-15 का निर्माण करने वाली एविक सिस्टम्स चेंगदू के रक्षा शेयरों में नौ प्रतिशत की महत्वपूर्ण गिरावट आई। जबकि हिंदुस्तान एरोनाटिक्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर सहित भारत के रक्षा शेयरों में तेजी से वृद्धि हुई, क्योंकि आपरेशन में उपयोग किए गए हथियार स्वदेशी थे। अमेरिका के यूरोप से हटने के साथ भारत रक्षा निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और टाटा डिफेंस को फ्यूजलेज बनाने के लिए डसाल्ट एविएशन के अनुबंध का उदाहरण दिया। सांसद ने कहा कि यह विकसित भारत 25 वर्षों का कार्यक्रम है जो पीएम मोदी के अनुसार भारत के अगले एक हजार वर्षों की नींव रखेगा।'

सुधांशु त्रिवेदी। फाइल

'भाषा के मुद्दे से खेलना बंद करें'

सुधांशु त्रिवेदी ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे उपनिवेशीय विरासत और स्वतंत्रता के बाद लोगों के मन में स्थापित मानसिकता से बाहर आएं और भाषा के मुद्दे से खेलना बंद करें। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर परोक्ष हमला करते हुए त्रिवेदी ने कहा, 'जो भाषा के मुद्दे को बनाना चाहते हैं, उन्हें सोचना चाहिए कि क्या उन्होंने कभी अपनी क्षेत्रीय भाषा में इंजीनियरिंग और चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने का सोचा?' मोदी ने 15 क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और चिकित्सा शिक्षा सुनिश्चित की है।

यौन शोषण के आरोपित की मौत के बाद झारखंड की सियासत गर्म

जागरण संवाददाता, रामगढ़: झारखंड के रामगढ़ में यौन शोषण के आरोपित आफताब अंसारी की संदिग्ध मौत के बाद राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। रामगढ़ थाना हाजत से भागने के बाद आफताब का शव रजरप्पा थाना क्षेत्र के दामोदर नदी के किनारे मिला। इस मामले में स्वजन ने हिंदू संगठन के प्रतिनिधियों के खिलाफ दो अलग-अलग नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई हैं। इनमें से एक आरोपित, हिंदू टाइगर फोर्स से जुड़े राजेश सिन्हा को पुलिस ने भुरकुंडा स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया है। राजेश सिन्हा की गिरफ्तारी के विरोध में भाजपा विधायक रोशन लाल चौधरी के नेतृत्व में हिंदू संगठनों ने रविवार को भुरकुंडा ओपी के समक्ष धरना दिया। हजारीबाग के भाजपा सांसद मनीष जायसवाल ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया है।

7.24 करोड़ मतदाताओं के गणना फार्म जमा, 36 लाख लापता

प्रथम पृष्ठ से आगे

चुनाव आयोग ने रविवार को बताया कि अब तक चली मतदाता सूची सघन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में 22 लाख (2.83%) मतदाता मृत पाए गए हैं, जबकि 36 लाख (4.59%) मतदाता ऐसे हैं, जो स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं या 25 जुलाई तक भौतिक रूप में मिले नहीं। बूथ स्तर के अधिकारियों को ये मतदाता नहीं मिले और न ही उनके गणना फार्म वापस मिले। इसी तरह ऐसे मतदाता सात लाख (0.89%) पाए गए हैं, जो अन्यत्र भी मतदाता बने हुए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, 24 जून से शुरू हुई इस प्रक्रिया में 25 जुलाई तक कुल 7.89 करोड़ में से 7.24 करोड़ मतदाताओं (91.69%) के गणना फार्म जमा हो चुके हैं। गणना फार्म वितरित करने और वापस प्राप्त करने से संबंधित पहला चरण शुक्रवार (25 जुलाई) को समाप्त हो गया। आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि एक अगस्त तक इन गणना फार्म की जांच निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी द्वारा की जाएगी। इसके बाद दावे-आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया एक अगस्त से एक सितंबर तक चलेगी।

बिहार की मसौदा मतदाता सूची अंतिम सूची नहीं : चुनाव आयोग

प्रेट्र के अनुसार, चुनाव आयोग ने रविवार को उन पर निशाना साधा, जो यह धारणा फैला रहे थे कि बिहार में प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची ही अंतिम मतदाता सूची होगी। आयोग ने कहा कि उसे यह समझ नहीं आ रहा कि जब किसी नाम को गलत तरीके से शामिल किए जाने या गलत तरीके से बाहर किए जाने की बात रेखांकित करने के लिए एक अगस्त से एक सितंबर तक, पूरा एक महीने का समय उपलब्ध है, तो वे इतना हंगामा क्यों मचा रहे हैं? आयोग ने चुटकी लेते हुए कहा, राजनीतिक दल अपने 1.6 लाख बूथ-स्तरीय एजेंट से एक अगस्त से एक सितंबर तक दावे और आपत्तियां जमा करने के लिए क्यों नहीं कहते हैं? राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंट, मतदाता सूची तैयार करने या उसे अपडेट करने में चुनाव आयोग के बूथ-स्तरीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हैं। आयोग ने कहा है कि कुछ लोग यह धारणा क्यों फैला रहे हैं कि मसौदा सूची ही अंतिम सूची है, जबकि यह अंतिम सूची नहीं है।

बंगाल सरकार ने सीईओ कार्यालय के रिक्त पद भरने को भेजी सूची

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय को स्वतंत्र विभाग में बदलने के चुनाव आयोग के निर्देश का विरोध कर रही बंगाल सरकार ने अब सीईओ कार्यालय के रिक्त पदों को भरने की दिशा में पहल की है। अतिरिक्त सीईओ, संयुक्त सीईओ व डिप्टी सीईओ के रिक्त पदों को भरने को सरकार ने चुनाव आयोग के पास प्रशासनिक अधिकारियों के नामों की सूची भेजी है।

****

चिराग को पीके की सलाह, एनडीए से बाहर आकर लड़ें जनता की लड़ाई

जागरण संवाददाता, सूर्यगढ़ा (लखीसराय)

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) ने लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान के बयान पर कहा कि अगर बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर चिराग पासवान को वाकई दुख है, तो उन्हें एनडीए सरकार से अलग हो जाना चाहिए। एक ओर आप सत्ता में बने रहना चाहते हैं, दूसरी ओर आलोचना करते हैं। यह दोहरा चरित्र जनता अब समझने लगी है। कहा कि जनता का दबाव है कि अब एनडीए के सहयोगी भी सरकार के खिलाफ बोलने को मजबूर हैं। मालूम हो कि चिराग ने शनिवार को कहा था कि मुझे दुख है कि मैं इस सरकार का हिस्सा हूं, जहां अपराध पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा।

प्रशांत किशोर रविवार को बिहार बदलाव यात्रा के क्रम में लखीसराय पहुंचे थे। सूर्यगढ़ा के पब्लिक हाई स्कूल मैदान में आयोजित जनसभा में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और शासन व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। कहा कि अब समय आ गया है कि बिहार की जनता जाति-धर्म नहीं, अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखकर वोट दें। इस बार किसी नेता के चेहरे पर नहीं, अपने बच्चों के चेहरों को देखकर वोट कीजिए। जो लोग आपको सालों से ठगते आए हैं, उन्हें पहचानिए।

प्रशांत किशोर। फाइल

तेजप्रताप पर भी कसा तंज, कहा-पूछिए कि वे कब हरा पहनते हैं और कब पीला

धनखड़ के इस्तीफे का कारण नहीं पता : खरगे

विजयपुरा (कर्नाटक), प्रेट्र : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि उन्हें जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के वास्तविक कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि धनखड़ को बताना होगा कि असल में क्या हुआ क्योंकि यह मामला उनके और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच का है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि धनखड़ हमेशा सरकार का पक्ष लेते थे। जब हमने किसानों, गरीबों, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों या विदेश नीति से जुड़े कई मुद्दे उठाए, तो उन्होंने हमें कभी मौका नहीं दिया। जब हमने गरीबों, महिलाओं, दलितों और वंचितों पर अत्याचार और हिंदू-मुस्लिम झड़पों जैसी घटनाओं से जुड़े मुद्दों पर नोटिस देकर मुद्दे उठाने की कोशिश की, तो उन्होंने हमें कोई मौका नहीं दिया। यह (धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे का कारण) उनके और मोदी के बीच का मामला है।

भागवत बोले–भारत को 'सोने की चिड़िया' बनने की जरूरत नहीं, समय 'शेर' बनने का

आरएसएस प्रमुख ने कहा–दुनिया शक्ति को समझती है, भारत को ताकतवर व समृद्ध बनना होगा

यह भी कहा–'भारत' का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए, अन्यथा देश अपनी पहचान खो देगा

कोच्चि, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि 'भारत' का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। अन्यथा देश अपनी पहचान और दुनियाभर में हासिल अपना सम्मान भी खो देगा। साथ यह भी कहा कि भारत को अब ''सोने की चिड़िया'' बनने की जरूरत नहीं है। अब समय आ गया है कि वह 'शेर' बने।

आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, ''भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। इंडिया भारत है, यह सच है। लेकिन भारत, भारत है। इसलिए बात करते, लिखते और बोलते समय, चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक, हमें भारत को भारत ही कहना चाहिए।' उन्होंने कहा, ''भारत को भारत ही कहना चाहिए। भारत की पहचान का सम्मान इसलिए है क्योंकि यह भारत है। अगर आप अपनी पहचान खो देते हैं, तो आपके पास चाहे जितने भी अच्छे गुण हों, आपको इस दुनिया में कभी सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलेगी। यही नियम है।'' उन्होंने कहा कि अगर हमें शिक्षा में भारतीयता लानी है तो भारत को पहले जानना पड़ेगा और अपनी पहचान पर भरोसा करना पड़ेगा। इसलिए भारत को जानो, भारत को मानो, भारत के बनो–यही भारतीयता है।

भागवत ने कहा कि देश को अब ''सोने की चिड़िया'' बनने की जरूरत नहीं है। अब समय आ गया है कि वह 'शेर'' बने। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि दुनिया शक्ति को समझती है। लिहाजा भारत को ताकतवर बनना चाहिए। भारत को आर्थिक दृष्टि से भी समृद्ध बनना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश को दूसरों पर शासन करने के लिए नहीं, बल्कि दुनिया की मदद करने के लिए ताकतवर बनना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा, 'विकसित भारत, विश्व गुरु भारत, अब भी युद्ध का कारण नहीं बनेगा और कभी शोषण नहीं करेगा। हम मैक्सिको से साइबेरिया तक गए हैं; हम पैदल चले हैं, हम छोटी नावों में गए हैं। हमने किसी के क्षेत्र पर आक्रमण करके उसे बर्बाद नहीं किया। हमने किसी का राज्य नहीं छीना। हमने सभी को सभ्यता सिखाई। आप भारतीय ज्ञान की परंपरा देखिए। परंपरा का मूल उस सत्य में है।

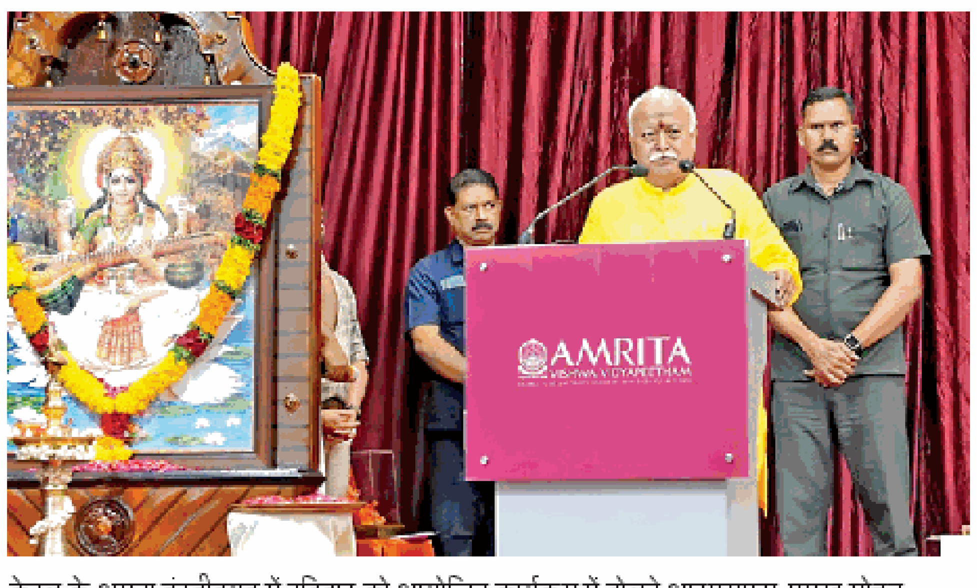

केरल के अमृता इंस्टीट्यूट में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में बोलते आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत। सौ. आरएसएस

केरल के शिक्षा मंत्री ने शिक्षा के भगवाकरण का किया विरोध

केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने एक बयान जारी कर इस सम्मेलन के आयोजन पर तीखा हमला बोला और कहा कि केरल सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की आड़ में शिक्षा क्षेत्र के भगवाकरण के प्रयासों की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र को किसी विशेष विचारधारा या राजनीतिक एजेंडे के दायरे में लाने के प्रयास किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य है।

मतांतरण न करने पर छांगुर गैंग ने पति को गायब किया, कब्जा कर ली जमीन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : बलरामपुर की शीला देवी ने छांगुर गैंग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शीला के अनुसार, उनके पति को 15 साल पहले गायब किया गया जो आज तक नहीं मिले। उसकी 26 बीघे जमीन कब्जा कर ली गई और मतांतरण के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है। थाने से लेकर एसपी तक शिकायत की जा चुकी है। कार्रवाई तो दूर की बात, तहरीर तक नहीं ली गई।

रविवार को विश्व हिंदू रक्षा परिषद के प्रदेश कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में पीड़ित महिला ने छांगुर गैंग व पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। पीड़िता के अनुसार, छांगुर के लोगों ने उसके घर आकर धमकी दी कि अगर वह धर्म बदल लेती है, तो हड़पी जमीन वापस कर दी जाएगी। परिवार ने मतांतरण से इन्कार किया, तो जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया गया। पति को गायब कर दिया गया, जो आज तक नहीं मिले। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि परिषद के प्रदेश कार्यालय पर खोली गई सनातन हेल्प लाइन पर फोन करके पीड़िता ने संपर्क किया था। बरामपुर जिले से ही लखनऊ पहुंचे एक पिता का आरोप है कि उसकी बेटी को छांगुर ने गायब करवा दिया। बेटी का जबरन मतांतरण भी कराया गया। परिजनों ने मतांतरण के लिए मना कर दिया तो बेटी के साथ अपहरण करने के बाद ऐसा कृत्य किया।

रेव पार्टी पर छापा, एकनाथ खडसे के दामाद समेत सात गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- खडसे ने कहा–पुलिस का राजनीतिक मकसद हो सकता है, जांच होनी चाहिए
- अदालत ने सभी आरोपितों को 29 जुलाई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेजा

पुणे पुलिस ने रविवार तड़के एक अपार्टमेंट में छापेमारी के बाद एक रेव पार्टी का भंडाफोड़ करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया और नशीले पदार्थ बरामद किए। गिरफ्तार किए गए लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर भी शामिल हैं।

लंबे समय तक भाजपा में रहे खडसे पूर्व मंत्री और विधानसभा में विपक्ष के नेता रह चुके हैं। उन्हें महाराष्ट्र भाजपा के दिग्गज नेता रहे गोपीनाथ मुंडे का करीबी माना जाता था। लेकिन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनकी पटरी नहीं बैठी। कुछ गंभीर आरोपों में घिरने के बाद उन्हें 2019 के विधानसभा चुनाव में पार्टी का टिकट नहीं दिया गया था। वर्तमान में वह शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के एमएलसी हैं। खेवलकर का विवाह एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे से हुआ है, जो प्रदेश राकांपा (शरदचंद्र पवार) में महिला विंग की अध्यक्ष हैं। यह घटनाक्रम खडसे और जलगांव जिले से उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी गिरीश महाजन के बीच चल रहे वाकयुद्ध के बाद हुआ है। गिरीश महाजन को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का करीबी सहयोगी माना जाता है। आज अदालत में पेश किए गए खेवलकर सहित सभी सात आरोपितों को 29 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। एकनाथ खडसे ने कहा कि इसके पीछे पुलिस का राजनीतिक मकसद हो सकता है और इस संबंध में जांच होनी चाहिए। पुलिस उपायुक्त (अपराध) निखिल पिंगले ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में बताया है कि खराड़ी इलाके में स्थित एक स्टूडियो अपार्टमेंट में रेव पार्टी की सूचना मिलने के बाद छापेमारी की गई। मौके से 2.7 ग्राम कोकेन जैसा पदार्थ, 70 ग्राम गांजे जैसा पदार्थ, एक हुक्का सेट, विभिन्न हुक्का फ्लेवर और शराब की बोतलें जब्त की गई हैं।

फडणवीस ने कहा, उचित जानकारी मिलने के बाद ही टिप्पणी करूंगा : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्हें अभी तक इस मामले की जानकारी नहीं दी गई है, क्योंकि वह सुबह से ही विभिन्न कार्यक्रमों में व्यस्त थे। वह उचित जानकारी मिलने के बाद ही इस मुद्दे पर टिप्पणी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में अपराध हुआ है। मैंने भी इसे सिर्फ मीडिया में ही देखा है। मीडिया में जो दिखाया जा रहा है, उसके अनुसार पुलिस ने एक रेव पार्टी का भंडाफोड़ किया है और वहां कुछ लोग पाए गए हैं।

तमिलनाडु ले जाई जा रहीं 34 युवतियों को पुलिस ने बचाया

जासं, सिलीगुड़ी : नौकरी का झांसा देकर तस्करी के लिए तमिलनाडु ले जाई जा रही पहाड़ और डुआर्स की 34 युवतियों को सिलीगुड़ी पुलिस ने रविवार को बचा लिया। पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, युवतियों को तमिलनाडु स्थित एक कपड़ा फैक्टरी में नौकरी दिलाने का लालच देकर ले जाया जा रहा था। युवतियों को पहले सिलीगुड़ी जंक्शन इलाके में एक किराए के मकान में ठहराया गया, फिर रविवार को उन्हें एक किराए की बस से रांची होते हुए गंतव्य तक पहुंचाने की योजना थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली और बस समेत सभी को थाने लाया गया। डीसीपी (वेस्ट) बीसी ठाकुर ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ अपहरण और मानव तस्करी का मामला दर्ज किया गया है। मालूम हो कि हाल ही में एनजेपी स्टेशन पर 56 युवतियों की तस्करी की कोशिश नाकाम की गई थी।

चंगाई सभा की आड़ में मतांतरण, रोकने पर पुलिस से नोकझोंक

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

- शाहजहांपुर में पिता–पुत्र के खिलाफ प्राथमिकी, केरल कनेक्शन
- दो स्थानों पर हंगामा, आयोजकों ने अनुयायी महिलाओं को किया आगे

ईसाई मिशनरी के नाम पर चल रहे मतांतरण रैकेट की गतिविधियां अब गांवों तक पहुंच चुकी हैं। रविवार को कुंभिया गांव में आयोजित चंगाई सभा के दौरान हिंदुओं को ईसाई बनाने का प्रयास किया जा रहा था। इस पर पुलिस ने हरिश्चंद्र और उसके बेटे शैलेश को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद अनुयायी महिलाओं ने जीप को घेरकर उन्हें छुड़ाने का प्रयास किया। इसके अतिरिक्त, चेना रुरिया गांव में भी पांच लोगों की गिरफ्तारी पर हंगामा हुआ। जिले में 12 दिन में मतांतरण की यह पांचवीं घटना है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि देर शाम को हरिश्चंद्र और शैलेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई, जबकि दूसरे मामले की जांच जारी है। सामने आया है कि शैलेश पांच वर्ष पूर्व केरल में ईसाई मिशनरी के साथ कार्य कर चुका है। हिंदू युवा संगठन के संस्थापक अवनीश मिश्र ने कुंभिया गांव में हरिश्चंद्र के घर पर चल रही चंगाई सभा में पहुंचकर आरोप लगाया कि हरिश्चंद्र और शैलेश आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को प्रलोभन देकर ईसाई बनने के लिए कह रहे थे। एक युवक ने बताया कि उसे पहले 50 हजार रुपये मिले थे। जब अनुयायी महिलाएं हंगामा करने लगीं, तो पुलिस को सूचित किया गया।

दूसरी ओर, चेना रुरिया गांव में चंगाई सभा में हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ पहुँचकर विरोध किया। आरोप है कि सभा के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को प्रलोभित किया जा रहा था। इस पर अनुयायी महिलाएं डंडे लेकर हमलावर हो गईं। शनिवार को मतांतरण रैकेट चलाने वाला पद्मनाभन, उसकी पत्नी किरन जोसुआ व असनीत को जेल भेजा गया था।

त्रिपुरा में 'मन की बात' के दौरान सहयोगी दल के हमले में कई भाजपा कार्यकर्ता घायल

अगरतला, प्रेट्र : त्रिपुरा के खोवाई जिले में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' सुन रहे कई भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया, जिसमें वे घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने भाजपा कार्यकर्ताओं के तीन वाहनों और 10 मोटरसाइकिलों को भी आग के हवाले कर दिया।

यह घटना चंपाहोवर थाना क्षेत्र के एक सुदूर आदिवासी गांव पूर्बा तकसैया में हुई। भाजपा ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे उसके सहयोगी टिपरा मोथा के सदस्य हैं। राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल प्रद्योत देबबर्मा के नेतृत्व वाली टिपरा मोथा ने इस घटना में अपनी संलिप्तता से इन्कार किया है। खोवाई के एसडीपीओ कुडियारासु ने बताया, भाजपा कार्यकर्ता 'मन की बात' सुनने के लिए एक घर पर इकट्ठा हुआ था। अचानक, कुछ बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे तीन लोग घायल हो गए। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हमले के पीछे आंतरिक प्रतिद्वंद्विता थी और इसका 'मन की बात' से कोई लेना-देना नहीं था।

न्यायालयों में 5.29 करोड़ मामले लंबित

- हाई कोर्टों में 63.30 लाख और उच्चतम न्यायालय में 86,742 लंबित मामलों का बोझ
- देश की 25 हाईकोर्ट में पांच साल से लंबित मामले निपटाने को बकाया समितियां बनीं

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारतीय न्यायालयों पर 5.29 करोड़ लंबित मामलों का भारी बोझ है, जो 21 जुलाई तक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड (एनजेडीजी) पर उपलब्ध है। इनमें से 4.65 करोड़ मामले जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित हैं, जबकि उच्च न्यायालयों में 63.30 लाख मामले और सर्वोच्च न्यायालय में 86,742 मामले लंबित हैं।

लंबित मामलों के बढ़ते बोझ के अलावा जिला और अधीनस्थ न्यायालयों को पूर्ण क्षमता से काम करने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। न्याय और कानून मंत्रालय के अनुसार, 21 जुलाई, 2015 तक स्वीकृत 25,843 न्यायिक अधिकारियों की संख्या के मुकाबले निचले न्यायालयों में केवल 21,122 अधिकारी कार्यरत हैं।

कोर्ट में मुकदमों के बैकलाग को कम करने के उपाय के रूप में सभी 25 उच्च न्यायालयों में पांच साल से अधिक समय से लंबित मामलों को निपटाने के लिए बकाया समितियां बनाई गई हैं। ऐसी बकाया समितियां अब जिला न्यायालयों के तहत भी स्थापित की गई हैं।

कानून और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने हाल ही में संसद में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में रिक्तियों को भरने के लिए उठाए गए सरकारी कदमों की जानकारी साझा की।

मेघवाल ने कहा, ''एक मई 2014 से 21 जुलाई 2025 तक सर्वोच्च न्यायालय में 70 न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई है। इसी अवधि में 1,058 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई और 794 अतिरिक्त न्यायाधीशों को उच्च न्यायालयों में स्थायी बनाया। उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या मई 2014 में 906 से बढ़कर वर्तमान में 1,122 हो गई है।''

सांसदों व विधायकों के मामले निपटाने को 10 विशेष अदालतें

नौ राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में 10 विशेष न्यायालय हैं जो सांसदों और विधायकों जैसे निर्वाचित प्रतिनिधियों से संबंधित आपराधिक मामलों को तेजी से निपटाने के लिए स्थापित किए गए हैं। ये न्यायालय 2017 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सांसदों/विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के लिए विशेष न्यायालय स्थापित करने के निर्देश के बाद बनाए गए थे, जो फास्ट ट्रैक कोर्ट (एफटीसी) के समान हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्टों को इन मामलों की प्रगति की निगरानी के लिए स्वतः संज्ञान में मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। मृत्युदंड या आजीवन कारावास वाले दंडनीय आपराधिक मामले सूची में सबसे ऊपर होने चाहिए। इसके बाद पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले आपराधिक मामले और अन्य मामले आते हैं। जून 2025 तक देशभर में कुल 865 फास्ट ट्रैक कोर्ट कार्यरत हैं।

प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खुली

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

- तड़के तीन बजे से ही पहुंचने लगे थे श्रद्धालु, फिर भी नहीं चेते अधिकारी
- कांवड़ मेला संपन्न होने के बाद भी सावन में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

सावन में आस्था का केंद्र बने मनसा देवी मंदिर में रविवार को हुई भगदड़ ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। हादसे की वजह सिर्फ भीड़ ही नहीं, बल्कि उससे निपटने की तैयारियों में हुई गंभीर चूक भी शामिल है। यह हादसा पुलिस, प्रशासन, आपदा प्रबंधन, मंदिर समिति और राजाजी टाइगर रिजर्व प्रशासन की सामूहिक विफलता का नतीजा है। कांवड़ मेला समाप्त होने के बाद भी हरिद्वार में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। बावजूद इसके अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा यह हुआ कि रविवार तड़के तीन बजे से ही मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लेकिन, इस ओर न तो किसी अधिकारी ने नजर डाली और न किसी स्तर पर कोई जिम्मेदार ही सक्रिय हुआ। मंदिर जाने वाले रास्ते में कहीं भी पुलिस कर्मी तैनात नहीं थे। जब हादसा हुआ तब तीन-चार पुलिस कर्मी मंदिर से निकलकर आए। यह भी कहा जा रहा कि कांवड़ मेला खत्म होते ही मंदिरों की सुरक्षा में तैनात कई पुलिस कर्मियों की ड्यूटी हटा ली गई थी। जबकि, सावन में हर दिन मनसा देवी में भीड़ बढ़ती है। वीकेंड में यह भीड़ और बढ़ जाती है। मनसा देवी सीढ़ी मार्ग से हर रोज आम दिनों में जहां छह से आठ हजार श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं, वहीं रविवार सुबह कुछ ही घंटों में यह संख्या 10 हजार के पार पहुंच गई। मंदिर की ऊपरी सीमा पहले ही भर चुकी थी, बावजूद इसके निचले हिस्से से श्रद्धालुओं का ऊपर चढ़ना लगातार जारी रहा। समय रहते मंदिर प्रशासन ने नीचे से भीड़ को रोका होता या वैकल्पिक मार्ग पर भीड़ नियंत्रित करते तो हादसा टाला सकता था।

वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर हुई भगदड़ की घटना के बाद प्रदेश के सभी मंदिरों व यात्रा मार्गों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर हुई भगदड़ की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मोर्चे पर डट गए।

भीड़ नियंत्रित करने की नहीं थी कोई व्यवस्था

प्रथम पृष्ठ से आगे

इस हादसे से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, रविवार की छुट्टी होने के कारण मनसा देवी मंदिर के ढाई किलोमीटर लंबे पैदल मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा थी। करीब 10 हजार से अधिक श्रद्धालु यहां मौजूद थे, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कहीं भी पुलिस मौजूद नहीं था। जिस स्थान पर भगदड़ मची, वहां रास्ता करीब 10 फीट चौड़ा है, लेकिन पांच फीट पर लोगों ने अतिक्रमण कर दुकानें सजाई हुई हैं।

अधिकारी बोले अधिक भीड़ और अफवाह के कारण हादसा : गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने हादसे का कारण भीड़ अधिक होने और अफवाह फैलने को बताया है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि हादसे के बाद प्रसारित वीडियो व तस्वीरों में करंट फैलने का प्रमाण नहीं मिला। जो भी अफवाह फैली है, उसकी जांच कराई जा रही है। उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार को 15 दिन के भीतर मजिस्ट्रेटी जांच की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

भगदड़ में घायल महिला को गोद में उठाकर अस्पताल ले जाते पुलिसकर्मी। जागरण

मंदिरों में भगदड़ की बड़ी घटनाएं

29 जून 2025	पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घायल।
3 मई 2025	गोवा में एक मंदिर उत्सव के दौरान भगदड़ मचने से छह लोगों की मौत हो गई और कई घायल।
8 जनवरी 2025	तिरुपति में भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल।
12 अगस्त 2024	बिहार के जहानाबाद में बाबा सिद्धनाथ मंदिर में भगदड़ मचने से सात लोगों की मौत, 9 घायल।
2 जुलाई 2024	उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू बाबा भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मची। 121 से ज्यादा लोगों की मौत।
31 मार्च 2023	इंदौर के बालेश्वर मंदिर में ओवरलोड स्लैब ढहने से 36 लोगों की मौत और 16 लोग घायल।

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के रयांग में किया 'ड्रोन प्रहार'

रायंग, प्रेट्र : भारतीय सेना ने रविवार को तकनीकी सैन्य अभ्यास 'ड्रोन प्रहार' किया। इस दौरान युद्ध संचालन में ड्रोन प्रौद्योगिकी के एकीकरण का प्रदर्शन किया गया। यह सैन्य अभ्यास अरुणाचल के पूर्व सियांग जिले के रायंग में स्थित सैन्य स्टेशन पर आयोजित किया गया। स्पीयर कार्प्स के जनरल आफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर ने सैन्य अभ्यास का निरीक्षण किया। वास्तविक परिचालन परिस्थितियों के तहत किए गए इस अभ्यास ने खुफिया, निगरानी और टोही अभियानों के लिए ड्रोन के प्रभावी उपयोग, रियल टाइम में सेंसर-टू-शूटर लिंक और लक्ष्य पर सटीक हमले के लिए ड्रोन की प्रभावी तैनाती का प्रदर्शन किया गया।

इस अभ्यास के दौरान ड्रोन एकीकरण के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण पहलुओं का भी मूल्यांकन किया गया। इसमें हवाई क्षेत्र में टकराव की स्थिति से निपटने का परीक्षण, सुरक्षित संचार चैनल सुनिश्चित करना और विभिन्न सेनाओं और सेवाओं के बीच समन्वय प्रोटोकाल स्थापित करना शामिल है। 'ड्रोन प्रहार' उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने के सेना के प्रयासों में महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय सेना भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रौद्योगिकी-सक्षम बल बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

जोधपुर में भारत और सिंगापुर का सैन्य अभ्यास शुरू

जासं, जयपुर : भारत और सिंगापुर के संयुक्त सैन्य अभ्यास का 14वां सस्करण 'एक्सरसाइज बोल्ड कुरुक्षेत्र 2025' रविवार को जोधपुर में शुरू हो गया। आधकारिक सूत्रों द्वारा बताया गया कि यह चार अगस्त तक जारी रहेगा। इस अभ्यास में 4 सिंगापुर आर्म्ड ब्रिगेड की 42 सिंगापुर आर्म्ड रेजिमेंट और भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट (यंत्रीकृत सैन्य इकाई) हिस्सा ले रही हैं। यह टेबल टाप अभ्यास और कंप्यूटर-आधारित युद्धाभ्यास के रूप में होगा। इसका उद्देश्य यंत्रीकृत युद्ध के लिए संचालन प्रक्रियाओं को सुदृढ करना है। इसका समापन भारतीय सेना द्वारा उपकरणों के प्रदर्शन के साथ होगा।

बिहार के पूर्णिया में नकली गीता के जरिए उड़ाया जा रहा था सनातन का मजाक, हंगामा

जागरण संवाददाता, पूर्णिया

- आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने गाड़ी को किया क्षतिग्रस्त
- आरोप है कि पुस्तक में पूजा-पद्धति की आलोचना की गई

विरोध प्रकट करते हिंदू संगठन के कार्यकर्ता। जागरण

गीता का ज्ञान नामक धार्मिक पुस्तक की बिक्री के खिलाफ हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने रविवार को विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भारी भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित लोगों ने पुस्तकें ले जा रही गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना मिलने पर फणीश्वर नाथ रेणु टीओपी प्रभारी शबाना आजमी अपने दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं और दोनों पक्षों के साथ क्षतिग्रस्त गाड़ी को थाना ले आईं। उन्होंने बताया कि पीड़ित द्वारा आवेदन दिया जा रहा है। गाड़ी क्षतिग्रस्त करने में शामिल सभी लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। हिंदू संगठन के सदस्यों ने आरोप लगाया कि गीता का ज्ञान नामक पुस्तक में हिंदू धर्म की पूजा-पद्धति की आलोचना की गई है। पुस्तक में विभिन्न धर्मों की पुस्तकों से तुलना कर सनातन धर्म का मजाक उड़ाया गया है। इसी कारण से संगठन ने इसका विरोध किया और गीता नामक धार्मिक ग्रंथ के नाम पर ऐसी पुस्तक बेचने पर रोक लगाने की मांग की। यह भी कहा कि पुस्तक को स्कूल वैन में बेचा जा रहा था। क्षतिग्रस्त गाड़ी के चालक व मालिक दिलीप कुमार राय ने बताया कि वह बच्चों को स्कूल पहुंचाने का काम करते हैं। रविवार को स्कूल में छुट्टी होने के कारण उनकी गाड़ी एक दिन के लिए भाड़े पर ली थी। धार्मिक पुस्तक बेचने वाले कपिलदेव दास ने कहा कि गीता का ज्ञान नामक पुस्तक हरियाणा से भेजी जाती है। उन्होंने बताया कि इसे मात्र 20 रुपये में बेचा जा रहा था। यह उनका पहला दिन था जब वे पंचमुखी मंदिर के पास किताब का प्रचार करने आए थे, लेकिन कुछ आक्रोशित लोगों ने गाड़ी के शीशे और दरवाजे को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया।

मतांतरण पर सख्त कानून लाएगी छग सरकार

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● रायपुर : छत्तीसगढ़ सरकार ने जबरन और प्रलोभन देकर किए जा रहे मतांतरण को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को रायपुर में आयोजित चतुर्थ राज्य स्तरीय हिंदू राष्ट्रीय अधिवेशन में यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि आगामी शीतकालीन सत्र में विधान सभा में इस संबंध में नया विधेयक पेश किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में कानून मौजूद है, लेकिन उसे और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए विधेयक का मसौदा तैयार किया जा चुका है। बता दें कि शुक्रवार को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर तीन युवतियों की मानव तस्करी के आरोप में जमकर हंगामा हुआ था। उन्हें आगरा ले जाने की तैयारी थी। जीआरपी ने आरोपित नन प्रीति मैरी, वंदना फ्रांसिस एवं युवक सुकमन मंडावी के विरुद्ध मानव तस्करी व मतांतरण का केस दर्ज किया है। सभी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

****

'पंडितजी मंत्र पढ़कर कलावा बांधते हैं, नहीं कटवा सकते...'

जागरण टीम, लखनऊ

- छह लाख परीक्षार्थियों ने छोड़ दी आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा
- गूगल मैप ने पहुंचाया स्कूल की दूसरी शाखा पर, 60 की परीक्षा छूटी

आक्रोशित परीक्षार्थी को समझाता दारोगा। सौजन्य वीडियोग्रैब

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ)-2023 (प्रारंभिक) परीक्षा रविवार को नकल रोकने के लिए कड़े इंतजाम थे। कलावा काटने को लेकर एक परीक्षार्थी भड़क गया। बोला, 'पंडितजी मंत्र पढ़कर कलावा बांधते हैं, आप पूरे शरीर की मेटल मशीन से जांच कर लें, लेकिन कलावा नहीं काट सकते। हमारी सांस्कृतिक मान्यताओं को ढोंग बताया जा रहा है, जबकि अन्य धर्मों की मान्यताओं का सम्मान किया जा रहा है।'

हमीरपुर के हीरानंद इंटर कालेज में आरओ-एआरओ की परीक्षा देने आया अभ्यर्थी यज्ञदत्त बाजपेई कलावा काटने की बात को लेकर भड़क गया। स्टेटिक मजिस्ट्रेट राममोहन कुशवाहा ने बताया कि परीक्षार्थी अंगूठी और अलग प्रकार का कलावा पहने था। परीक्षार्थी ने अंगूठी तो उतार दी, लेकिन कलावा नहीं हटाया। बाद में परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी। वाराणसी में गूगल मैप के भरोसे परीक्षा केंद्र पहुंचने की कोशिश में 60 परीक्षार्थियों की परीक्षा ही छूट गई। महात्मा जेएफ पब्लिक स्कूल के बाहर हंगामा कर रहे परीक्षार्थियों का आरोप था कि गूगल मैप पर विद्यालय का लोकेशन मंडुवाडी दिख रहा है। इस कारण वे लोग वहां स्थित स्कूल की शाखा पर पहुंच गए। गेट पर जब रोल नंबर चस्पा किया गया तो उसमें रोल नंबर नहीं मिला। पूछने पर पता चला कि छह किलोमीटर दूर विद्यालय की दूसरी शाखा पहुंच गए हैं। जब तक वहां पहुंचते, गेट बंद हो चुका था।

आयोग के मुताबिक, प्रदेश के सभी 75 जिलों में बने 2382 परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा में 10,76,004 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, मगर उपस्थिति मात्र 42.30 प्रतिशत रही। करीब छह लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। पेपर लीक के कारण पिछले वर्ष पिछले वर्ष निरस्त हुई इस परीक्षा में 64 प्रतिशत उपस्थिति थी।

3 माओवादी स्मारकों को ध्वस्त कर दिया गया है छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सुरक्षा बलों ने एक संयुक्त अभियान के तहत। यह अभियान शनिवार की सुबह बस्तर व दंतेवाड़ा पुलिस तथा सीआरपीएफ के समन्वित नेतृत्व में चलाया गया। इनमें से दो स्मारक लकड़ी के और एक सीमेंट व पत्थर से निर्मित था।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 28 जुलाई, 2025

पाकिस्तान से भेजी गई मोडीफाइ एके-47, पंजाब में बड़ी गैंगवार की आशंका

अमृतसर पुलिस ने पांच युवक दबोचे, दो पिस्तौल, सौ कारतूस के साथ ड्रग मनी भी बरामद

डिब्रूगढ़ जेल में बंद गैंग्सटर जग्गू भगवानपुरिया के इशारे पर भिजवाई गई राइफल

जागरण संवाददाता, अमृतसर

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ ऐसे-ऐसे हथियार पंजाब भेजने लगी है जिनमें बदलाव करके उनकी शक्ति बहुत बढ़ा दी गई है। ऐसे ही एक मामले में अमृतसर (देहात) पुलिस की स्पेशल सेल ने पाक से भेजी गई हथियारों की बड़ी खेप पकड़ी है जिसमें मोडीफाइ एके-47 (सेगा 308 असाल्ट राइफल) भी बरामद हुई है। इससे पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। पुलिस को आशंका है कि पंजाब में बड़ी गैंगवार की तैयारी की जा रही है।

एसएसपी मनिंदर सिंह ने रविवार को प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि हथियारों की यह खेप आइएसआइ ने असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद कुख्यात गैंग्सटर जग्गू भगवानपुरिया के इशारे पर पंजाब भेजी है। उन्होंने बताया कि स्पेशल सेल को जानकारी मिली थी कि कुछ युवक जग्गू के इशारे पर हथियारों की बड़ी खेप शनिवार रात पंडोरी बड़ैच के पास लेकर आ रहे हैं। इसी आधार पर पुलिस ने अटारी से कलेर रोड पर नाकाबंदी कर दी।

कार में पांच युवकों को आते देखकर रुकने का इशारा किया। जैसे ही कार रुकी तो पुलिस ने कार घेर की। कार की तलाशी में मोडीफाइड एके-47, दो विदेशी पिस्तौल, चार मैगजीन, सौ कारतूस, 7.50 लाख की ड्रग मनी, तीन मोबाइल मिले। पुलिस ने कार भी जब्त की है।

आरोपितों ने पूछताछ में स्वीकारा कि हथियारों की खेप वे गैंग्सटर जग्गू के गुर्गे नवदीप सिंह के हवाले करने जा रहे थे। पकड़े गए आरोपितों की पहचान जोबनजीत सिंह, गोरा सिंह, शहनशाह, सन्नी सिंह व जसप्रीत सिंह के रूप में हुई है।

आठ महीनों मे 165 ड्रोन गिराए

पंजाब में पिछले आठ महीनों में पाकिस्तान से आए 165 से अधिक ड्रोन गिराए जा चुके हैं। इनमें से 12 ड्रोन हाल ही में दस दिन के भीतर गिराए गए हैं।182 भारतीय और तीन पाकिस्तानी तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

गैंग्सटर जग्गू भगवानपुरिया के गुर्गे तक पहुंचाए जाने वाले हथियारों व पकड़े गए युवकों के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी। पुलिस

नार्को आतंकवाद फैलाने में लश्कर की भूमिका

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू : जम्मू और पंजाब से एक साल पहले बरामद 46 किलोग्राम हेरोइन के मामले में राज्य जांच एजेंसी (एसआइए) ने पहला आरोपपत्र दायर किया है। इसमें पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा की भूमिका उजागर हुई है। यह मामला नार्को आतंकवाद से जुड़ा था।नौ अगस्त 2024 को पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर जम्मू के बस स्टैंड इलाके से 33.580 किलोग्राम से अधिक हेरोइन के साथ पंजाब के तरनतारन निवासी सरताज सिंह को गिरफ्तार किया था। सरताज से पूछताछ के आधार पर इस मामले की तेजी से जांच की गई तो दूसरे आरोपित अमृतपाल सिंह उर्फ फौजी की पहचान हुई, जो शुरू में एक और खेप के साथ घटनास्थल से भाग गया था, लेकिन बाद में पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 12.626 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पंजाब के थाने पर राकेट लांचर से हमला मामले में बीकेआइ आतंकी गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला में किला लाल सिंह थाने पर राकेट लांचर हमले के मामले में वांछित आतंकी करणबीर उर्फ करण को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। करणबीर बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआइ) से जुड़ा हुआ है। छह अप्रैल की रात उसने अपने साथियों के साथ मिलकर थाने पर राकेट लांचर से हमला किया था। इस मामले में अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। करणबीर आर्म्स एक्ट के एक मामले में भी 22 वर्ष से वांछित था।

डीसीपी अमित कौशिक के अनुसार, करणबीर अमृतसर पंजाब का निवासी है। स्पेशल सेल की टीम ने 26 जुलाई को उसे गुरदासपुर से गिरफ्तार किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में संदिग्धों की जानकारी जुटाने के बाद स्पेशल सेल ने पहले आकाशदीप उर्फ बाज को 22 जुलाई को इंदौर से गिरफ्तार किया था। आकाशदीप ने इंटरनेट मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी ली थी और दिल्ली में भी आतंकी हमले की धमकी दी थी। आकाशदीप से पूछताछ के बाद स्पेशल सेल ने करणबीर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में करणबीर ने बताया कि वह पंजाब के एक व्यक्ति के संपर्क में था, जो विदेश में रहता है और बीकेआइ के लिए काम करता है। वह इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अपने हैंडलर से निर्देश प्राप्त कर रहा था।

राजस्थान में फिर गिरी एक स्कूल की छत व दूसरे की दीवार

जागरण संवाददाता, जयपुर

- सुरक्षा समीक्षा को लेकर 11 सदस्यीय कमेटी गठित
- जिला कलेक्टरों व प्रभारी सचिवों को जर्जर भवनों पर नजर रखने का निर्देश

झालावाड़ के पिपलोदी में शुक्रवार को सरकारी स्कूल के कमरे की छत गिरने से सात बच्चों की मौत और 21 बच्चों के घायल होने के बाद से राजस्थान में स्कूलों की दीवार और छतों के गिरने का सिलसिला रुक नहीं रहा है। हादसे के तीसरे दिन रविवार को वर्षा के दौरान उदयपुर के रूपावली गांव में एक प्राथमिक स्कूल के कमरे की दीवार गिर गई, जबकि चूरू जिले के हरदेसर गांव में मरम्मत के दौरान सरकारी स्कूल के बरामदे की छत गिर गई। अवकाश होने के कारण दोनों जगह कोई बच्चा नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टला। हालांकि, हरदेसर में एक मजदूर घायल हो गया। उल्लेखनीय है कि शनिवार को भी नागौर व सिरोही में दो सरकारी स्कूलों की छत गिर गई थी। झालावाड़ में ही रविवार को एक पुराने सामुदायिक भवन की दीवार भी गिर गई। हालांकि, यहां भी कोई जनहानि नहीं हुई।

उधर, पिपलोदी हादसे के बाद हरकत में आई राज्य सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों, महाविद्यालयों, छात्रावासों, अस्पतालों सहित सरकारी भवनों, पुल एवं छोटी पुलियों की सुरक्षा समीक्षा को लेकर 11 सदस्यीय कमेटी गठित की है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता की अध्यक्षता में गठित कमेटी में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 10 और वित्त विभाग के एक अधिकारी को शामिल किया गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में हुई बैठक में सरकार ने प्रदेश के 7500 सरकारी स्कूलों की मरम्मत का निर्णय लिया है। इसके तहत कलेक्टरों की निगरानी में सर्वे कराया जाएगा और जर्जर भवनों को तोड़ा जाएगा। इस दौरान वहां वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कंटेनर लगाकर कक्षाएं संचालित की जाएंगी।

इस बीच, पिपलोदी हादसे के विरोध में धरना-प्रदर्शन का दौर भी जारी है। रविवार को पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने झालावाड़ में राजमार्ग पर धरना देकर ग्रामीणों को संबोधित किया। शनिवार को समर्थकों के साथ धरना-प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रीय नेता नरेश मीणा को सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में फिर गिरफ्तार किया गया। नरेश और उनके दो साथियों को अवकाशकालीन न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें आठ अगस्त तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मीणा के खिलाफ झालावाड़ मेडिकल कालेज के प्राचार्य एवं अस्पताल अधीक्षक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को मिली धमकी

जागरण संवाददाता, रांची

रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ को शुक्रवार को एक अज्ञात नंबर से धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। यह संदेश 25 जुलाई शाम भेजा गया, जिसमें लिखा था, ''आप पर गोली चलेगी।'' मंत्री के नंबर पर तीन बार काल किया गया था। मामले में मंत्री के निजी सचिव ने दिल्ली के संसद मार्ग थाने के पुलिस स्टेशन को शिकायत दी है, जांच की जा रही है। पुलिस टीम यह जानने की कोशिश कर रही है कि इसका मकसद केवल सनसनी फैलाना है या कुछ और।

मंत्री के निजी सचिव ने कहा कि यह संदेश न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि केंद्रीय मंत्री की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। यह धमकी उस समय दी गई जब संजय सेठ लद्दाख के द्रास क्षेत्र में भारतीय सेना द्वारा आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल थे, जो देश की सैन्य वीरता और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर था। पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी मामले की जांच के लिए दिल्ली स्थित मंत्री के आवास पर पहुंचे हैं। मालूम हो कि सात माह पहले, 6 दिसंबर, 2024 को भी संजय सेठ को एसएमएस भेजकर धमकी दी गई थी, जिसकी प्राथमिकी भी दिल्ली में दर्ज की गई थी।

संजय सेठ। फाइल

सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी

जासं, पटना : बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक समर्थक के मोबाइल पर जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी भरा मैसेज शनिवार की रात उनके समर्थक के वाट्सएप नंबर पर भेजा गया।

धमकी की सूचना मिलते ही डिप्टी सीएम के आवास और कार्यक्रम स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रविवार शाम तक थाने में किसी ने आवेदन नहीं दिया है। सिटी एसपी मध्य दीक्षा ने मामले का संज्ञान लिया है, बताया कि पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, समर्थक के मोबाइल पर अंजान नंबर से भेजे गए मैसेज में लिखा है, 'हैलो सर, 24 घंटे के अंदर सम्राट चौधरी को गोली मार दूंगा, सच बोल रहा हूं।''

मुंबई ट्रेन धमाकों की जांच करने वाले अधिकारियों को दी जा सकती है सुरक्षा

मिडडे, मुंबई : महाराष्ट्र पुलिस वर्ष 2006 के मुंबई ट्रेन धमाकों की जांच करने वाले तीन पूर्व आइपीएस अधिकारियों को सुरक्षा दे सकती है। इस मामले में दोषियों की रिहाई के बाद संभावित प्रतिक्रिया की चिंताओं के बीच एएन राय, केपी रघुवंशी और जयजीत सिंह को सुरक्षा देने पर विचार किया जा रहा है। ये तीनों की जांच में शामिल थे। 2006 में राय मुंबई के पुलिस आयुक्त थे, वहीं रघुवंशी एटीएस प्रमुख और जयजीत डीआइजी रैंक के अधिकारी थे। इस बीच, पूर्व एटीएस प्रमुख रघुवंशी ने मिड डे से कहा, सरकार खुफिया खतरे की आशंकाओं के आधार पर सुरक्षा देने का फैसला करती है। गौरतलब है कि 21 जुलाई को बांबे हाई कोर्ट ने इस मामले में सभी 12 दोषियों को बरी कर दिया था।

इकलौते बेटे ने माता-पिता और बहन को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला

जागरण संवाददाता, गाजीपुर

- बहन के नाम 18 बिस्वा जमीन करने से पिता से नाराज था
- वारदात करने के बाद पत्नी-बेटे संग फरार हुआ हत्यारोपित

इकलौते बेटे ने रविवार दोपहर अपने माता-पिता और बहन को कुल्हाड़ी से काट कर मार डाला। इसके बाद पत्नी व12 वर्षीय पुत्र को लेकर फरार हो गया।

65 वर्षीय शिवराम यादव और उसके पुत्र अभय यादव के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। पिता ने कुछ जमीन पुत्री कुसुम के नाम कर दी थी, जिससे अभय नाराज चल रहा था। रविवार को इसे लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। आरोपित की तलाश के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं। कुसुम की शादी हो चुकी थी, लेकिन पति से विवाद के बाद माता-पिता के साथ रहने लगी थी। वह स्टेशन रोड पर मेडिकल स्टोर चलाती थी। शिवराम ने करीब 18 बिस्वा जमीन कुसुम के नाम कर दी थी। इससे अभय नाराज होकर करीब एक वर्ष से अलग रह रहा था। लगभग 25 दिन पूर्व अभय ने पंचायत बुलाई थी। इसमें शिवराम ने कहा था कि जो हमारी सेवा करेगा, शेष जमीन उसके नाम कर देंगे। इसी दौरान बेटे ने पिता को धमकी भी दी थी कि तीनों को मार डालूंगा। रविवार दोपहर कुसुम मेडिकल स्टोर से घर पहुंची। वह जैसे ही स्कूटी से उतरी पहले से घात लगाए अभय ने कुल्हाड़ी से उस पर कई वार कर दिए।

पंजाब में कबूतर पकड़ने पर बच्चे की हत्या कर शव पेड़ पर लटकाया

जागरण संवाददाता, मानसा : कबूतर पकड़ने के विवाद में पंजाब के मानसा में स्थित गांव रोड़की में 13 वर्षीय बच्चे की हत्या कर शव को गांव के बाहर खेतों में लटका दिया गया। मृतक की पहचान राजा सिंह पुत्र लखविंदर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने पिता के बयान पर गांव के ही तीन लोगों तिरलोचन सिंह, तेजा सिंह और काला सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। लखविंदर सिंह ने बताया कि उनका बेटा राजा सिंह कबूतर पालने का शौकीन था। यही नहीं, वह कबड्डी का खिलाड़ी था और ब्लाक कबड्डी खेलों में पुरस्कार भी जीत चुका था। उन्होंने बताया कि उनके पड़ोसी को भी कबूतर पालने का शौक है और वह उनके बेटे पर आरोप लगाता रहता था कि कि वह उनके कबूतर चोरी करता है।

सप्ताह भर उत्तर में बेहद सक्रिय रहेगा मानसून

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आज से हरियाणा, पश्चिमी यूपी व दिल्ली में तेज बारिश की संभावना
- मेरठ व टुंडला से लखनऊ तक होगा असर, बिहार में भी होगी रिमझिम

उत्तर भारत के पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्रों में अगले सात दिन मानसूनी बारिश के लिहाज से बेहद सक्रिय रहने वाले हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव वाले क्षेत्र के प्रभाव से मैदानी इलाके में एक नया मौसमी सिस्टम विकसित हो रहा है, जो अगले एक सप्ताह तक कई राज्यों में भारी बारिश करा सकता है।

राजस्थान के कोटा के पास भी एक निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जो दिल्ली की ओर खिसक रहा है। यह उत्तर-पूर्वी राजस्थान और उससे सटे मध्य प्रदेश के ऊपर आएगा। इसके असर से कई क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी राजस्थान के पास हवा की दिशा पश्चिम से पूर्व की ओर मुड़ेगी, जिससे बहुत ऊंचाई तक मोटी परत का बादल बनेगा। इसका असर दिल्ली से मेरठ एवं टुंडला से लेकर लखनऊ तक होगा। इसके चलते दिल्ली, हरियाणा, उत्तर पूर्वी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। एक ट्रफ लाइन बिहार से होकर भी गुजरेगी, जिससे बहुत दिनों बाद सूखा खत्म होगा। पहाड़ी क्षेत्रों में कहीं-कहीं बादल फटने की घटना भी हो सकती है। मानसूनी वर्षा के असमान वितरण के कारण गंगा का मैदानी क्षेत्र अभी लगभग सूखा है। बिहार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश का मौसम कुछ वर्षों से अलग होता जा रहा है। जब देश भर में मानसून की अच्छी बारिश होती है तब इस इलाके में सूखे की स्थिति बन जाती है। इस बार भी अब तक ऐसा ही दिख रहा है। कई जिले ऐसे हैं, जहां 50 प्रतिशत से कम बारिश हो पाई है। अब बिहार का भी सूखा समाप्त हो सकता है।

मौसम विभाग का मानना है कि सोमवार से बिहार के कई जिलों में रिमझिम बारिश का दौर शुरू होगा, जो कुछ दिनों तक जारी रह सकता है।

प्रतीकात्मक

इस साल मार्च-जून में लू लगने से सिर्फ 14 लोगों की मौत

नई दिल्ली, प्रेट्र : सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष एक मार्च से 24 जून के बीच भारत में अत्यधिक गर्मी के कारण केवल 14 लोगों के मरने की पुष्टि हुई, जबकि लू के 7,192 मामले सामने आए। पिछले वर्ष लू के लगभग 48,000 मामले सामने आए थे और अत्यधिक गर्मी के कारण 159 मौतें हुईं थीं। 1901 के बाद से वर्ष 2024 देश में दर्ज किया गया सबसे गर्म साल था।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के आंकड़ों से पता चलता है कि लू के ज्यादातर मामले मई में दर्ज किए गए जब गर्मी चरम पर होती है। इस दौरान हीटस्ट्रोक के 2,962 मामले सामने आए और तीन मौतें दर्ज की गईं। अप्रैल में छह मौतें दर्ज की गईं, जबकि मार्च में दो मौतें दर्ज की गईं। जून में तीन मौतें दर्ज की गईं। इस अवधि के दौरान आंध्र में दो हजार से ज्यादा, राजस्थान में 373 मामले, उसके बाद ओडिशा (350), तेलंगाना (348) और मध्य प्रदेश (297) का स्थान रहा।

दोषी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, झारखंड हाई कोर्ट ने एक सप्ताह में सुनाया फैसला

- कई वर्षों से सुरक्षित रहने के बावजूद हाई कोर्ट नहीं सुना रहा था फैसला
- देरी को लेकर 10 दोषियों ने खटखटाया था सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, प्रेट्र : याचिकाओं के निपटारे में देरी की शिकायत करते हुए 10 दोषियों द्वारा सुप्रीम कोर्ट का रुख करने के बाद झारखंड हाई कोर्ट ने उनकी अपीलों पर मात्र एक सप्ताह के भीतर फैसला सुना दिया। इस मामले में फैसला कई वर्षों से सुरक्षित था। इन 10 दोषियों में से छह को मृत्युदंड सुनाया गया था। उन्होंने अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ दायर याचिकाओं पर वर्षों पहले फैसला सुरक्षित रखे जाने के बावजूद निर्णय लेने में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष अदालत ने उन सभी हाई कोर्टों से रिपोर्ट मांगी है, जहां मामले निर्णय के लिए सुरक्षित रखे जाने के बाद वर्षों से लंबित हैं।

14 जुलाई को शीर्ष अदालत ने दोषियों की याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई और राज्य सरकार तथा हाई कोर्ट से एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। इसके बाद जस्टिस सूर्यकांत और जायमाल्या बागची की पीठ ने 21 जुलाई को मामले की सुनवाई की। दोषियों की ओर से पेश वकील फौजिया शकील ने पीठ को बताया कि हाई कोर्ट ने अलग-अलग तारीखों पर फैसला सुनाया।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि आजीवन कारावास की सजा काट रहे अमित कुमार दास और बसंत कुमार महतो के मामले में हाई कोर्ट ने क्रमशः 16 जुलाई और 18 जुलाई को उनकी दोषसिद्धि और सजा को रद कर दिया। दास को जेल से रिहा कर दिया गया है, जबकि फैसला अपलोड नहीं किए जाने के कारण महतो जेल में ही है। आजीवन कारावास की सजा काट रहे निर्मल भेंगरा के मामले में पीठ ने कहा कि दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ उसकी याचिका हाई कोर्ट ने 18 जुलाई को खारिज कर दी थी। पीठ ने झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता से तुरंत संपर्क करें और अगर वह निजी वकील की सेवाएं लेने की स्थिति में नहीं है, तो उसे निश्शुल्क कानूनी सहायता प्रदान करें। पीठ ने कहा कि मृत्युदंड का सामना कर रहे नितेश साहू की याचिका भी खारिज कर दी गई है और उसके मामले में भी इसी तरह का उपाय अपनाया जाना चाहिए।

श्रद्धा का महासावन

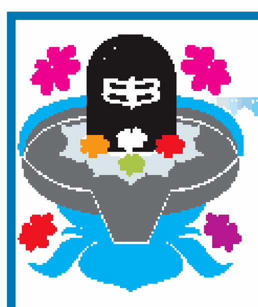

समस्त विद्याओं के प्रदाता हैं देवाधिदेव महादेव

श्रावण मास भगवान शिव का अत्यंत प्रिय मास है। शिवपुराण व स्कन्दपुराण में इसकी महिमा का वर्णन विस्तार से प्राप्त होता है। इस मास में भगवान शिव अपने भक्तों को करुणा, दया, दानशीलता, सौहार्द, कृतज्ञता, सत्य निष्ठा, कर्तव्यबोध जैसे महान गुणों को प्रदान करते हैं। इस मास में की गई उपासना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। श्रावण का दूसरा नाम शिवमास भी है। 'गंगाम्भः शिवपूजनम्' यही जीवन का परम पुरुषार्थ है अर्थात् गंगाजल का आचमन और शिव का पूजन। बाकी सभी देवताओं को देवसंज्ञा के रूप में पूजित किया गया है। शिव को महादेव कहा गया है 'महादेव महादेव महादेवेति यो वदेत्, एकेन मुक्तिमाप्नोति द्वाभ्यां शम्भु ऋणी भवेत्'। वह अत्यंत ही महान, सरल देव हैं, महादेव हैं। महादेव महादेव कहने मात्र से भक्तों के ऋणी हो जाते हैं। शिवभक्त प्रार्थना करता है- 'तव तत्त्वं न जानामि कीदृशोऽसि महेश्वरः, यादृशोऽसि महादेवः तादृशाय नमो नमः'। गृहस्थ में रहने वाले दंपतियों के लिए इस मास में शुचितापूर्वक प्रतिदिन पंचोपचार पूजन अथवा सामर्थ्य अनुसार षोडशोपचार पूजन, जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, घृताभिषेक, रसाभिषेक पृथक-पृथक मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए करने का विधान है। कहा गया है-'जलधारा प्रियः शिवः'। भगवान शिव को जल अर्पण मात्र से आरोग्य, आयुष्य की प्राप्ति व सभी कष्टों का निवारण हो जाता है। 'ज्ञानं तु शंकरादिच्छेत्, ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानाम्'। अर्थात् शिव की आराधना-उपासना से समस्त विद्याओं की प्राप्ति होती है। भगवान को अत्यंत प्रिय मास श्रावण में बिल्व पत्र अर्पित करना व जलाभिषेक अधिक फलदायी होता है।

प्रो. रामनारायण द्विवेदी
राष्ट्रीय महामंत्री,
श्रीकाशी विद्वत्परिषद्

जागरण विशेष

जैविक आहार जो बढ़ा रहा पशुओं की प्रजनन क्षमता

देहरादून की डा. बीनू बनीं पशुओं की सेहत रक्षक, काशीपुर आइआइएम की मदद से शुरू हुआ स्टार्टअप बना माडल

अभय कुमार पांडेय ● जागरण

काशीपुर: बीमार पशुओं की पीड़ा को वह अच्छे से समझती हैं। वह जानती हैं कि बाहरी घाव, चोट या बीमारी तो दवा, मरहम पट्टी से ठीक हो सकती है, लेकिन शारीरिक रूप से मजबूती व निरोग रहने के लिए पौष्टिक व गुणवत्तापूर्ण आहार ज्यादा जरूरी है। इसी सेवा कर्म के भाव को लेकर आगे बढ़ रहीं डा. बीनू भदौरिया पशुपालकों के लिए एक उम्मीद की किरण बनकर उभरी हैं।

पशु चिकित्सक डा. बीनू ने नौकरी छोड़ भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम), काशीपुर से ट्रेनिंग व फंडिंग हासिल की। फिर पशुओं में बांझपन की समस्या के समाधान व उन्हें स्वास्थ्यप्रद प्राकृतिक आहार पर शोध किया। इसके बाद उन्होंने स्थानीय और जैविक सामग्रियों से विशेष पशु आहार विकसित किया। जो पशुओं की प्रजनन क्षमता बढ़ाने के साथ ही उनके स्वास्थ्य को भी बेहतर करता है।

प्लांट में आए पशुपालकों को पशु आहार निर्माण की प्रक्रिया बतातीं डा. बीनू भदौरिया ● सौ. स्वयं

वन विहार देहरादून निवासी पशु चिकित्सक डा. बीनू ने 2019 में सरकारी पशु चिकित्सक के पद से इस्तीफा दे दिया। पेशे में रहते हुए उन्हें पशुओं की बीमारियों, उपचार व खान-पान आदि के बारे में बेहतर ज्ञान था। उन्होंने इंसान की तरह ही पशुओं के लिए भी जैविक आहार पर प्रोजेक्ट आइआइएम काशीपुर के समक्ष रखा और शोध किया। आइआइएम ने फाउंडेशन फार इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (फीड) प्रोजेक्ट के तहत इस स्टार्टअप को 20 लाख रुपये की फंडिंग दे दी। यहीं से डा. बीनू स्टार्टअप 'ओजस एनिमल फूड' की शुरुआत हुई। आइआइएम ने इसे देश के लिए माडल माना है। आज उत्तराखंड व उप्र के 50 गांवों के करीब 10 हजार पशुपालकों तक उनके आहार की पहुंच है।

37 लाख रुपये से शुरुआत: डा. बीनू ने आइआइएम से 20 लाख की फंडिंग मिलने के बाद 17 लाख रुपये बैंक से लोन लेकर वर्ष 2019 में स्टार्टअप शुरू किया। पहले साल उन्हें एक करोड़ का टर्नओवर हुआ जो वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3.85 रुपये हो गया। लाघा रोड देहरादून में डा. बीनू ने प्लांट स्थापित किया है। यहां से तैयार उत्पाद उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सप्लाई होता है, जिसे अब अन्य राज्यों में भी सप्लाई करने की तैयारी हो रही है। देहरादून के मालसी डियर पार्क में हिरन, सांभर और खरगोशों के लिए यही आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। चारधाम यात्रा मार्गों पर घोड़े-खच्चरों के लिए भी आर्डर पर आहार भेजा जाता है। डा. बीनू का लक्ष्य महिला स्वयं सहायता समूहों को जोड़कर उत्पादन को विकेंद्रित करने का है। यह पहल न केवल पशु स्वास्थ्य और कृषि उत्पादकता को बढ़ाएगी, बल्कि उत्तराखंड के स्वयं सहायता समूहों को भी समृद्ध करेगी।

केमिकल युक्त आहार से पशुओं को नुकसान

डा. बीनू बताती हैं कि केमिकल युक्त विशेष रूप से उच्च यूरिया वाले आहार पशुओं की प्रजनन प्रणाली को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे बांझपन और अंडे के उत्पादन में कमी आती है। उन्होंने इसी समस्या को ध्यान में रख कर जैविक आहार तैयार किया है। इस आहार में गेहूं, मक्का, बाजरा, मडुवा, भूसी, जौ, सरसों, मूंगफली, बिनौला और सोयाबीन जैसे अनाज उचित सम्मिश्रण मानक पर तैयार होता है। यह आहार पशुओं की उम्र और स्वास्थ्य के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में उपलब्ध है। पशुपालकों ने इसके उपयोग से पशुओं के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार भी अनुभव किया। इसकी कीमत 1200-1500 रुपये प्रति 50 किलो रखी गई है।

> डा.बीनू को आइआइएम काशीपुर से 20 लाख की फंडिंग भी दी गई है।उनकी यह पहल सिर्फ एक स्टार्टअप नहीं बल्कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में आजीविका, पशु स्वास्थ्य और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने वाला एक सफल माडल है। यह स्टार्टअप देशभर के किसानों के लिए प्रेरणा बन सकता है।
>
> – सफल बत्रा, डायरेक्टर, फीड आइआइएम काशीपुर

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

बिहार में उत्पाद विभाग की टीम पर ग्रामीणों का हमला, सात घायल

जागरण संवाददाता, शिवहर

- महिला एएसआइ, उत्पाद सिपाही और चालक सहित सात लोग घायल, दो वाहनों को किया क्षतिग्रस्त
- आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही

बिहार के शिवहर जिले के तुलसीनगर गांव में शराब की सूचना पर शनिवार रात छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इसमें महिला एएसआइ सहित सात लोग घायल हो गए। ग्रामीणों ने ईंटें फेंकते हुए दो वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया, महिला एएसआइ का मोबाइल भी छीन लिया।

सभी घायलों का उपचार सदर अस्पताल में कराया गया, जिनमें से ममता कुमारी, सविता कुमारी और निरंजन कुमार की हालत गंभीर बताई गई है। तरियानी थानाध्यक्ष विनय प्रसाद ने बताया कि आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

शिवहर जिले के तुलसीनगर गांव में शराब की बड़ी खेप लाए जाने की गुप्त सूचना पर शिवहर और मुजफ्फरपुर उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम शनिवार रात गांव पहुंची थी। गाली-गलौच और धक्का-मुक्की करते हुए ग्रामीणों ने टीम को गांव में घुसने से रोक दिया। इसी दौरान, ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर से बिजली काट दी, जिससे पूरे इलाके में अंधेरा छा गया।

अंधेरे का फायदा उठाते हुए ग्रामीणों ने उत्पाद टीम पर ईंटें फेंकना शुरू कर दिया, जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। ईंट से एएसआइ ममता कुमारी का सिर फोड़ दिया और उनका मोबाइल छीन लिया। इसके बाद, ग्रामीणों ने वाहन चालक और सिपाहियों की भी पिटाई की।

****

सरकारी तंत्र में सलाहकारों की बढ़ती भूमिका

भारत का सरकारी तंत्र दशकों से लालफीताशाही के लिए जाना जाता रहा है। ऐसे में विकास योजनाओं पर सही से अमल नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने और नीतियों को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए सरकारी तंत्र में बाहरी विशेषज्ञों को नियुक्त करने का चलन शुरू हुआ। सरकारी संस्थाओं को इन पेशेवरों की नियुक्ति का लाभ भी मिला, लेकिन समय के साथ ये पेशेवर नीतियां बनाने के काम से भी जुड़ गए। नीतियां बनाने का काम लोकसेवकों का है और वह इसके लिए जवाबदेह भी होते हैं, लेकिन सलाहकारों की जवाबदेही तय करना मुश्किल काम है। इसके अलावा बाहरी विशेषज्ञ सरकारी स्थायी कर्मियों को जानकारी या कौशल स्थानांतरित नहीं करते हैं। सरकारी तंत्र की क्षमता का विकास समय की जरूरत है और इसके लिए बाहरी विशेष्ज्ञों की मदद लेना अच्छी पहल है, लेकिन देखा यह जा रहा है कि सरकारी तंत्र की क्षमता बढ़ाने के बजाय बाहरी विशेषज्ञ अपना तंत्र विकसित करने में लगे हुए हैं। इससे जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या आइएएस एवं अन्य शीर्ष नौकरशाह नाकाम हैं, जो विशेषज्ञ सलाहकारों की जरूरत पड़ रही है। बाहरी विशेषज्ञों से सरकारी संस्थाओं को कितना फायदा हुआ है और स्थायी कर्मियों के कामकाज पर असर की पड़ताल ही आज का मुद्दा है...

1,499 सलाहकार कार्य कर रहे हैं भारत सरकार के 44 विभागों में बाहरी एजेंसियों के

₹302 करोड़ सालाना खर्च कर रहे हैं इन सलाहकारों पर 44 विभाग

चार बड़ी कंपनियों (अर्न्स्ट एंड यंग, पीडब्ल्यूसी, डेलाइट और केपीएमजी) के कर्मी भी शामिल

आउटसोर्सिंग या अनुबंध पर नियुक्त किए गए पेशेवर

1,037 युवा पेशेवर | **339** स्वतंत्र सलाहकार | **354** डोमेन विशेषज्ञ

76 विभागों ने नियुक्त किया है इन पेशेवरों को

(नोट: खर्च का विवरण उपलब्ध नहीं है)

- पांच वर्ष में पांच बड़ी कंपनियों को मिला 500 करोड़ रुपये का काम
- इस अवधि में केंद्र सरकार के 16 मंत्रालयों ने शीर्ष पांच कंसल्टेंट कंपनियों को काम दिया है

किस कंपनी को क्या मिला

प्राइसवाटर्स कूपर्स
92 असाइनमेंट | ₹156 करोड़ से अधिक लागत के
बड़े क्लाइंट: एचपीसीएल, ब्यूरो आफ एनर्जी एफिशिएंसी, आइआरईडीए, एनआइसी, आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड और पीएसओसीएल

डेलाइट
59 असाइनमेंट | ₹130.13 करोड़ से अधिक मूल्य के
बड़े क्लाइंट: बीपीसीएल, एचपीसीएल, नुमालीगढ़ रिफाइनरी, आयल इंडिया

अर्न्स्ट एंड यंग
87 असाइनमेंट | ₹88.05 करोड़ से अधिक के
बड़े क्लाइंट: इंजीनियर्स इंडिया, पावर ग्रिड एनआइसी, एचपीसीएल, टीएचडीसी

केपीएमजी
56 असाइनमेंट | ₹68.46 करोड़ से अधिक के
बड़े क्लाइंट: आयल इंडिया, नीति आयोग, नुमालीगढ़ रिफाइनरी, यूआइडीएआइ, पावर ग्रिड, डीपीआइआइटी, बीपीसीएल

मैकेंजी
3 असाइनमेंट | ₹50.09 करोड़ लागत
बड़े क्लाइंट: आयल इंडिया, नुमालीगढ़ रिफाइनरी और पावर फाइनेंस

स्रोत: आरटीआइ रिकार्ड, आंकड़े अप्रैल 2017 से जून 2022 तक के

अनुबंध पर नियुक्त युवा पेशेवर

नीति आयोग	वाणिज्य	उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन
95	87	78

(स्रोत: एक अंग्रेजी दैनिक के आरटीआइ से मिली जानकारी)

स्वतंत्र सलाहकार

कृषि एवं किसान कल्याण	नीति आयोग	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग
86	52	41

डोमेन विशेषज्ञ

कृषि एवं किसान कल्याण	नागरिक उड्डयन	ग्रामीण विकास
92	70	45

युवा पेशेवरों का वेतन

50,000 रुपये से 75,000 रुपये के आसपास भुगतान किया जा रहा है युवा पेशेवरों को

स्वतंत्र सलाहकारों और डोमेन विशेषज्ञों का वेतन

₹1 लाख से चार लाख रुपये प्रति माह तक का भुगतान किया जा सकता है स्वतंत्र सलाहकारों और डोमेन विशेषज्ञों को

₹1.45 लाख से 3.30 लाख रुपये प्रति माह के बीच वेतन मिलता है वाणिज्य विभाग द्वारा नियुक्त सलाहकारों को

₹7.5 लाख मासिक वेतन का संयुक्त रूप से भुगतान किया है दो स्वतंत्र सलाहकारों को श्रम मंत्रालय ने

₹3.30 लाख प्रति माह तक वेतन मिलता है नीति आयोग द्वारा नियुक्त सलाहकारों को

सरकारी तंत्र में लालफीताशाही से बढ़ती है परियोजनाओं की लागत

902 प्रोजेक्ट चल रहे थे तय समय से पीछे

448 इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट की लागत बढ़ी

₹5.55 लाख करोड़ से अधिक की बढ़ गई लागत

₹150 करोड़ या अधिक के हैं प्रोजेक्ट

65.2% तक बढ़ चुकी है इन प्रोजेक्ट की लागत मंजूर की गई लागत की तुलना में

केंद्र सरकार के इन छह विभागों से काम कर रहे हैं सबसे अधिक सलाहकार

विभाग	सलाहकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	203
ग्रामीण विकास	166
कृषि एवं किसान कल्याण	149
आवास एवं शहरी प्रशासन	147
महिला एवं बाल विकास	112
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग	99

43.0% है यह खर्च बाहरी सलाहकारों पर होने वाले कुल खर्च का

₹130 करोड़ है सलाहकारों पर कुल खर्च कृषि एवं किसान कल्याण को छोड़ कर

परियोजनाओं में देरी की वजह

भूमि अधिग्रहण में देरी, वन एवं पर्यावरण मंजूरी हासिल करने में समय लगना और कानून व्यवस्था की समस्याओं की वजह से प्रोजेक्ट तय समय पर पूरे नहीं हो पाए और उनकी लागत भी बढ़ी।

आंकड़े: 2023 की दिसंबर तिमाही, स्रोत: क्वार्टर्ली प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटेशन स्टेटस रिपोर्ट

विकसित हो गई है समानांतर प्रणाली

हितेश वैद्य
पूर्व निदेशक, एनआइयूए

सलाहकारों की भर्ती, उनके कार्यकाल और नवीनीकरण को लेकर मानक प्रक्रिया न होने से समस्याएं पैदा हो रही हैं। वित्त मंत्रालय के निर्देश का पालन न होने की वजह से सरकारी तंत्र में सलाहकारों की एक समानांतर प्रणाली विकसित हो गई है।

भारत की नीति और शासन व्यवस्था में बड़ा बदलाव हो रहा है। तेजी से हो रहे शहरीकरण, विकास की बढ़ती चुनौतियों और नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं के साथ, यह स्पष्ट हो गया है कि केवल योजनाएं और वित्तीय निवेश शहरी भारत की जटिलताओं का समाधान नहीं कर सकते। भारत अब यह समझने लगा है कि शहरीकरण का प्रबंधन उसके संरचनात्मक परिवर्तन और दीर्घकालिक विकास रणनीति का केंद्रीय तत्व है। तेजी से बढ़ती शहरी जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करना एक रणनीतिक नीति मुद्दा है। स्थायी प्रभाव के लिए न केवल मजबूत नीतियों की आवश्यकता है, बल्कि उन संस्थानों के नए सिरे से संयोजित करना आवश्यक है, जो सुधार को आकार देने और लागू करने का कार्य करते हैं। एक मुख्य चुनौती संस्थागत क्षमता निर्माण की निरंतर अनदेखी है, विशेषकर पेशेवर विकास, करियर विकास और आंतरिक ज्ञान प्रणालियों के संवर्धन में। देश ने प्रमुख शहरी कार्यक्रमों और मिशनों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति की है लेकिन कई थिंक टैंक और सरकारी संस्थाएं नीति डिजाइन, कार्यान्वयन, अनुसंधान और निगरानी के लिए बाहरी सलाहकारों पर अत्यधिक निर्भर हैं।

जो प्रक्रिया तय समय-सीमा में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए शुरू हुई थी, वह अब एक समानांतर प्रणाली में बदल गई है। बाहरी विशेषज अक्सर दाता समर्थित परियोजनाओं, परामर्श फर्मों या सीधे अनुबंधों के माध्यम से भर्ती किए जाते हैं। यह अब महत्वपूर्ण संस्थानों में स्थायी रूप से शामिल हो गए हैं। कुछ मामलों में ये मंत्रियों, वरिष्ठ नौकरशाहों से भी अधिक समय से काम कर रहे है। पेशेवर अक्सर महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो का प्रबंधन करते हैं और कई मामलों में वास्तविक सार्वजनिक अधिकारियों के रूप में कार्य करते हैं। थिंक टैंक और संबद्ध संस्थाएं बढ़ती हुई संख्या में सलाहकारों को नेतृत्व भूमिकाओं में नियुक्त कर रही हैं। ऐसा कभी-कभी सीमित या अप्रासंगिक अनुभव के साथ भी हो रहा है। यह प्रथा अस्पष्ट रिपोर्टिंग लाइन और अस्पष्ट परिणामों के साथ, भर्ती प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता को कमजोर करती है और दीर्घकालिक संस्थागत लचीलेपन को कम करती है। हालांकि ऐसी नियुक्तियां तत्काल तकनीकी अंतराल को भरने के लिए आवश्यक हो सकती हैं। समस्याएं तब उत्पन्न होती हैं, जब अल्पकालिक अनुबंध लंबी अवधि के काम के लिए नियुक्त किए जाने वाले कर्मियों के विकल्प बन जाते हैं और ऐसा प्रदर्शन के निगरानी और ज्ञान हस्तांतरण तंत्र के बिना होता है। सलाहकारों को लंबे समय जैसे पांच से सात वर्षों या उससे भी अधिक समय तक बनाए तक बनाए रखने के उदाहरण यह बताते हैं कि एक तय समय के लिए पेशेवरों को जोड़ने के सिद्धांत का पालन नहीं हो रहा है। ये परियोजना सलाहकार लंबे कार्यकाल के बाद भी, कभी-कभी यूनिट प्रमुखों के रूप में फिर से नियुक्त किए जाते हैं या नेतृत्व भूमिकाओं में नियुक्त किए जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि संबंधित क्षेत्र में स्पष्ट पूर्व अनुभव के बिना भी नेतृत्व भूमिका के लिए नियुक्तियां की जाती है।

इसके अलावा, थिंक टैंक रिटायर्ड लोकसेवकों के से भरते जा जा रहे हैं। इन संस्थानों का प्रबंधन करने वाले निकाय कभी-कभी उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद कई वर्षों तक नवीनीकरण नहीं करते, जिससे 'बिजनेस एज यूजुअल' वाले रवैये को बढ़ावा मिलता है। यह रवैया जाने अनजाने में सिस्टम के भीतर के लोगों को लाभ पहुंचा सकता है। नतीजे के तौर पर एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनता है जिसमें जवाबदेही सुनिश्चित करना मुश्किल होता है। वेतन और दूसरे लाभ की संरचनाएं भिन्न हैं और प्रदर्शन का मानक भी सटीक नहीं है। इन जोखिमों को पहचानते हुए वित्त मंत्रालय और नीति आयोग ने दिशानिर्देश जारी किए हैं कि जहां आंतरिक विशेषज्ञों की कमी हो वहां सलाहकारों को विशेष समय-सीमा में कार्यों के लिए नियुक्त किया जाए। हालांकि नीति आयोग यह निर्धारित करता है कि व्यक्तिगत सलाहकारों को तीन वर्षों से अधिक की निश्चित अवधि के लिए नियुक्त किया जाएगा लेकिन अक्सर इन दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया जाता है। सलाहकारों की भर्ती, कार्यकाल, नवीनीकरण और रोटेशन को नियंत्रित करने वाले मानक ढांचे की अनुपस्थिति ने चुनौती को और गहरा कर दिया है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) जैसी निगरानी एजेंसियों ने बार-बार परामर्श व्यवस्थाओं से संबंधित खरीद, वित्तीय प्रबंधन और अनुबंध निष्पादन में कमियों को उजागर किया है। संसदीय स्थायी समितियों की रिपोर्टों ने भी मुख्य कार्यों के लिए सलाहकारों पर भारी निर्भरता की ओर इशारा किया है, जो नीति परिणामों की निरंतरता, पारदर्शिता और स्थिरता के बारे में चिंता पैदा करते हैं। इसके बावजूद इस फ्रेमवर्क का पालन मंत्रालयों और संस्थानों में असंगत बना हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र को सलाहकारों की नियुक्ति को संस्थागत मजबूती के पुल के रूप में देखना चाहिए। बाहरी विशेषज्ञता के मूल्य को अधिकतम करने के लिए और अच्छे शासन के सिद्धांतों की रक्षा करने के लिए पांच सुधार आवश्यक हैं। सलाहकारों को नियुक्त करने और उनके पूरे कार्यकाल को नियंत्रित करने वाले व्यापक दिशानिर्देश स्थापित करें। सुनिश्चित करें कि सभी परामर्श अनुबंधों में स्पष्ट रूप से परिभाषित आउटपुट, प्रदर्शन संकेतक, समयसीमा और जवाबदेही मानक शामिल हों। सलाहकारों के लिए रिपोर्टिंग पदानुक्रम और निगरानी तंत्र को स्पष्ट रूप से परिभाषित करें। अनुबंध की शर्तों के हिस्से के रूप में सलाहकारों से आंतरिक कर्मचारियों को संस्थागत ज्ञान और क्षमता का हस्तांतरण करने के लिए मजबूत तंत्र बनाएं। इस तंत्र की निगरानी भी जरूरी है। सरकारी तंत्र में काम कर रहे सलाहकारों का एक केंद्रीकृत डिजिटल रजिस्ट्रार विकसित करें, जिसमें कर्मियों, भूमिकाओं, प्रदर्शन और लागत के विवरण शामिल हों, ताकि समन्वय और नीति निगरानी में सुधार हो सके। इस तरह से इनकी विशेषज्ञता का लाभ मिल सकेगा।

आपकी आवाज

बाहरी विशेषज्ञ अपने क्षेत्र की गहरी समझ और व्यावसायिक दक्षता रखते हैं। वे पारंपरिक नौकरशाही के ढांचे से बाहर की सोच के साथ नई ऊर्जा और नवाचार ला सकते हैं, जिससे नीति निर्माण अधिक प्रभावी और यथार्थपरक हो जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की नियुक्ति बाहरी विशेषज्ञ के रूप में हुई थी और वे आर्थिक सुधार के जनक माने जाते हैं। बाहरी विशेषज्ञों की नियुक्ति सकारात्मक परिणाम लाती है। **ई हिमांशु शेखर**

नीतिगत मामलों में पारदर्शिता और ज़िम्मेदारी लोकतंत्र की रीढ़ होती है। बाहरी विशेषज्ञों की भूमिका यदि बिना स्पष्ट उत्तरदायित्व के हो, तो वह नीति को प्रभावित करने के साथ-साथ जनता की आवाज़ को कमजोर कर सकती है। **सीमा रानी**

भारत आज दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है और नए नए क्षेत्र उभर रहे हैं। उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए विषय विशेषज्ञों की जरूरत है और सरकारी तंत्र में इसका अभाव है। ऐसे में सलाहकारों की भूमिका बढ़ना कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। **शिशिर वर्मा**

नीतियां बनाने में सलाहकारों की भूमिका है सीमित

ओपी अग्रवाल
आइएएस (सेवानिवृत्त)

सलाहकार सरकारी नीतियां बनाते हैं, ऐसा सोचना गलत है। यहां तक कि लोकसेवक भी किसी मंत्री के केवल सलाहकार होते हैं। सलाहकार अधिक से अधिक नीति निर्माण के बारे में बेहतर जानकारी देने के लिए विश्लेषण करते हैं और फिर लोकसेवक राजनीतिक व्यवस्था को नीतिगत सलाह देते हैं।

सरकारी तंत्र में सलाहकारों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। जाहिर तौर पर ये उन कार्यों को अंजाम देते हैं जो नियमित सरकारी कर्मचारियों द्वारा किए जाने चाहिए। चिंता इस बात पर भी जताई जा रही है कि वे सार्वजनिक नीतियां बनाते हैं, जिसकी जिम्मेदारी लोकसेवकों की होनी चाहिए। लोकसेवकों की सार्वजनिक जवाबदेही होती है। वहीं, अस्थायी सलाहकारों की कोई जवाबदेही नहीं होती है।

इस पर टिप्पणी करने से पहले, आइए उन स्थितियों पर गौर करें जिनमें सलाहकारों का इस्तेमाल होता है। सबसे पहले, उनका इस्तेमाल ऐसे विशिष्ट कार्यों के लिए किया जाता है, जिनके लिए मौजूदा सरकारी तंत्र में क्षमता नहीं है। इन कार्यों के लिए विशेष कौशल की आवश्यकता होती है जिन्हें हासिल करने के लिए वर्षों के प्रयास और अध्ययन की आवश्यकता होती है। आमतौर पर, इन कार्यों की जरूरत एक तय समय के लिए होती है, नियमित आधार पर इनकी आवश्यकता नहीं होती। उदाहरण के लिए, इमारतों का वास्तुशिल्प डिजाइन, बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना आदि। दूसरी श्रेणी वह है जहां सरकारी तंत्र में कुछ नियमित कार्य करने के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं या जहां इन नियमित कार्यों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से अधिक कुशलतापूर्वक और किफायती ढंग से किया जा सकता है।

तीसरी श्रेणी में ऐसे कार्य शामिल हैं, जो अस्थायी प्रकृति के होते हैं। इनके उदाहरण विभिन्न सरकारी एजेंसियों में विशिष्ट परियोजनाओं या योजनाओं के प्रबंधन हेतु परियोजना प्रबंधन इकाइयां हैं। उपरोक्त प्रत्येक स्थिति सलाहकारों की नियुक्ति के लिए उपयुक्त प्रतीत होती है। जो काम पहले काफी सरल थे, अब तेजी से जटिल होते जा रहे हैं और विशिष्ट कौशल की मांग करते हैं। ये कार्य केवल कुछ नियमों को लागू करने तक ही सीमित नहीं हैं। इनमें जटिल डाटा विश्लेषण और गणितीय माडलिंग या विकल्प विश्लेषण शामिल हैं। ऐसी स्थितियों में सलाहकारों की नियुक्ति एक समझदारी भरा कदम है। ऐसी व्यवस्था अक्सर ज्यादा किफायती होती है। भले ही लोगों को लगे कि सलाहकारों को ज्यादा फीस दी जा रही है लेकिन अपेक्षाकृत कम वेतन वाले सरकारी कर्मचारी अक्सर महंगे पड़ जाते हैं क्योंकि चिकित्सा, आवास और पेंशन जैसे कई लाभों को जोड़ा जाए, तो लागत बहुत ज्यादा हो जाती है।

नीतियां बनाने का काम सही मायने में जनता के प्रति जवाबदेह लोगों को करना चाहिए। प्रमुख नीतियां मंत्रिमंडल तक जाती हैं और अपेक्षाकृत छोटी नीतियों के लिए मंत्रालय के प्रभारी मंत्री की मंजूरी की आवश्यकता होती है। यहां तक कि लोक सेवक भी किसी मंत्री के केवल सलाहकार होते हैं। ये मंत्री ही नीति संबंधी निर्णय लेते हैं। सलाहकार ज्यादा से ज्यादा, नीति निर्माण के लिए बेहतर जानकारी देने हेतु आवश्यक विश्लेषण करते हैं। लोक सेवक उनके विश्लेषण को देखते हैं और फिर राजनीतिक व्यवस्था को सलाह देते हैं। राजनीतिक व्यवस्था इन नीतिगत सिफारिशों को स्वीकृत या अस्वीकृत करती है।

राष्ट्रीय फलक

भूस्खलन से छह घंटे बंद रहा वैष्णो देवी यात्रा मार्ग

जासं, कटड़ा: मां वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर शनिवार आधी रात के आसपास भूस्खलन से यात्रा कुछ घंटे प्रभावित हुई। शनिवार आधी रात देर को करीब 12:00 बजे हिमकोटी क्षेत्र में भूस्खलन से शेड का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत यह रही कि इस दौरान सभी श्रद्धालु सुरक्षित रहे। इसके बाद इस मार्ग को बंद कर दिया गया। इसी बीच जेसीबी मशीन के साथ ही श्राइन बोर्ड कर्मचारियों ने मार्ग को साफ किया और रविवार सुबह निरीक्षण के बाद करीब 6:00 बजे इस मार्ग को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। **वहीं,** केदारनाथ पैदल मार्ग अवरुद्ध होने से शनिवार को बंद रही केदारनाथ यात्रा रविवार को सुचारु हो गई। हालांकि क्षतिग्रस्त हुए पैदल मार्ग पर सुरक्षा बलों की मदद से श्रद्धालुओं को केदारनाथ भेजा गया।

डिजिटल अरेस्ट से प्रत्येक माह देश में करीब 4000 करोड़ की ठगी

आयुष्मान पांडेय ● जागरण

- कंबोडिया में बैठे सौ से ज्यादा हैंडलर ने भारत में फैलाया ठगी का जाल

लखनऊ : 73 वर्षीय रीता भसीन को 22 दिन डिजिटल अरेस्ट कर 56 लाख रुपये की ठगी के मामले में गिरफ्तार जालसाजों से पूछताछ में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जानकारी मिली है कि कंबोडिया में स्थित सौ से अधिक हैंडलर भारत में डिजिटल ठगी का जाल फैलाकर हर महीने तीन से चार हजार करोड़ रुपये बैंक खातों से निकाल रहे हैं। ये जालसाज अपने एजेंटों की मदद से रकम को म्यूल यानी किराए के खातों में ट्रांसफर कर नकद निकालते हैं और फिर उसे क्रिप्टो करेंसी में बदल देते हैं।

गुरुग्राम पुलिस द्वारा पकड़ी गई खुशबू से भी पूछताछ में यह सामने आया था कि उसने खुद दो वर्ष कंबोडिया में रहकर लोगों को डिजिटल ठगी की धमकी देकर करोड़ों रुपये की ठगी की थी।

अपर पुलिस उपायुक्त अपराध आर. वसंत कुमार ने बताया कि डिजिटल ठगी की काल ज्यादातर कंबोडिया से आती हैं। वहां के हैंडलर ठगी की रकम को टेलीग्राम एप के माध्यम से म्यूल खातों में भेजते हैं और एजेंटों के जरिए नकद निकालते हैं। ठग पहले अपने टारगेट को सेट करते हैं और फिर उन्हें जाल में फंसाते हैं। इसके बाद रकम को विभिन्न खातों में भेजा जाता है। एजेंट खाता धारक से पैसे निकालकर ऐसे खातों में डालते हैं, जिनमें करोड़ों रुपये का लेन-देन होता है।

नहीं थम रहा ड्रोन-चोर का शोर, कई जगह राहगीरों की पिटाई

जागरण टीम, मुरादाबाद

- मुरादाबाद में भी दहशत का माहौल, डीआइजी बोले, अफवाह पर अब होगी कार्रवाई
- जागकर कट रहीं लोगों की रातें, बिजनौर व ऊधमसिंह नगर में एक-एक की मौत

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद, मेरठ और बरेली मंडल के साथ-साथ उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर में ड्रोन और चोर की दहशत थमने का नाम नहीं ले रही है। इंटरनेट मीडिया पर लोगों ने चोरी की अफवाहों को हवा दी है। चर्चा है कि चोर ड्रोन उड़ाकर गांव व घरों की निगरानी कर रहे हैं। रात को घर में घुसकर चोरी कर रहे हैं। लोगों की रातें जागकर कट रही हैं। लाठी-डंडे लेकर गश्त कर रहे हैं। अफवाह के चलते राहगीरों के साथ मारपीट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऊधमसिंह नगर में गांव की रखवाली के लिए ग्रामीणों के साथ सड़क किनारे खड़े युवक की हादसे में मौत हो चुकी है। वहीं, बिजनौर में ड्रोन देखते समय युवक की मकान की छत से गिरकर मौत हो गई। मुरादाबाद के डीआइजी मुनिराज जी ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 दिनों से ड्रोन की सूचना मिल रही थी, लेकिन रामपुर के टांडा, संभल और अमरोहा में मिले खिलौना ड्रोन में कोई कैमरा नहीं था। यह केवल अफवाह है और इस पर कार्रवाई की जाएगी। शनिवार रात अमरोहा के शाहपुर गांव में एक युवक को पकड़ लिया गया। पूछताछ में पता चला कि वह मनोरोगी है और अक्सर घर से निकल जाता है। पुलिस ने उसे ग्रामीणों से छुड़ाकर उसके स्वजन को बुलाया। डिडौली क्षेत्र में भी चोर दिखने की अफवाह फैली, लेकिन जब ग्रामीण जंगल में पहुंचे तो कोई नहीं मिला। संभल के युवक पानीपत से लौटते समय रास्ता भटक गए और उन्हें चोर समझकर पीट दिया गया, जिससे तीन युवक घायल हो गए। उनकी कार भी क्षतिग्रस्त कर दी थी। मुरादाबाद शहर के अलावा डिलारी के कई गांवों में लोग टोलियां बनाकर जाग रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना दें। इसके अलावा, बिलारी में बच्चों द्वारा उड़ाए गए खिलौने के हेलीकाप्टर से भी अफवाह फैल गई, जिसे पुलिस ने समय रहते संभाल लिया।

बरेली में ड्रोन मैन समझकर पकड़े युवक : शनिवार रात को खाली मकान में तीन युवकों की आवाजाही पर ग्रामीणों ने ड्रोनमैन समझकर पकड़ गया। बिल्सी में एक युवक शनिवार रात प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। ग्रामीणों ने उसे भी ड्रोन मैन समझकर पकड़ लिया, बाद में छोड़ा।

****

बिहार में दाल चोरी में चार बच्चों को बांध गांव में घुमाया

जासं, बरियारपुर (मुंगेर) : बिहार के मुंगेर जिले में रविंद्र मंडल के घर में रखे 25 किलोग्राम दाल को शनिवार की दोपहर कुछ बच्चों ने चोरी कर दुकान में बेच दिया। इसकी जानकारी जब उनको मिली तो चोरी में संलिप्त चारों बच्चों को पकड़ लिया तथा सभी के हाथ प्लास्टिक की रस्सी से बांधकर पूरे गांव में घुमाया। कुछ बुजुर्गों ने सभी के हाथ में बंधी रस्सी को खुलवाया। कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। इंटरनेट मीडिया पर इसको लेकर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हरिणमार थानाध्यक्ष एके आजाद ने बताया कि चोरी के आरोप में कुछ बच्चों को पकड़कर ग्रामीणों ने गांव में घुमाया है। पुलिस पदाधिकारी को जांच के लिए गांव भेजा गया है। जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक जागरण

आदतें ही हमारे स्वभाव का निर्माण करती हैं

भारत और भगदड़

यह बड़े शर्म और दुख की बात है कि भगदड़ की एक और जानलेवा घटना घट गई। इस बार यह घटना हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में हुई। इसमें कुछ लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। यह भगदड़ यही बता रही है कि इस तरह की पहले की घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं सीखा गया। हाल के समय में भगदड़ की कुछ बड़ी घटनाएं हुई हैं। कुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए थे। इसके बाद बेंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ मचने से कई क्रिकेट प्रशंसकों की मौत हो गई। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। भगदड़ की घटनाओं के सिलसिले में हाथरस के एक आश्रम में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने की घटना को भी नहीं भूला जा सकता। आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं।

मनसा देवी मंदिर में भगदड़ का कारण करंट फैलने की अफवाह को बताया जा रहा है। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है, लेकिन इसका यह मतलब तो नहीं हो सकता कि सार्वजनिक स्थलों और विशेष रूप से धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों में लोग कुचलकर मारे जाएं। अच्छा यह होगा कि सरकारें भगदड़ की घटनाओं को लेकर प्रशासन को सच में जवाबदेह बनाना सीखें। इसके साथ ही आम लोगों को भी जापान जैसे देशों के लोगों से अनुशासन की सीख लेनी होगी। शासन-प्रशासन और आम जनता को अपने हिस्से की जिम्मेदारी इसलिए निभानी होगी, क्योंकि आने वाले समय में सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ का दबाव और अधिक बढ़ेगा।

पीड़ितों को राहत

साइबर ठगी एक बहुत बड़ी चुनौती बनती जा रही है। आए दिन लोग इसके शिकार हो रहे हैं, साइबर अपराधी उनकी गाढ़ी कमाई लूट रहे हैं। यद्यपि बिहार में साइबर सेल इस पर नियंत्रण को लेकर काफी सक्रिय है और समय रहते कार्रवाई भी की जाती है, पर पीड़ितों की ठगी गई राशि की वापसी में विलंब उनके लिए परेशानी का कारण भी है। ईओयू ने इसके निदान की पहल की है, जिससे यह आशा की जा सकती है कि पीड़ितों की परेशानी कम हो सकेगी। हालांकि, इस पर स्वीकृति के बाद ही आगे की कार्रवाई संभव हो सकेगी। यह मुद्दा लगातार उठ भी रहा था कि पीड़ितों को आखिर अपनी ही राशि की वापसी के लिए कितने समय तक प्रतीक्षा करनी होगी। अभी इसमें काफी समय लग जाता है। जब किसी के साथ आनलाइन धोखाधड़ी होती है तो तुरंत शिकायत के बाद संबंधित बैंक खाते में स्थानांतरित की गई राशि साइबर सेल की पहल पर रोक दी जाती है। इससे पीड़ित पक्ष की रकम बहुत हद तक बच तो जाती है, पर इसकी वापसी की प्रक्रिया में काफी विलंब होता है। आर्थिक अपराध अनुसंधान इकाई (ईओयू) के प्रस्ताव को स्वीकृति मिल जाती है तो साइबर ठगी की रकम वापसी के लिए पीड़ितों को प्राथमिकी की अनिवार्यता समाप्त हो जाएगी। आनलाइन शिकायत और कार्रवाई रिपोर्ट ही इसके लिए पर्याप्त होगी। इसके साथ ही आइटी एक्ट से जुड़े मामलों में जांच भी अवर निरीक्षक रैंक के पदाधिकारी से कराने का प्रस्ताव विचाराधीन है। इससे मामलों की जांच में तेजी आ सकेगी, क्योंकि जांच अधिकारी अधिक संख्या में होंगे। इस पर तीव्रता से विचार किया जाना चाहिए, ताकि पीड़ितों की समस्या का हल हो सके।

यह प्रयास जरूरी है कि साइबर अपराध के पीड़ितों को रकम की वापसी जल्द से जल्द हो

मताधिकार का स्पष्ट आधार है नागरिकता

ए. सूर्यप्रकाश

संविधान से लेकर जनप्रतिनिधि कानून में स्पष्ट है कि केवल भारतीय नागरिक ही देश के मतदाता हो सकते हैं। इसलिए नागरिकता और मतदान के अधिकार को अलग करके नहीं देखा जा सकता

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक मोर्चे पर तकरार जारी है। तकरार में एक मुद्दा नागरिकता और मताधिकार का भी है। आज सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई भी होनी है। राजनीतिक कोलाहल से इतर देखा जाए तो यह संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके गहरे निहितार्थ हैं, क्योंकि संविधान यह प्रविधान करता है कि 25 साल से अधिक का कोई मतदाता देश के किसी भी हिस्से से विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और यहां तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकता है। इसलिए यह चुनाव आयोग का दायित्व बन जाता है कि ऐसा कोई भी व्यक्ति मतदाता न बनने पाए जो भारत का नागरिक न हो। यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग को संविधान ने पर्याप्त अधिकार भी दिए हैं। अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को निर्वाचक नामावली के रखरखाव तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से निर्वाचनों के संचालन की शक्ति देता है और उसके कार्यों को परिभाषित करता है। वहीं, अनुच्छेद 326 में यह उपबंध है कि लोकसभा और प्रत्येक राज्य की विधानसभा के निर्वाचन, वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे, भारत का प्रत्येक नागरिक जिसकी आयु इस संबंध में विधि द्वारा यथानिर्धारित तिथि को 18 वर्ष से कम न हो और जो अन्यथा अयोग्य घोषित न किया गया हो, ऐसे किसी भी निर्वाचन में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा।

नागरिकता का यही संदर्भ जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1950 की धारा 16 में है। इसके अनुसार जो व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं, वह मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का भी पात्र नहीं। इस तरह संविधान और संसद द्वारा पारित निर्वाचन संबंधी कानून दोनों स्पष्ट रूप से यह प्रविधान करते हैं कि केवल भारतीय नागरिक को ही मतदान का अधिकार मिल सकता है। जनप्रतिनिधि कानून की धारा 14 यह भी निर्धारित करती है कि जहां तक मतदाता सूची को तैयार करने का सवाल है तो यह कवायद संबंधित वर्ष की जनवरी, अप्रैल, जुलाई या अक्टूबर से शुरू की जा सकती है। धारा 21 चुनाव आयोग को लोकसभा या राज्य विधानसभा चुनाव से पहले उपयुक्त तिथि के संदर्भ में अपेक्षाओं के अनुरूप मतदाता सूची तैयार करने या उसे संशोधित करने का अधिकार प्रदान करती है। इसे देखते हुए मतदाता सूची से जुड़ी चुनाव आयोग की कवायद पर सवाल उठाना बेतुका ही कहा जाएगा। इसका विरोध करने वाले राजनीतिक दलों के तर्क गले नहीं उतरते।

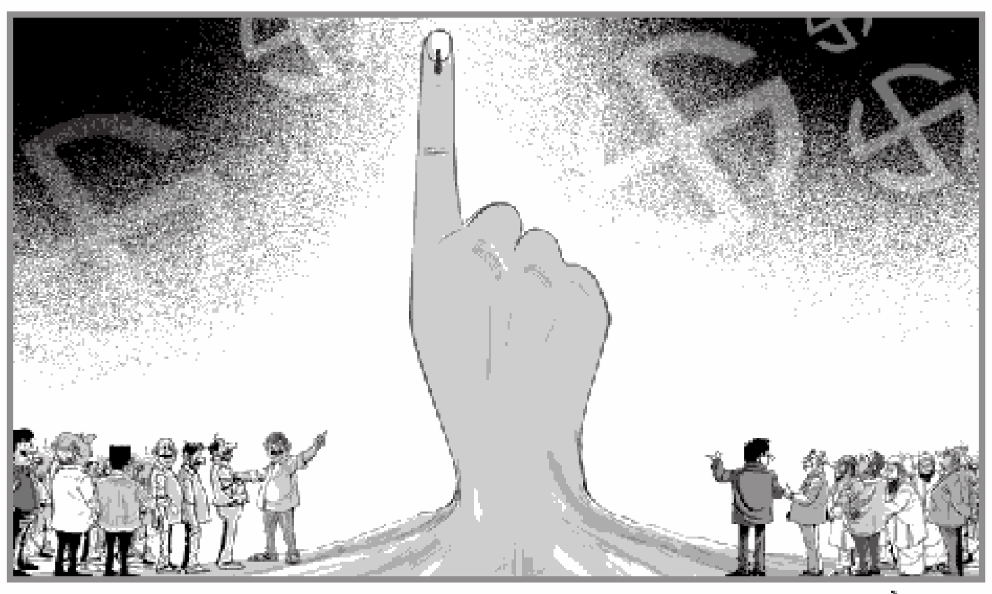

अवधेश राजपूत

इस संदर्भ में एक बहुत दिलचस्प मामला है। यह मामला किसी और से नहीं, बल्कि खुद नेहरू-गांधी परिवार से जुड़ा है। इसमें गैर-भारतीय नागरिक के मतदाता बनने और फिर एक जागरूक नागरिक द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद उस नाम को मतदाता सूची से हटाना पड़ा था। यह जनवरी 1980 की बात है। दिल्ली में मतदाता सूची संशोधित की जा रही थी। उस संशोधन में सोनिया गांधी का नाम शामिल किया गया था, जबकि उस समय वे इटली की नागरिक थीं। उस समय जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 लागू था। उसके अंतर्गत सूची में शामिल होने के लिए मतदाता को अपना नाम, पता, जन्मतिथि की जानकारी के साथ यह उद्घोषणा भी करनी थी कि वह भारत का/की नागरिक है। इन दावों के सत्यापन के बाद ही चुनाव प्राधिकारी संस्था संबंधित व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज करती थी। उस कानून में यह प्रविधान भी था कि किसी गलत दावे या गलत प्रतिनिधित्व के मामले में ऐसा करने वाले व्यक्ति को छह महीनों की कारावास तक हो सकती थी।

सोनिया गांधी का मूल नाम एंटोनिया माइनो था। उनका विवाह 1968 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र राजीव गांधी से हुआ था। नागरिकता अधिनियम के अंतर्गत आवेदन करने पर पांच साल बाद 1973 में वे भारत की नागरिक बन सकती थीं, पर उन्होंने आवेदन ही नहीं किया। अपनी इतालवी नागरिकता के बावजूद नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी और मेनका गांधी के साथ उनका नाम भी जोड़ दिया गया था। संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मौत के बाद इंदिरा गांधी ने राजीव गांधी को राजनीति में उतारा। चूंकि राजीव औपचारिक राजनीति में उतर गए थे और उस स्थिति में सोनिया के लिए अपनी इतालवी नागरिकता को कायम रखना विरोधियों के हाथों में एक मुद्दा थमा देता, इसलिए सोनिया गांधी ने अंततः 7 अप्रैल, 1983 को नागरिकता के लिए आवेदन किया और 30 अप्रैल, 1983 को उन्हें भारतीय नागरिकता मिल गई। हालांकि इससे पहले ही बिना भारतीय नागरिकता के उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया गया था। इसे लेकर एक प्रबुद्ध नागरिक ने दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी और 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटाना पड़ा था। नागरिकता और मताधिकार के जिस विवाद के केंद्र में स्वयं सोनिया गांधी रहीं, उसे देखते हुए कांग्रेसियों का यह राग अलापना समझ नहीं आता कि नागरिकता के पहलू का मतदान अधिकार से कोई सरोकार नहीं होना चाहिए।

समझ नहीं आता कि विपक्षी दलों के नेता बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की कवायद को लेकर क्यों आसमान सिर पर उठाए हुए हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी तो यहां तक कहने में लगे हैं कि चुनाव आयोग को भाजपा के निर्देश पर काम न करते हुए कानून के हिसाब से अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। चुनाव आयोग को बिल्कुल ऐसा ही करना चाहिए कि वह प्रत्येक कानूनी कसौटी के अनुसार आगे बढ़े। इस संदर्भ में उसे अपेक्षित अधिकार भी मिल हुए हैं। अनुच्छेद 326 से लेकर निर्वाचन संबंधी कानून यह स्पष्ट करते हैं कि केवल भारतीय नागरिक ही देश के मतदाता हो सकते हैं। चुनाव आयोग अपने इस कर्तव्य से बंधा हुआ है। वह ऐसी गुंजाइश बिल्कुल भी नहीं छोड़ सकता कि कोई गैर-भारतीय नागरिक मतदाता सूची का हिस्सा बन जाए।

(लेखक लोकतांत्रिक विषयों के विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

बाजार संभावनाओं को भुनाने का मौका

डा. जयंतीलाल भंडारी

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है, लेकिन इस मामले में भारत अभी बहुत पीछे है

देश में लोगों की बढ़ती आमदनी, शहरीकरण के कारण बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतों में परिवर्तन के कारण भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का बाजार आकार तेजी से बढ़ रहा है। हाल में डेलायट और फिक्की द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर एक रिपोर्ट जारी की गई। इसके मुताबिक देश में परिवारों के खाद्य बजट का वित्त वर्ष 2000-01 में अनाज और दालों पर 40 प्रतिशत खर्च किया जाता था, वह वित्त वर्ष 2023-24 में यह खर्च घटकर महज 14 प्रतिशत पर पहुंच गया। देश में खानपान तो लगभग हर आय वर्ग का बदला है, लेकिन शहरी संपन्न वर्ग अब अपने मासिक खाद्य बजट का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा पैकेज्ड फूड, बाहर खाने और डिलीवरी पर खर्च कर रहा है। ग्रामीण भारत में भी इसी तरह का बदलाव दिख रहा है। ग्रामीण खपत अनाज से पेय पदार्थों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की ओर बढ़ रही है। रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार कृषि उत्पाद जब तैयार भोजन का रूप लेता है तो उसके मूल्य में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होती है। पीएचडी चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के मुताबिक भारत के खाद्य प्रसंस्करण बाजार का आकार वर्ष 2023 में करीब 307 अरब डालर था, इसके वर्ष 2030 तक करीब 700 अरब डालर पर पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से निर्यात बढ़कर वर्ष 2030 तक 125 अरब डालर होने की उम्मीद है।

इसे देखते हुए भारत ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए व्यापक सुधार शुरू किए हैं। भारत खाद्य प्रसंस्करण में सौ प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ), प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारीकरण, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआइ) जैसी बहुआयामी पहलों के माध्यम से पौष्टिक दुनिया के निर्माण के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। पिछले दस वर्षों में भारत को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का एफडीआइ प्राप्त हुआ है। इस दौरान हमारी खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना बढ़कर दो सौ लाख टन से अधिक हो गई है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कई अन्य पूंजी आधारित उद्योगों की तुलना में ज्यादा रोजगार प्रदान करता है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत- डेरी, फल एवं सब्जी, अनाज, मांस, मछली एवं पोल्ट्री तथा उपभोक्ता वस्तुएं, पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ आते हैं।

बदलती जीवनशैली ने बदली खानपान की आदतें। फाइल

सरकार ने इन क्षेत्रों की व्यापक संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड के लिए सुनिश्चित किए गए एक लाख करोड़ रुपये की वित्त पोषण सुविधा से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लाभान्वित हो रहा है। खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार लाजिस्टिक्स क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा दे चुकी है। वर्ष 2020 से शुरू की गई किसान ट्रेनें भी खाद्य प्रसंस्करण बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उल्लेखनीय है कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के अंतर्गत विभिन्न फलों, खाद्यान्नों और फूलों की खेती के लिए निर्यात संवर्धन मंच (ईपीएफ) का गठन किया गया है। मौजूदा 'कृषि-क्लस्टरों' को मजबूत करने और अधिक उत्पाद-विशेष वाले क्लस्टर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। छोटे फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को वित्त, तकनीक और अन्य तरह की मदद पहुंचाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय 'केंद्रीय प्रायोजित पीएम फार्मलाइजेशन आफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइज योजना' चला रही है। इस योजना के तहत राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे कच्चे माल की उपलब्धता का ध्यान रखते हुए हर जिले के लिए एक खाद्य उत्पाद की पहचान करें। एक जिला-एक उत्पाद के आधार पर चुने गए उत्पादों का प्रोडक्शन करने वाले उद्योगों को प्राथमिकता के आधार पर मदद दी जा रही है। वस्तुतः खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि और विनिर्माण का महत्वपूर्ण घटक है। यह कृषि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है, लेकिन इसमें भारत अभी बहुत पीछे है। भारत में कुल खाद्य उत्पादन का 10 प्रतिशत से भी कम हिस्सा प्रसंस्कृत होता है। सब्जियों के लिए प्रसंस्करण स्तर 2.7 प्रतिशत, फलों के लिए 4.5 प्रतिशत, मत्स्य पालन के लिए 15.4 प्रतिशत और दूध के लिए 21.1 प्रतिशत है।

भारत के खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में पीछे रहने का एक बड़ा कारण खाद्यान्न भंडारण का अभाव है। अनाज के भंडारण की सही व्यवस्था नहीं होने की वजह से 12 से 14 प्रतिशत तक खाद्यान्न बर्बाद हो जाता है। कृषि उपज हासिल करने के तुरंत बाद किसानों को उसे बेच देना पड़ता है। देश में खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में भंडारण की क्षमता आधी से भी कम करीब 1450 लाख टन ही है। उम्मीद है कि सरकार द्वारा हाल में स्वीकृत धन-धान्य और समृद्धि योजना से इसे बढ़ाने में मदद मिलेगी। खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में बढ़ती हुई आर्थिक, निर्यात और रोजगार संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए सरकार को इस सेक्टर के समक्ष आ रही बाधाओं का निराकरण करना चाहिए। खाद्य उत्पादों के प्रसंस्करण स्तर को बढ़ाया जाना चाहिए। कटाई के बाद फसलों की बर्बादी रोकने, खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता प्रमाणन व्यवस्था, तकनीकी उन्नयन और लाजिस्टिक सुधार से देश का खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तेजी से बढ़ेगा।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

चिंता और चिंतन

चिंता और चिता में केवल बिंदु मात्र का अंतर है। यह दो मानसिक अवस्थाएं हैं, जो विचारों और भावनाओं को अभिव्यंजित करती हैं। जीवित मनुष्य चिंता करने से अवसादग्रस्त होकर अपने शरीर को नष्ट कर देता है तथा चिताग्नि प्राणशून्य शरीर को भस्मीभूत कर देती है। चिंताग्रस्त व्यक्ति अत्यधिक नकारात्मक भावजगत में जीवन जीता है, जिसके कारण लोक में विकास की मुख्यधारा से अलग पड़ जाता है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं और संभावित भय के संदर्भ में होती है, जिससे व्यक्ति निरुत्साही और तनावग्रस्त होकर अपनी सृजनात्मक क्षमता से वंचित हो जाता है। चिंता से प्रभावित व्यक्ति की सोचने-समझने की शक्ति का ह्रास हो जाता है। जबकि चिंतन एक सकारात्मक मानसिक अवस्था है जिसमें व्यक्ति किसी भी समस्या के निदान के संदर्भ में गहनता से विचार मंथन और तर्क-वितर्क से रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाकर जीवन को समुचित गति-मति प्रदान करता है।

जीवन में आने वाली बाधाएं और अनुकूलताएं वस्तुतः मनुष्य को बहुत अनुभव और ज्ञान प्रदान करती हैं। चिंता नकारात्मक और तनावग्रस्त होती है, जबकि चिंतन सकारात्मक और रचनात्मक होता है। चिंता में प्रायः व्यक्ति समस्या को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करता है, जबकि चिंतन समस्या का समाधान निकालने के लिए एक रचनात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। चिंता से विमुक्त होने के लिए व्यक्ति को अपनी नकारात्मक भावनाओं पर अंकुश लगाकर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा। हमारे देश में ऐसे अनेक महापुरुष व्यक्ति हुए हैं, जिनके जीवन में अत्यंत गंभीर और विषम परिस्थितियां आईं, किंतु उन्होंने पलायनवाद को नहीं अपनाया, अपितु आत्मबल और विवेक से समस्या का समाधान निकाला। आत्मबल का मुख्य आधार है-सत्य और प्रेम। चिंता जीवन की विकासधारा के लिए व्यवधान है और चिंतन उसका समाधान है।

आचार्य नारायण दास

व्यवस्था की विफलता

सोनम लववंशी

देश के विभिन्न हिस्सों में हजारों सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां बच्चे जान हथेली पर रखकर पढ़ने जाते हैं

राजस्थान के झालावाड़ जिले में एक सरकारी स्कूल की छत गिरने से सात मासूम बच्चों की जान चली गई। राजस्थान विद्यालय शिक्षा विभाग की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 82 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में से 8,308 स्कूल भवनों को जर्जर और खतरनाक घोषित किया गया है। इन स्कूलों में बच्चे लकड़ी की बल्लियों या लोहे की चादरों से टिकी दीवारों के नीचे पढ़ने को विवश हैं। न पानी की निकासी है, न रोशनी की व्यवस्था, और न ही कोई संरचनात्मक सुरक्षा। झालावाड़ की यह घटना न पहली है, न आखिरी। हर बार की तरह इस बार भी सरकारी तंत्र की संवेदनशीलता मुआवजे या एक जांच समिति के दायरे में ही सिमट कर रह जाएगी। देश के विभिन्न हिस्सों में हजारों सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां बच्चे जान हथेली पर रखकर पढ़ने जाते हैं। क्या यही है 'शिक्षा का अधिकार'? राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) और शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यू-डीआइएसई) 2021-22 की रिपोर्ट बताती हैं कि भारत में 1.45 लाख से अधिक सरकारी स्कूल भवन जर्जर या खतरनाक स्थिति में हैं।

शिक्षा के नाम पर 'डिजिटल क्लासरूम', 'स्मार्ट स्कूल', और 'मिशन समग्र शिक्षा' जैसी बड़ी योजनाएं तो बनाई गई हैं, लेकिन बुनियादी सुरक्षा जैसी आवश्यकताएं बजट के अंतिम पायदान पर रह जाती हैं। यह केवल राजस्थान की बात नहीं है। बिहार के सासाराम में 2023 में स्कूल की छत गिरने से दो बच्चों की मौत हुई थी। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड जैसे राज्यों में भी ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। एनसीपीसीआर की रिपोर्ट बताती है कि देश के लगभग 35 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में आज भी शौचालय नहीं हैं, और करीब 20 प्रतिशत स्कूलों की छतों में लीकेज है।

देश में शिक्षा के दो चेहरे हैं। एक वह जो स्मार्ट बोर्ड, सीसीटीवी और वातानुकूलित कक्षाओं से सजा है, और दूसरा वह जो उखड़ते प्लास्टर, टपकती छतों और टूटी खिड़कियों से जूझता है। यह फर्क केवल संसाधनों का नहीं, लोकतंत्र के आत्मा पर पड़े गहरे धब्बे का है। संविधान ने शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया, पर क्या यह अधिकार सिर्फ सुविधा-संपन्नों के लिए है? झालावाड़ में गिरी स्कूल की छत ने केवल मासूम बच्चों को नहीं कुचला, सरकारी मशीनरी की संवेदनहीनता को भी बेनकाब कर दिया। झालावाड़ की त्रासदी केवल चेतावनी नहीं, सिस्टम की विफलता की खुली किताब है। अगर अब भी सरकारें नहीं चेतीं, तो अगली बार गिरने वाली दीवारें केवल ईंट-पत्थर की नहीं होंगी, ये देश की उम्मीदों और नागरिक जिम्मेदारियों की भी होंगी। और तब कोई मुआवजा न तो किसी मासूम की जान सहेज पाएगा, न ही इस देश का भविष्य।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

प्रतिक्रिया

जनभावना समझे कांग्रेस

'खुद को क्षति पहुंचाती कांग्रेस' शीर्षक से लिखे आलेख में संजय गुप्त ने कांग्रेस के आत्मघाती आचरण को संदर्भित किया है। दरअसल कांग्रेस अपनी नींव मजबूत करने के बजाय भाजपा के बनाए महल को गिराने में अपना समय और श्रम व्यर्थ करने में लगी हुई है। इसमें उसे इस बात से भी मतलब नहीं है कि देश की चुनाव व्यवस्था में सिर्फ और सिर्फ वही लोग शामिल हों, जो वास्तव में भारत के नागरिक हैं। और उन लोगों का नाम भी मतदाता सूची से हटाया जाए, जो मृत हो चुके हैं अथवा स्थायी रूप से कहीं अन्यत्र बस गए हैं। प्रश्न उठाने का यह कोई वाजिब कारण नहीं हो सकता कि यह काम विधानसभा चुनाव के समय क्यों हो रहा है, लोकसभा चुनाव के वक्त क्यों नहीं? अच्छा विचार और अच्छे कार्य हमेशा सराहनीय होते हैं समय चाहे कोई भी हो। इस समय देश घुसपैठ की त्रासदी से गुजर रहा है। क्या ही अच्छा होता कि सत्ता पक्ष और विपक्ष एक साथ इस समस्या से निपटने की भरसक कोशिश करते। देश की जनता अच्छे और बुरे का फर्क अच्छी तरह जानती है। मोदी का तीन बार प्रधानमंत्री बनना उसकी समझ का ही परिचायक है। अतः कांग्रेस यदि खुद को वास्तव में मजबूत कर सत्ता में वापसी चाहती है तो उसे बहानेबाजी के पैंतरे छोड़कर जनता के दिलों को जीतने का प्रयास करना चाहिए।

वेदप्रकाश पाण्डेय, अंबेडकर नगर, यूपी

बढ़ रहा है कार्बन का खतरा

हर साल दुनियाभर में बिजली गिरने से लगभग 32 करोड़ पेड़ नष्ट हो जाते हैं। यह बात ग्लोबल चेंज बायोलाजी नामक पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जंगलों में आग लगने से हर साल लगभग 1.26 अरब टन कार्बन डाइआक्साइड वातावरण में उत्सर्जित होती है। बरसात के मौसम में बिजली गिरना एक सामान्य घटना है, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बिजली गिरने से पेड़ों की हानि सबसे अधिक होती है। कई जंगलों में पेड़ों के नष्ट होने का एक प्रमुख कारण बिजली गिरना है। वनस्पतियों के जलने से प्रतिवर्ष भारी मात्रा में कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जित होती है। अब तक बिजली गिरने से हर साल कितने पेड़ नष्ट होते हैं, इसका स्पष्ट अनुमान नहीं था, लेकिन इस नए शोध ने उस संख्या का आकलन करने में मदद की है। इस अध्ययन में पहली बार वैश्विक स्तर पर बिजली गिरने से पेड़ों के नष्ट होने और उससे जुड़ी कार्बन हानि का अनुमान प्रस्तुत किया गया है। यह अध्ययन इस बात को रेखांकित करता है कि जंगलों में बिजली गिरने के पर्यावरणीय प्रभावों को बेहतर तरीके से समझने की आवश्यकता है। भले ही प्राकृतिक पर्यावरणीय हानि को मानव हस्तक्षेप के बिना रोका न जा सके, लेकिन यह एक गंभीर और वैश्विक स्तर पर चिंताजनक विषय है।

दत्तप्रसाद शिरोडकर, मुंबई

मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी चिंताजनक

आज की तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धा से भरी जीवनशैली ने हमें भौतिक रूप से तो सफल बनाया है, परंतु मानसिक स्वास्थ्य के मामले में हम कहीं खोते जा रहे हैं। बढ़ती चिंता, तनाव, अकेलापन, अवसाद और आत्महत्या की घटनाएं हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं। हमने शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए दवाएं, डाक्टर और जांच की सुविधाएं विकसित कर ली हैं, पर जब मानसिक स्वास्थ्य का विषय उठता है, तो समाज अक्सर चुप्पी साध लेता है। इसे शर्म और कमजोरी से जोड़ा जाता है। इसी कारण लाखों लोग सामाजिक डर या इलाज न मिलने की वजह से अपनी परेशानियों को अकेले ही सहन करते हैं। युवा वर्ग परीक्षा, करियर और मीडिया के बोझ के चलते मानसिक दबाव का सामना कर रहे हैं। कामकाजी लोग नौकरी के तनाव, रिश्तों में असंतुलन और अकेलेपन की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। हमें स्कूल-कालेजों, कार्यालयों और घरों में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुलकर चर्चा करनी चाहिए। लोगों को बताया जाए कि मानसिक बीमारियां भी अन्य बीमारियों की तरह सामान्य हैं, जिनका उपचार संभव है।

ऋतिक, छात्र, चितकारा यूनिवर्सिटी, पंजाब

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :

दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,

डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा

ई-मेल : response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी *
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

53 करोड़ से अधिक जन धन बैंक खाते खोले जा चुके हैं अब तक देश भर की बैंक शाखाओं में, जिन्हें आधार और मोबाइल नंबर से जोड़े जाने के कारण बिना किसी लीकेज के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण संभव हुआ है।

आजकल

समानता कायम करने की दिशा में उपलब्धि

विश्व बैंक द्वारा जारी एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में उपभोग में असमानताएं कम हुई हैं। यानी विश्व बैंक से लेकर तमाम संबंधित संस्थाओं द्वारा जारी रिपोर्ट में इस बात पर सहमति है कि भारत में उपभोग असमानताएं कम हुई हैं। लेकिन कई आलोचक इसे मानने को तैयार नहीं हैं। वस्तुतः कोई भी सर्वेक्षण सभी पहलुओं में परिपूर्ण नहीं होता। इसलिए इन तर्कों के आधार पर हम इसे नकार नहीं सकते कि तमाम रिपोर्ट गरीबी में कमी का संकेत दे रही हैं। यह भी समझना होगा कि सरकार की समावेशी नीतियों के कारण ही अत्यधिक गरीबी में कमी आई है

प्रतीकात्मक

डा. अश्विनी महाजन
पूर्व प्रोफेसर, पीजीडीएवी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

हाल ही में जारी विश्व बैंक की 'स्प्रिंग 2025 पावर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' ने दुनिया में एक बहस शुरू की है। बहस का मुद्दा यह है कि क्या भारत वास्तव में दुनिया का चौथा सबसे समान देश बन गया है, जैसा कि इस रिपोर्ट में कहा गया है? वास्तव में देश और दुनिया में प्रचलित विमर्श का यह रिपोर्ट खंडन करती है। देश में बड़ी तादाद में बुद्धिजीवी जो इससे पूर्व की रिपोर्टों और आंकड़ों का हवाला देते हुए यह तर्क देते रहे हैं कि देश में आर्थिक संवृद्धि के साथ-साथ असमानताएं भी बढ़ी है। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि आर्थिक संवृद्धि के साथ-साथ गरीब और अमीर के बीच खाई बढ़ी है, वंचित वर्ग के हालात पहले से अधिक बिगड़े हैं और यह असमानता आय और संपत्ति दोनों में दिखाई देती है। ऐसे में यदि कोई रिपोर्ट यह कहे कि देश में असमानता कम हुई है तो असमंजस स्वाभाविक ही है।

समझने की कोशिश करते हैं कि क्या विश्व बैंक की रिपोर्ट सिर्फ आंकड़ों का खेल है, जैसा उसके आलोचक दावा करते हैं या उसमें कुछ सच्चाई है। और यदि यह सच है तो यह भी समझने का प्रयास करेंगे कि भारत में समानताएं घटने के पीछे कारण क्या हैं।

असमानताओं को मापने का सर्वाधिक उपयोगी तरीका गिनी चटांक माना जाता है। गिनी चटांक शून्य से एक तक होता है, जहां शून्य गिनी सह गुणांक पूर्णतः समानता को और एक पूर्णतः असमानता को दर्शाता है। नेशनल कांउसिल आफ एप्लाइड इकोनमिक रिसर्च और अन्य गृहस्थ आय सर्वेक्षणों के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में आय गिनी सह गुणांक 0.410 था जो 1955 में 0.371 से भी अधिक था। यदि संपत्ति के वितरण के बारे में विचार करें तो ग्रामीण क्षेत्रों में 2023 में यह सह गुणांक 0.405 था जो 1955 में 0.341 से कहीं अधिक था, जबकि शहरी क्षेत्र में यह 1955 में 0.392 से घटकर 2023 में 0.382 ही रह गया, लेकिन काफी ऊंचे स्तर पर बना हुआ है।

भारत में आय और संपत्ति में बढ़ती असमानताओं के बीच, अच्छी खबर यह है कि उपभोग में असमानताएं कम हो रही हैं। इसे अलग-अलग शब्दों में पहले यूएनडीपी की रिपोर्ट के अनुसार बहुआयामी गरीबी में भारी कमी और बाद में विश्व बैंक की हाल ही में जारी रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में अत्यधिक गरीबी में बड़ी कमी दर्ज की गई है। हालांकि अत्यधिक गरीबी की परिभाषा 2.15 डालर प्रतिदिन से बदलकर तीन डालर प्रतिदिन कर दी गई है, फिर भी 2022-23 में केवल 5.3 प्रतिशत लोग ही अत्यधिक गरीबी से पीड़ित थे। वर्ष 2011-12 में यह आंकड़ा 27.1 प्रतिशत था। यदि इस परिभाषा को पहले की तरह 2.15 डालर ही रखा जाए, तो 2022-23 में गरीबी से पीड़ित लोगों का प्रतिशत केवल 2.3 प्रतिशत ही रह गया है।

एक अधिक समतापूर्ण समाज की ओर भारत की यात्रा पिछले कुछ वर्षों में उसके गिनी सूचकांक में परिलक्षित होती है। 2011 में यह सूचकांक 28.8 था, जो 2022 में 25.5 तक पहुंच गया। इसका मतलब है कि अब यूएनडीपी से लेकर विश्व बैंक तक, सब में इस बात पर आम सहमति है कि भारत में उपभोग असमानताएं कम हुई हैं। लेकिन कई आलोचक इसे मानने का तैयार नहीं हैं। आलोचकों का पहला तर्क यह है कि विश्व बैंक की रिपोर्ट गृहस्थ उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित है और इसमें आय और संपत्ति को शामिल नहीं किया गया है। उपभोग आधारित गिनी सहगुणांक असमानताओं को कम करके आंकता है, क्योंकि अमीर लोग अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा बचा लेते हैं। उसके मुकाबले आय आधारित समानताएं अधिक विस्तृत अवधारणा है और उस संदर्भ में भारत में आय और संपत्ति की असमानताएं वास्तव में बढ़ी है। आलोचकों का दूसरा तर्क यह है कि विश्व बैंक द्वारा उपयोग किया गया सर्वेक्षण उपभोग को ठीक प्रकार से आकलन नहीं कर पाया। ऊपर के पांच प्रतिशत अमीर सामान्य सर्वेक्षण में अपने उपभोग को कम कर बताते हैं और उसे आधार पर निष्कर्ष सही नहीं होगा।

सभी पहलुओं पर विचार : भारत में वर्तमान सरकार की समावेशी नीतियों के कारण पहली बार इतने कम समय में ग्रामीण क्षेत्रों में तीन करोड़ और शहरी क्षेत्रों में एक करोड़ घरों के निर्माण से अभावग्रस्त लोगों का जीवन बदला है। इसके साथ ही सभी घरों में बिजली, अधिकांश आबादी को पाइप से जल कनेक्शन और स्वच्छ खाना पकाने के लिए ईंधन की उपलब्धता, साथ ही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत एक सीमा से कम आय वाले प्रत्येक पात्र परिवार को पांच लाख रुपये तक की मुफ्त द्वितीयक स्वास्थ्य सुविधाएं, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों को गरीब करनेवाले कारकों को समाप्त कर रहे हैं। हम यह भी देखते हैं कि पहले भी सरकारें समाज के गरीब तबके के उपभोग में सुधार के नाम पर भारी धनराशि खर्च करती थीं, लेकिन खामियों के कारण भारी भ्रष्टाचार और लीकेज होता था। लेकिन जन धन बैंक खाते खोलने और इन सभी खातों को आधार व मोबाइल नंबर से जोड़ने से, बिना किसी लीकेज के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण संभव हुआ।

यह भी समझना चाहिए कि हालांकि असमानताएं कम हुई हैं, लेकिन असमानताओं में कमी का श्रेय सरकारी सहायता और कुछ हद तक मुफ्त सुविधाओं को जाता है, फिर भी हम यह उम्मीद नहीं कर सकते कि सरकार अनंत काल तक गरीबों का समर्थन करती रहेगी। दीर्घकाल में हमें लोगों को इतना सक्षम बनाना होगा कि वे अपने परिवारों की जरूरतें पूरी कर सकें, जैसे आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, बिजली, पानी आदि। लोगों को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना होगा।

कृषि में प्रगति से विकसित भारत का लक्ष्य संभव

डा. वेदप्रकाश
असिस्टेंट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

विकसित कृषि के लिए विज्ञान एवं आधुनिक तकनीक का प्रयोग आवश्यक है। समय के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव आ रहे हैं। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर घटने एवं जलवायु परिवर्तन से फसलों के पैटर्न बदलने की आवश्यकता है। इसलिए आज कृषि क्षेत्र के लिए शोध और नवाचार अनिवार्य है। वर्तमान सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। केंद्र सरकार ने हाल ही में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। इस योजना में कृषि उत्पादन में पिछड़े जिलों को शामिल किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक राज्य से कम से कम एक जिला सम्मिलित होगा। इसमें छोटे किसानों को आधुनिक एवं लाभकारी खेती की ओर बढ़ने पर बल दिया जाएगा। यह अन्नदाता के सम्मान और कृषि एवं किसान कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय है।

ध्यातव्य है कि भारत कृषि प्रधान देश है। देश की लगभग 47 प्रतिशत आबादी कृषि से आजीविका पर निर्भर है। आज भी देश के विभिन्न राज्यों में कृषि के लिए पुरानी तकनीक और पुराने उपकरणों पर ही निर्भरता है। तकनीकी और वैज्ञानिक विकास से वे अभी भी बहुत दूर हैं। दिसंबर 2024 की नेशनल बैंक आफ रूरल एंड एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार किसानों की कमाई में खेती का योगदान 33 प्रतिशत है। किसान परिवारों की खेती से औसत मासिक आय केवल 4476 रुपये है। इसके अतिरिक्त खेती, पशुपालन, अन्य उद्यम, मजदूरी एवं सेवा आदि को मिलाकर किसान परिवार की औसत मासिक आय 13,661 रुपये है। देश के लगभग 55.4 प्रतिशत किसान परिवारों पर कर्ज है। क्या यह चिंताजनक नहीं है?

विगत दिनों भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की वार्षिक आमसभा में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान में आए सुझावों के आधार पर कृषि विकास की रणनीति बनेगी। उन्होंने जन औषधि केंद्र की तरह फसल औषधि केंद्र खोलने की बात भी कही। साथ ही उन्होंने किसानों की उपयोगिता और मांग आधारित शोध की जरूरत पर भी जोर दिया। आज हमें गंभीरता से यह समझने की जरूरत है कि भारत की वैश्विक कृषि उत्पादन में 7.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है तो वहीं राष्ट्रीय जीडीपी में कृषि उत्पादों का 18 प्रतिशत योगदान है। ऐसे में कृषि क्षेत्र पर समग्रता और व्यापकता से विचार करने की आवश्यकता है। यद्यपि विश्व बाजार में भारत की कृषि का निर्यात लगातार बढ़ता जा रहा है, तथापि अनेक चुनौतियां हमारे सामने हैं। गेहूं, चावल, दलहन एवं भिन्न-भिन्न प्रकार के खाद्यान्नों का समुचित और सुरक्षित भंडारण एक बड़ी चुनौती है।

आज जब विकसित कृषि एक बड़े संकल्प के रूप में उभर रही है, तब यह आवश्यक है कि प्रत्येक प्रदेश की जलवायु, वहां की मिट्टी एवं प्रकृति के अनुसार कृषि के लिए योजनाएं बनें। वहां की आवश्यकता के अनुसार बीज, खाद, कीटनाशक एवं भंडारण सुविधा उपलब्ध करवाई जाएं। भिन्न-भिन्न प्रकार की जानकारियों एवं जागरूकता हेतु समय-समय पर किसानों से संवाद हों। स्वयं सहायता समूहों को अधिकाधिक प्रोत्साहित किया जाए। विकसित कृषि के संकल्प के लिए यह आवश्यक है कि यथाशीघ्र बीज, उर्वरक और कीटनाशक एक्ट बने और उसे दंड के प्रविधानों के साथ तत्काल लागू किया जाए। कृषि मंत्री ने कहा भी है कि अमानक बीज, खाद एवं कीटनाशक गंभीर विषय है जिसे लेकर सरकार कड़ा कानूनी प्रविधान करेगी। राष्ट्रीय और वैश्विक आवश्यकता की पूर्ति हेतु कृषि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सुधारों की आवश्यकता है। इसके लिए विकल्पहीन प्रतिबद्धता से योजनाएं बनाकर उन्हें शीघ्रता से लागू करना होगा। क्योंकि विकसित कृषि से ही विकसित राष्ट्र का संकल्प साकार होगा।

खरी-खरी

नौकरी और ईश्वर

विनोद कुमार विक्की

सरकारी नौकरी का मिलना ईश्वर के साक्षात्कार के समान है। वस्तुतः सरकारी संस्थान मंदिर की तरह होता है। जिस प्रकार सनातन धर्म में कोटि-कोटि के देवता हैं, उसी तरह सरकारी संस्थानों में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष साक्षात देव स्वरूप विद्यमान होते हैं। सरकारी संस्थानों में राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, कर, वित्त आदि के प्रबंधन एवं नियमन के लिए विभिन्न प्रकार के विभाग होते हैं, जिनके शीर्ष पद पर आसीन सचिव/ प्रधान सचिव कहलाते हैं।

सनातन धर्म में भी विभाग वार ईश्वरों का वर्गीकरण किया गया है यथा, विद्या के लिए माता सरस्वती, धन के लिए मां लक्ष्मी, स्वास्थ्य के लिए धन्वंतरि, दीर्घायु के लिए भोलेनाथ, बारिश के लिए इंद्रदेव आदि विभागाध्यक्ष होते हैं जिन्हें भगवान कहा जाता हैं।

मृत्युलोक में प्रखंड, जिला प्रत्येक स्तर पर पद एवं कद के अनुसार कार्यालय प्रधान देवी-देवता विभिन्न पदाधिकारियों के रूप में मौजूद होते हैं, जो अन्य कर्मचारियों से स्वयं को श्रेष्ठ मानता है।

सरकारी संस्थानों में विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मियों और पदाधिकारी के बीच वही संबंध होता है जो पुजारी और भगवान के बीच। स्थानांतरण, प्रोन्नति, अवकाश आदि के लिए निम्न वर्गीय एवं मध्यमवर्गीय कर्मचारी स्वरूप भक्तों को संपूर्ण सेवा काल में उच्च वर्गीय पदाधिकारी स्वरूप भगवान के कोप भाजन रहित कृपा और अनुकंपा पर आश्रित रहना पड़ता है। दूसरी ओर प्राइवेट संस्थानों में 'सबका मालिक एक है' ऐसी संकल्पना के तौर पर एक ही बास या प्रधान होता है।

ईश्वरीय आशीर्वाद मिलने पर इंसान को मानवीय जीवन से मोक्ष प्राप्त होता है, जबकि नौकरी हासिल करने पर बेरोजगारी, गरीबी, पारिवारिक एवं सामाजिक तानों से मोक्ष मिल जाता है। धार्मिक स्थलों पर दैवीय लाभ प्राप्ति हेतु पुष्प, प्रसाद आदि चढ़ाने का रिवाज है, तो वहीं सरकारी स्थलों पर योजना लाभ की प्राप्ति हेतु चाय-पानी के रूप में चढ़ावा चढ़ाने का एवं प्राइवेट संस्थानों अथवा प्राइवेट एजेंसी के कार्यस्थल पर कांट्रेक्ट एवं प्रमोशन पाने के लिए मौद्रिक एवं मौखिक मक्खन मसाज किए जाने का प्रविधान देखने को मिल जाता है।

X पोस्ट

क्या हम पाकिस्तान के साथ हमेशा के लिए क्रिकेट खेलना बंद कर सकते हैं? क्रिकेट का खेल कोई युद्ध का मैदान नहीं है। असली लड़ाई वह है जो हमारे सैनिक रोज पाकिस्तान के खिलाफ लड़ रहे हैं। उस पाकिस्तान के खिलाफ, जो हमारा दुश्मन, आतंक का आका और एक नितांत नाकाम देश है।
शेफाली वैद्य@ShefVaidya

मनसा देवी हादसे के बारे में कहा जा रहा है कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण हालात बिगड़े। जब भीड़ बढ़ रही थी तब शासन-प्रशासन क्या कर रहा था? बड़े अधिकारी क्या इस हादसे की जिम्मेदारी लेंगे? या फिर वही जांच कमेटी, जिसकी रिपोर्ट कभी नहीं आएगी और लोग चार दिन बाद सब भूल जाएंगे।
गगन प्रताप@GaganPratapMath

राजस्थान में स्कूल की छत गिर रही है, बच्चे मर रहे हैं। यूपी में विद्यार्थियों के अभाव में स्कूलों का मर्जर हो रहा है। हमारा देश इन्हीं विरोधाभासी विडंबनाओं से बना देश है। इसमें अपने आप को जिंदा बचा लेना ही आज की सबसे बड़ी उपलब्धि है।
अतुल कुमार राय@AuthorAtul

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या भारतीय टीम को एशिया कप में पाकिस्तान के साथ मैच खेलना चाहिए?

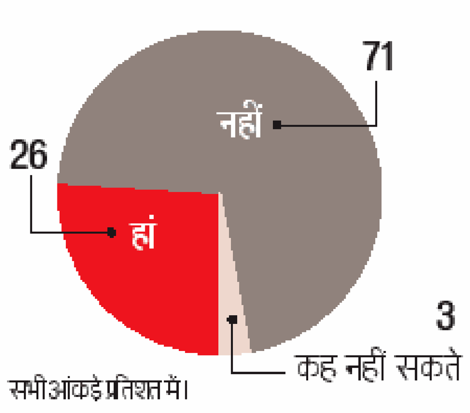

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या मनसा देवी हादसा प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

सीधी आखिर हो गई मालदीव की ऐंठ,
जो इतराता था कभी गोद चीन की बैठ।
गोद चीन की बैठ सबक जब उसने पाया,
त्राहि माम कह लौट पुनः भारत संग आया।
दुष्ट चीन के साथ मुइज्जू की ना बीती,
श्रीलंका की भांति हुई है तब दुम सीधी !
– ओमप्रकाश तिवारी

उत्तर प्रदेश डायरी

अपनों के 'विपक्षी स्वर' बढ़ा रहे चुनौती

अजय जायसवाल
राज्य ब्यूरो प्रमुख, उत्तर प्रदेश

सिर पर विधानमंडल का मानसून सत्र। आने वाले महीनों में पंचायत चुनाव और फिर विधानसभा चुनाव में हैट-ट्रिक लगाने का लक्ष्य। इन सब की तैयारियों के बीच उत्तर प्रदेश में सरकार चला रहा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) दोहरी चुनौती से जूझ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार से लेकर कानून व्यवस्था तक के मुद्दों पर विपक्ष लगातार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार पर वार पर वार कर रहा है। इनमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सबसे आगे हैं। उनके प्रहार पर तो सरकार के मंत्री से लेकर संगठन के पदाधिकारी तक पलटवार कर रहे हैं, लेकिन हाल-फिलहाल में 'अपनों' के सवालों की नई चुनौती खड़ी होती दिख रही है। सहयोगी दलों से लेकर विधायक-मंत्रियों की कई मामलों में असहमति तो सामान्य बात है, लेकिन इधर असहमति की धार से सरकार की नीति, योजनाओं, कानून व्यवस्था और सबका साथ-सबका विकास के दावों पर भी घाव लग रहा है। पहले निषाद पार्टी और फिर अपना दल (एस) से गठबंधन में तनाव की बात सामने आई और अब तो गठबंधन का नेतृत्व कर रही भाजपा की मंत्री और नेता भी खुलकर कानून-व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर रही हैं।

कानपुर देहात की अकबरपुर-रनियां विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं बाल विकास, पुष्टाहार एवं महिला कल्याण राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने पिछले दिनों न केवल अपनी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया, बल्कि ब्राह्मणों की उपेक्षा का आरोप भी मढ़ा। मंत्री ने एक मामले में अकबरपुर के कोतवाल व लालपुर चौकी इंचार्ज को हटाने की मांग को लेकर 24 जुलाई को साढ़े छह घंटे धरना दिया। आश्वासन पर भी कार्रवाई न होने पर 25 जुलाई को उन्होंने सरकार के खिलाफ बयान देते हुए कहा, 'ऐसा लगता है कि हम विपक्ष में हैं और सरकार अफसरों की है। मेरी पार्टी के एक बड़े क्षेत्रीय नेता और कोतवाल सतीश सिंह एक ही जाति के हैं। दूसरी पार्टी की सरकार होती तो मंत्री को थाने नहीं जाना पड़ता। प्रदेश में ब्राह्मणों की सुनने वाला कोई नहीं है। अपनी बात मनवानी है तो एकजुट होकर नेतृत्वकर्ता तय करना होगा।' भाजपा संगठन को भी यह कहकर एक तरह से चुनौती दी कि पार्टी कोई एक्शन लेती है तो ब्राह्मणों को एकजुट करने के लिए प्रदेशभर में यात्रा निकालेंगे। इससे भी ज्यादा मुश्किल उन्होंने बसपा की प्रशंसा करके कर दी। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2004 में बसपा सरकार के दौरान बहन जी (मायावती) ने मुझे थाने जाने से मना किया, लेकिन काम तुरंत हो गया था।

कानपुर में समर्थकों के साथ गुरुवार को धरने पर बैठीं राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला। फाइल

मंत्री के 'विपक्षी स्वर' पर विरोधी दलों को कानून-व्यवस्था के साथ ही ब्राह्मणों की उपेक्षा को लेकर सरकार को घेरने का नए सिरे से बहाना मिल गया है। अखिलेश लगातार भाजपा नेताओं के ऐसे बयानों को पोस्ट कर अपने आरोपों को सही ठहराते रहे हैं। सरकार के अंदर गुटबाजी का मुद्दा भी उठाते हैं। सवाल उठाने वाली प्रतिभा शुक्ला अकेली नहीं है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने भी बिजली व्यवस्था की तमाम खामियों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर योगी सरकार के दावों पर ही सवाल खड़ा कर दिया था। कुशीनगर की भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष नूतन दुबे ने भी वीडियो जारी कर हर सरकारी दफ्तर में भ्रष्टाचार की बात उठाई थी। पूर्व में भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर की सरकार से सीधी तनातनी का मामला भी सुर्खियों में रहा है। दूसरी तरफ सहयोगी दल भी सरकार-संगठन पर दबे-छिपे अंदाज में निशाना साधते रहे हैं। अपना दल (एस) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और योगी सरकार में मंत्री आशीष पटेल बिना नाम लिए योगी पर हमला बोल पार्टी को तोड़ने की साजिश रचने के सवाल खड़े करते हैं। निषाद पार्टी के मुखिया व मंत्री संजय निषाद भी अपने बयानों से जब-तब बागी तेवर दिखाते रहे हैं।

भाजपा और सरकार, अपने नेताओं-मंत्रियों के 'विपक्षी स्वर' से होने वाले नुकसान को अच्छे से समझती है। यही कारण है कि अपनों की शिकायतें दूर करने के लिए नए सिरे से मुख्यमंत्री मंडलवार एनडीए के विधायक-सांसदों के साथ बैठकें कर रहे हैं। जनप्रतिनिधियों की समस्याएं, शिकायतें सुनकर उन्हें तवज्जो देने की हिदायत अफसरों को दी जा रही है, ताकि बाद में असहमति के सुर न सुनाई दें। मुख्यमंत्री बताते हैं कि संवाद और समीक्षा केवल एक बैठक नहीं, बल्कि शासन की नई कार्यसंस्कृति का संदेश है, जहां योजनाएं सिर्फ फाइलों में नहीं, जनता के जीवन में बदलाव लाने वाली साबित हों। अफसरों को निर्देश दिए गए हैं कि संवाद के इस माडल को प्रदेशभर में लागू करें, ताकि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का मंत्र हर योजना, हर कार्य में परिलक्षित हो। अब यह रणनीति कितना कारगर होगी और जनता तक सरकार कितना संदेश पहुंचा पाएगी, यह तो चुनावी नतीजे ही बताएंगे।

छत्तीसगढ़ डायरी

मतांतरण के विरुद्ध ठोस कानून

सतीश चंद्र श्रीवास्तव
संपादकीय प्रभारी, रायपुर

बांटो और विस्तार करो। मतांतरण के मामले में यह नारा शत प्रतिशत प्रभावशाली सिद्ध हो रहा है। माओवादी हिंसा प्रभावित नारायणपुर की तीन आदिवासी बेटियों को आगरा ले जाए जाने के प्रयास में शुक्रवार को भिलाई स्टेशन पर कोरबा के आधार कार्ड वाली नन के साथ पकड़ा जाना मिशनरियों के नेटवर्क का प्रमाण है। मिशनरियों के लिए कमजोर कानून हथियार है। राजनीतिक इच्छा शक्ति पर भी इनका सवाल है। प्रदेश सरकार की मानें तो फरवरी 2024 से नए विधेयक की पांडुलिपि (ड्राफ्ट) तैयार है। डेढ़ वर्ष बाद भी कानून बनने का इंतजार है। यद्यपि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय खुले मंचों से घोषणा कर चुके हैं कि सख्त कानून से मतांतरण को नियंत्रित किया जाएगा। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी गृहमंत्री विजय शर्मा को सौंप रखी है।

उत्तर प्रदेश सहित उत्तर भारत में यदि छांगुर द्वारा मुस्लिम मतांतरण का मुद्दा छाया हुआ है तो छत्तीसगढ़ सहित मध्य भारत में मिशनरियों की गतिविधियां लगातार चर्चा में हैं। मतांतरण बस्तर और जशपुर के आदिवासी बहुल इलाकों तक सीमित नहीं है। रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई में भी विस्तार हो चुका है। एससी-एसटी वर्ग के साथ प्रदेश के ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) में साहू समाज मतांतरण से सर्वाधिक प्रभावित है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेंद्र साहू कड़वे अंदाज में कहते हैं कि सत्ताधारी बिलबिला उठेंगे अगर पूछा जाए कि 'पालिटिकल बिल' के अभाव में बिल (विधेयक) किस बिल (छिद्र) में घुस गया? मतांतरण के विरुद्ध कड़े कानून का चुनावी वादा कहां गया?

मतांतरण का विरोध करने वाले संगठनों के लोग कठोर कानून के अभाव में स्वयं को असहाय स्थिति में बता रहे हैं। उनके अनुसार यह कड़वा सच है कि माओवादियों, मिशनरियों और कुछ कांग्रेसी नेताओं ने अपने-अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए आदिवासियों की परंपरा और संस्कृति को ही दांव पर लगा दिया है। अंतिम संस्कार की जमीन तक के लिए गांवों में झगड़े हो रहे हैं। सामान्य रूप से शैव परंपरा को मानने वाले, देवी के उपासक व प्रकृति पूजक आदिवासियों की पूजन और जीवन पद्धति बदल रही है। देव स्थान के समानांतर प्रार्थना घर स्थापित हो रहे हैं। जल-जंगल-जमीन के लिए संघर्ष की सीख देने वालों ने विदेशी धन के लोभ से जीवन पद्धति पर ही प्रहार कर दिया है।

हिंसा प्रभावित नारायणपुर की पीड़ित बेटियां भिलाई स्थित 'सखी केंद्र' भेजी गई हैं। वे उसी क्षेत्र की रहने वाली हैं जिनके सघन वन में माओवादियों की पकड़ के कारण अभी भी सुरक्षा बलों के केंद्र नहीं स्थापित हो सके हैं। लड़कियों को पता नहीं था कि वह कहां और क्या करने जा रही हैं। इनकी मानव तस्करी के आरोप में आगरा की वंदना फ्रांसिस के साथ गिरफ्तार प्रीति मेरी के पास कोरबा का आधार कार्ड है। पहले वह जिले के एक सुदुर गांव में केरल की संस्था द्वारा संचालित मिशनरी अस्पताल में काम करती थीं। उस गांव में सरकारी अस्पताल खुलने के बाद मिशनरी अस्पताल बंद हुआ तो वह मध्य प्रदेश के डिंडोरी में सक्रिय रही और अब आगरा पहुंच चुकी है। इस मानव तस्करी में बिचौलिए की भूमिका निभाने वाला आदिवासी युवक सुखमन मंडावी तीसरी बार यह काम कर रहा था।

पूर्व विधायक और आदिवासी नेता राजाराम तोमड़े के अनुसार आदिवासियों के कई समुदायों में 50 प्रतिशत तक ईसाई बन चुके हैं। मिशनरियों का बांटो और विस्तार करो का सूत्र भी स्पष्ट है। समाज को जातीय आधार पर बांटो, लड़ाओ और फिर स्वार्थ पैदा करो। यह गठजोड़ इसलिए भी चिंताजनक है कि वामपंथी बुद्धिजीवियों ने आदिवासियों को पहले भड़काया कि वह हिंदू या सनातनी नहीं हैं। पूरे समाज से काटने के बाद गरीबी, शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के लिए जीवन में संघर्ष करने वाले लोगों का मतांतरण कराना आसान हो गया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में गैर सनातनी वोट बैंक की इच्छा रखने वालों ने राजनीतिक संरक्षण दिया। दूसरा पक्ष तरफ सत्ता परिवर्तन के बाद मतांतरण के विरुद्ध ठोस कानून के चुनावी वादे का इंतजार कर रहा है।

प्रीति मैरी : मतांतरण की आरोपित। फाइल

सुखमन मंडावी : मतांतरण का आरोपित। फाइल

विधानसभा के अंदर फरवरी 2024 में कांग्रेस की तरफ से नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत ने मतांतरण के विरुद्ध विधेयक की यह कहते हुए हवा निकाल दी थी कि विपक्ष से विचार-विमर्श किए बिना ही मसौदा तैयार कर लिया गया। इससे पहले तत्कालीन मंत्री (वर्तमान सांसद) बृजमोहन अग्रवाल ने दावा किया था कि कांग्रेस के शासन काल में 3400 से अधिक शिकायतें पहुंचीं, परंतु सिर्फ 34 में ही केस दर्ज हुए। यह भी सच है कि स्थिति बदली है। वर्ष 2023-24 में पुलिस तक 16 शिकायतें पहुंचीं और नौ में केस दर्ज हुए तो वर्ष 2024-25 में 50 शिकायतें पहुंचीं और 23 केस दर्ज हुए।

आंकड़े बता रहे हैं कि समाज बेचैन है। संघर्ष बढ़ता जा रहा है। आवश्यकता है कि मंत्रणा का दौर समाप्त हो और ठोस कानून पर कार्रवाई शुरू हो। उम्मीद की जानी चाहिए कि विधानसभा के अगले सत्र में विधेयक प्रस्तुत किया जाएगा तथा कठोर कानूनी प्रविधान लागू होने के साथ मतांतरण पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

****

राष्ट्रीय संस्करण
सोमवार 28 जुलाई, 2025
दैनिक जागरण
बिजनेस
www.jagran.com

आठ लाख करोड़ होगा इन्फ्रा इनविट का एयूएम

नई दिल्ली: रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने ताजा रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष 2026-27 तक इन्फ्रास्ट्रक्चर इनविट का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) आठ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में इसका एयूएम 6.3 लाख करोड़ रुपये रहा है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार, यह वृद्धि मुख्य रूप से परिपक्व ट्रस्टों द्वारा परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से प्रेरित होगी। (एएनआइ)

हम विदेश में दुर्लभ खनिजों की खोज की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। इसके लिए कंपनी ने माली, पश्चिम अफ्रीका और कांगो गणराज्य से प्रारंभिक वार्ता शुरू की है।

— प्रसन्न कुमार, सीएमडी, एनएलसी इंडिया

एक नजर में

12 हजार कर्मचारियों की छंटनी करेगी टीसीएस

मुंबई: दिग्गज आइटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान करीब 12 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। विभिन्न रिपोर्ट्स में रविवार को कहा गया कि कंपनी पुनर्गठन योजना के तहत यह छंटनी करेगी। जून 2025 के अंत में टीसीएस में 6.13 लाख कर्मचारी कार्यरत थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस छंटनी से प्रभावित होने वालों में अधिकांश कर्मचारी मध्यम और वरिष्ठ स्तर के होंगे। (आइएएनएस)

इस वर्ष 7-7.5 प्रतिशत बढ़ेगा कंस्ट्रक्शन क्षेत्र

नई दिल्ली: रेटिंग एजेंसी इक्रा ने अनुमान जताया है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में 7-7.5 प्रतिशत की वृद्धि रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, 2016 से 2025 के दौरान इस क्षेत्र की औसत वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रही है। मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, मजबूत आर्डर बुक और सार्वजनिक पूंजीगत खर्च में लगातार वृद्धि के चलते रेटिंग एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष के लिए इस क्षेत्र के परिदृश्य को स्थिर पर बरकरार रखा है। (एएनआइ)

पांच हजार करोड़ रुपये जुटाएगा इंडियन बैंक

नई दिल्ली: चालू वित्त वर्ष के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक पांच हजार करोड़ रुपये जुटाएगा। इसके लिए बैंक के बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। बैंक के एमडी और सीईओ विनोद कुमार ने कहा कि हमें पांच हजार करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मिल गई है। अप्रैल-जून 2025 के दौरान बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.8 प्रतिशत रहा है। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि हमें तुरंत पूंजी की आवश्यकता होगी। हम अपना यूपीआइ एप विकसित करने पर बड़ा दांव लगा रहे हैं। (प्रेट्र)

इस सप्ताह 14 आइपीओ में निवेश के अवसर

सात हजार करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाने के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम ला रही हैं कंपनियां

नई दिल्ली, एएनआइ: इस सप्ताह कुल 14 आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। इसमें 10 एसएमई और शेष मेन बोर्ड के आइपीओ शामिल हैं। इन आइपीओ के जरिये कंपनियां सात हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि जुटाएंगी।

इनमें मेन बोर्ड से जुड़ा नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) का 4,012 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा आइपीओ शामिल है। यह पूरा आइपीओ आफर फार सेल यानी प्रमोटर शेयरों की बिक्री पर आधारित है। बुधवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाले इस आइपीओ का प्राइस बैंड 760-800 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत की सबसे बड़ी डिपाजिटरी एनएसडीएल को भारतीय पूंजी बाजार के विकास में अपनी भूमिका के कारण मजबूत संस्थागत मांग आने की उम्मीद है। मेन बोर्ड से जुड़ा दूसरा बड़ा आइपीओ आदित्य इन्फोटेक का है। सब्सक्रिप्शन के लिए मंगलवार को खुलने वाले इस आइपीओ का आकार 1,300 करोड़ रुपये है और इसका प्राइस बैंड 640-675 करोड़ रुपये है। यह कंपनी आइटी सेवाएं देती है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी लक्ष्मी फाइनेंस का मेन बोर्ड का 254 करोड़ रुपये का आइपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए मंगलवार को खुलेगा। इसका प्राइस बैंड 150-158 रुपये प्रति शेयर है। रियल एस्टेट कंपनी श्री लोट्स डेवलपर्स का 792 करोड़ रुपये का आइपीओ बुधवार को खुलेगा और इसका प्राइस बैंड 140-150 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

इस सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाले एसएमई प्लेटफार्म से जुड़े आइपीओ का आकार 20-130 करोड़ रुपये के बीच है। जो कंपनियां आइपीओ ला रही हैं, उनमें केटैक्स फैब्रिक्स, रिनोल पालिकेम, कैश योर ड्राइव, मेहुल कलर्स, ताक्योन नेटवर्क्स, एमएंडबी इंजीनियरिंग, बीडी इंडस्ट्रीज, उमीया मोबाइल, रीपोनो और फ्लाईसब्स एविएशन शामिल हैं।

4,012 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा आइपीओ लाएगी एनएसडीएल

1,300 करोड़ रुपये का आदित्य इन्फोटेक का आइपीओ मंगलवार को खुलेगा

इन कंपनियों के शेयर इस सप्ताह सूचीबद्ध होंगे

इस सप्ताह चार कंपनियों के शेयर बीएसई और एनएसई के मुख्य प्लेटफार्म या मेन बोर्ड पर सूचीबद्ध होंगे। इसमें इंडीक्यूब स्पेसेज और जीएनजी इलेक्ट्रानिक्स के शेयर बुधवार, ब्रिगेड होटल वेंचर्स के शेयर गुरुवार और शांति गोल्ड इंटरनेशनल के शेयर शुक्रवार को सूचीबद्ध होंगे। सप्ताह के दौरान एसएमई प्लेटफार्म पर सेवी इन्फ्रा, स्वास्तिक कैसल, मोनार्क सर्वेयर्स, टीएससी इंडिया, पटेल केम स्पेसिलिटीज, श्री रेफ्रिजरेशन और सेलोरैप इंडस्ट्रीज के शेयर सूचीबद्ध होंगे।

छह कंपनियों का पूंजीकरण 2.22 लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: बीते सप्ताह घरेलू बाजारों में रहे उतार-चढ़ाव के कारण बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.22 लाख करोड़ रुपये घटा है। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के पूंजीकरण में 1,14,687 करोड़ रुपये की कमी आई है। इसके अलावा इन्फोसिस, एलआइसी, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनीलिवर का पूंजीकरण भी घटा है। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक, भारती एयरटेल और एसबीआइ का पूंजीकरण बढ़ा है।

विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयरों से निकासी जारी

नई दिल्ली, जेएनएन: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) की भारतीय शेयर बाजारों से निकासी जारी है। इस सप्ताह एफपीआइ ने एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयरों की बिक्री की है। 25 जुलाई तक एफपीआइ की शेयरों से निकासी बढ़कर 6,503 करोड़ रुपये हो चुकी है। इसके साथ 2025 में भारतीय शेयरों से एफपीआइ की कुल निकासी 84,404 करोड़ रुपये हो गई है।

दो हजार से अधिक के यूपीआइ लेनदेन पर कोई जीएसटी नहीं

यूपीआइ ट्रांजेक्शन पर कर्नाटक के दुकानदारों को मिले जीएसटी डिमांड नोटिस के बाद केंद्र सरकार ने दी सफाई

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआइ लेनदेन पर जीएसटी लगाने की कोई योजना नहीं है। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी की तरफ यह स्पष्टीकरण कर्नाटक के व्यापारियों को यूपीआइ लेनदेन के आंकड़ों के आधार पर जीएसटी डिमांड नोटिस मिलने के बाद आया है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने पिछले सप्ताह कहा था कि कर्नाटक में छोटे व्यापारियों को जीएसटी नोटिस राज्य सरकार की तरफ जारी किए गए हैं और इसमें केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं है। जोशी ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के उस बयान को बेहद हास्यापद बताया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि नोटिस जारी करने में राज्य की कोई भूमिका नहीं है।

जोशी ने कहा, 'कर्नाटक के वाणिज्य कर अधिकारियों ने ही छोटे व्यापारियों को जीएसटी बकाया नोटिस जारी किए थे। फिर भी, राज्य सरकार अब यह दिखावा करके जनता को गुमराह कर रही है कि इसमें वह शामिल नहीं है। यह जिम्मेदारी से बचने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है। अगर जीएसटी नोटिस केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए होते, तो कई अन्य राज्यों के व्यापारियों को भी ये मिलते।

हालांकि ऐसा कहीं और नहीं हुआ। ये नोटिस केवल कर्नाटक में ही क्यों भेजे जा रहे हैं।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि जीएसटी के दो घटक हैं-केंद्र सरकार के अधीन सीजीएसटी (केंद्रीय जीएसटी) और राज्य सरकारों के अधीन एसजीएसटी (राज्य जीएसटी)। कर्नाटक में छोटे व्यापारियों को नोटिस राज्य के वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जारी किए गए थे।

बैंकों की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर : आरबीआइ

मुंबई, प्रेट्र: सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निम्नतम स्तर पर हैं। आरबीआइ के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, नई जमाराशियों के लिए भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में उल्लेखनीय रूप से गिरावट आई है।

अक्टूबर, 2011 में आरबीआइ ने बचत बैंक जमा ब्याज दर को रेगुलेशन से मुक्त कर दिया था और बैंकों को अपनी इच्छानुसार ब्याज दर निर्धारित करने की अनुमति दे दी थी। चालू सितंबर तिमाही के दौरान सरकार द्वारा लघु बचत योजनाओं की दरों को अपरिवर्तित रखा है। बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि इन योजनाओं पर प्रचलित दरें फार्मूला आधारित दरों से 33-118 आधार अंक अधिक है। फरवरी, 2025 से अब तक आरबीआइ रेपो रेट में 100 आधार अंकों की कटौती कर चुका है।

आउटरीच कार्यक्रम से एफटीए की जानकारी देगी केंद्र सरकार

- अगले 20 दिनों में पूरे देश में लगभग एक हजार बैठकों का आयोजन किया जाएगा
- वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल आज ट्रेड डील पर चमड़ा और वस्त्र क्षेत्र के साथ करेंगे बैठक

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर उद्योगों और राज्यों को जागरूक करने के लिए अगले 20 दिनों में देशभर में 1,000 से अधिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन आउटरीच कार्यक्रमों का उद्देश्य 24 जुलाई को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना और इसके लाभों से अधिक से अधिक लोगों को परिचित करना है। एक अधिकारी ने कहा कि संबंधित मंत्रालय भी समझौते पर कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को यहां व्यापार समझौते पर चमड़ा और वस्त्र क्षेत्र के साथ एक बैठक करेंगे। गोयल ने 26 जुलाई को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें पहले ही विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों से बात करने का निर्देश दिया है। गोयल ने कहा, ''संसद सत्र चलने तक मैं हर क्षेत्र के साथ क्षेत्रीय बैठकें करूंगा और उसके बाद सभी राज्यों का दौरा करूंगा।''

इस समझौते के लागू होने पर, 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त पहुंचेंगे। इससे कारों, सौंदर्य प्रसाधनों और व्हिस्की जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क भी कम हो जाएगा। इस समझौते का लक्ष्य 2030 तक दुनिया की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच 56 अरब डालर के व्यापार को दोगुना करना है।

विनफास्ट ने भी भारत में खोला पहला शोरूम

सूरत, एएनआइ: अमेरिका के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के बाद वियतनाम की इलेक्ट्रिक कार कंपनी विनफास्ट ने भी भारत में अपना पहला शोरूम खोला है। गुजरात के सूरत में स्थित यह शोरूम उत्पाद अनुभव, वाहन खरीद यात्रा और बिक्री के बाद सहायता प्रदान करेगा।

शोरूम में विनफास्ट की प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी-वीएफ6 और वीएफ7 की बिक्री की जाएगी। इन दोनों कारों की 15 जुलाई से प्री-बुकिंग शुरू हो गई है। ग्राहक एक्सक्लूसिव शोरूम में या आधिकारिक वेबसाइट VinFastAuto.in के जरिये 21 हजार रुपये की पूरी तरह से वापसी योग्य राशि के साथ इन कारों की बुकिंग कर सकते हैं। भारत पहला ऐसा बाजार है, जहां विनफास्ट वीएफ7 और वीएफ6 का राइट हैंड ड्राइव संस्करण लांच कर रही है। कंपनी ने भारत में अपना संयंत्र शुरू होने से पहला शोरूम खोल दिया है।

6.5% वृद्धि दर हासिल करना मुश्किल नहीं

नागेश कुमार

- एमपीसी सदस्य नागेश कुमार ने कहा-भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए चमकता हुआ स्थान
- भविष्य में रेपो रेट में कटौती के लिए खुदरा महंगाई के साथ सभी आंकड़ों पर देना होगा ध्यान

नई दिल्ली, प्रेट्र: आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से बढ़ रही है और चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल करने में उसे किसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। एक साक्षात्कार में कुमार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए एक चमकता हुआ स्थान बनी हुई है। उन्होंने कहा, 'वास्तव में, एक तिहाई से ज्यादा वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं कर्ज के संकट से जूझ रही हैं। वहीं औद्योगिक अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव, उच्च मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास में मंदी का सामना कर रही हैं। चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था घरेलू खपत और घरेलू निवेश से ज्यादा संचालित होती हैं, इसलिए भारत बहुत तेजी से विकास कर रहा है।'

आरबीआइ के अनुमानों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भी देश की अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ेगी। मुद्रास्फीति पर एक प्रश्न के उत्तर में, कुमार ने कहा कि वर्तमान खुदरा मुद्रास्फीति लगभग दो प्रतिशत है और यह काफी हद तक एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) या आरबीआइ द्वारा अपनाई गई नीति का परिणाम है। अब यह लक्ष्य सीमा के भीतर आ गई है।' यह पूछे जाने पर कि क्या आरबीआइ के लिए आगे दरों में कटौती की गुंजाइश है, उन्होंने कहा, ''यह केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ही नहीं, बल्कि सभी विभिन्न वृहद आंकड़ों पर निर्भर करेगा। अगर मुद्रास्फीति किसी एक एक महीने दो प्रतिशत तक रहती है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह इतनी ही रहेगी।' आरबीआइ ने इस साल रेपो रेट में एक प्रतिशत की कटौती की है और आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जून में मुख्य मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई है, जिससे आगे और नरमी की उम्मीदें बढ़ गई हैं। आरबीआइ की छह सदस्यीय मौद्रिक समिति की अगली बैठक अगस्त में होगी।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

राष्ट्रीय फलक

राम मंदिर में बढ़े दर्शनार्थी, सुरक्षा घेरे में परिसर

जागरण संवाददाता, अयोध्या

राम मंदिर में दर्शन करने के लिए रामपथ से रामजन्मभूमि पथ की ओर बढ़ते श्रद्धालु। जागरण

रामनगरी में सावन झूला मेले की शुरुआत होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन प्रारंभ हो गया। इसके दृष्टिगत रामजन्मभूमि परिसर की सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है। सीसीटीवी कैमरों व वाच टावरों से निगरानी बढ़ाई गई तो सादे कपड़ों में अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। सघन चेकिंग के बाद ही दर्शनार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है।

अयोध्याधाम के विभिन्न मंदिरों व मणिपर्वत पर भले झूलनोत्सव प्रारंभ हो गया, पर राम मंदिर परिसर में आराध्य का झूला विहार 29 जुलाई को सावन शुक्ल पंचमी तिथि से शुरू होगा। मंदिर में एक ओर इसकी तैयारी की जा रही तो वहीं श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि को देखते हुए दर्शन व सुरक्षा व्यवस्था को समृद्ध किया जा रहा है, जिससे आगामी दिनों में अधिक संख्या बढ़ने पर अव्यवस्था न फैले। श्रद्धालुओं को रामजन्मभूमि पथ से प्रवेश देकर अंगद टीला की ओर बने निकास द्वार से वापस किया जा रहा है। यहीं उन्हें भोजन प्रसाद वितरित किया जा रहा है। उधर, सावन मेले को लेकर रामजन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को समृद्ध कर दिया गया है। बम निरोधक दस्ता व डाग स्क्वायड के जवान भ्रमणशील रहकर नियमित जांच कर रहे तो आतंकवाद निरोधक दस्ते के कमांडो व सीआरपीएफ का विशेष दस्ता भी निगरानी बनाए रखे है। लगभग साढ़े आठ सौ सीसी कैमरों व 24 वाच टावरों, अत्याधुनिक दूरबीन, एंटी ड्रोन कैमरा सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों से परिसर की निगरानी की जा रही है। प्रवेश द्वार पर चेकिंग बढ़ाई गई है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने बताया कि रविवार को लगभग एक लाख से अधिक दर्शनार्थियों ने दर्शन किया है। आगामी कुछ दिनों में यह संख्या और बढ़ेगी। जरूरत के अनुसार बाद में लेन या निकास द्वार में परिवर्तन किया जाएगा।

आरइन्फ्रा, आरपावर ने कहा, ईडी की तलाशी प्रक्रिया हुई पूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : रिलायंस समूह की कंपनियों रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर (आरइन्फ्रा) और रिलायंस पावर (आरपावर) ने रविवार को कहा कि ईडी ने उनके परिसरों की तलाशी पूरी कर ली है और कंपनियां संघीय जांच एजेंसी के साथ सहयोग करना जारी रखेंगी।

आरपावर ने स्टाक एक्सचेंज को दी गई नवीनतम सूचना में कहा, ईडी की कार्रवाई सभी जगहों पर पूरी हो गई है। कंपनी और उसके अधिकारियों ने पूरा सहयोग किया और आगे भी प्राधिकरण के साथ सहयोग करते रहेंगे। आरइन्फ्रा और आरपावर दोनों द्वारा जारी दो अलग-अलग बयानों में कहा गया है कि कंपनी सामान्य रूप से काम कर रही है और उक्त कार्रवाई का व्यावसायिक संचालन पर प्रभाव नहीं पड़ा है। ईडी ने शनिवार को अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ मुंबई में तीसरे दिन भी तलाशी ली और कई जगहों से कई दस्तावेज व कंप्यूटर उपकरण बरामद किए।

साधुओं पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, बसपा नेता का यूट्यूबर बेटा गिरफ्तार

जासं, मुरादाबाद

साधु संतों पर अवध टिप्पणी करने के विरोध में आमिर टीआरटी गिरफ्तार। सौ. पुलिस

इंटरनेट मीडिया पर अभद्र व अश्लील सामग्री फैलाने के मामले में यूट्यूबर मोहम्मद आमिर पर कार्रवाई की गई है। 'टाप रियल टीम' (टीआरटी) नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाले आमिर ने साधु-संतों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिससे हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने आमिर का शांतिभंग में चालान कर दिया है। उसके पिता शकील सलमानी बसपा के जिला उपाध्यक्ष हैं।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आमिर ने 2017 में यूट्यूब चैनल शुरू किया था, जिसके 5.83 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। वह यूट्यूब पर प्रोपेगेंडा फैला रहा था। दीपक कश्यप की शिकायत के अनुसार, आमिर ने वीडियो बनाने की शुरुआत अमर्यादित भाषा से की थी। जैसे-जैसे सब्सक्राइबर बढ़े, उसने गाली-गलौज भी शुरू कर दी। हाल ही में, आमिर ने साधु-संतों का भेष धारण कर उनके चरित्र को गलत तरीके से पेश किया। पुलिस ने शुक्रवार सुबह आमिर को गिरफ्तार कर लिया। सात साल से कम सजा की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज होने के कारण उसे निजी मुचलके पर जमानत मिल गई। आमिर के पिता बसपा जिला उपाध्यक्ष शकील सलमानी ने बताया कि बेटे ने यह वीडियो चार साल पहले बनाया था और तब भी शिकायत पर माफी मांग ली थी।

अब क्यूआर कोड के साथ मिलेंगी कोल्हापुरी चप्पलें

कोल्हापुर, प्रेट्र : मशहूर कोल्हापुरी चप्पलें अब क्यूआर कोड के साथ मिलेंगी। क्यूआर कोड से इसके असली या नकली होने का पता चल सकेगा। क्यूआर कोड स्कैन पर ग्राहक जान सकेंगे कि चप्पल किस कारीगर ने बनाई है। इसे कहां बनाया गया है। जीआइ प्रमाणीकरण की वैधता जैसी जानकारी भी मिल सकेगी।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा संचालित चमड़ा उद्योग विकास निगम (लिडकाम) के अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य जालसाजी पर रोक लगाना, कारीगर की पहचान उजागर करना, उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाना और पारंपरिक कारीगरों का कल्याण तय करना है। यह फैसला ऐसे समय में किया गया है जब हाल ही में प्रख्यात इतालवी ब्रांड प्राडा द्वारा फैशन शो में कोल्हापुरी चप्पलों से मिलती-जुलती चप्पलों को पेश किए जाने का मामला सामने आया था। प्राडा पर जीआइ टैग नियमों के उल्लंघन का आरोप है। कोल्हापुरी चप्पलें मुख्य रूप से महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली और सोलापुर जिलों में बनाई जाती हैं। इन्हें प्राकृतिक चमड़े से बनाया जाता है।

कांवड़ लेकर लौटे युवक के कंधे की मांसपेशी फटी, इलाज के दौरान मौत

जागरण संवाददाता, सोनीपत : हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौटे 20 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसने 51 लीटर गंगाजल लाकर कांवड़ यात्रा पूरी की, लेकिन भारी वजन उठाने के कारण उसकी कंधे की मांसपेशियां फट गईं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। अनुमान है कि समय पर सही इलाज नहीं मिलने के कारण लिवर और किडनी फेल हो गए।

सोनीपत जिले के गांव पुरखास राठी निवासी मृतक जतिन के चाचा राजेश राठी ने बताया कि कांवड़ लाते समय उसे कंधे में तेज दर्द महसूस हुआ, लेकिन उसने इसे नजरअंदाज किया। पेन किलर लेकर दर्द कम करने की कोशिश करता रहा। राजेश ने कहा कि घर लौटते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। जांच में पता चला कि उसकी कंधे की मांसपेशी फटी हुई है। इससे उसके बाजू में पानी भर गया था, जिससे इन्फेक्शन हो गया। शुक्रवार की रात उसने दम तोड़ दिया।

जालंधर के अस्पताल में आक्सीजन सप्लाई बंद होने से तीन की मौत

जागरण संवाददाता, जालंधर

- ट्रामा सेंटर के आइसीयू में वेंटिलेटर पर थे पांच मरीज, दो बचाए गए
- प्लांट में तकनीकी गड़बड़ी के कारण आइसीयू में रुकी आक्सीजन सप्लाई

सिविल अस्पताल के आइसीयू में भर्ती तीन मरीजों की आक्सीजन सप्लाई बंद होने के कारण हालत बिगड़ने से मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार आक्सीजन प्लांट में आई तकनीकी खराबी आने के कारण यह घटना हुई। मरने वालों की पहचान 15 वर्षीय अर्चना, 30 वर्षीय राजू और अवतार के रूप में हुई है, सभी जालंधर के ही रहने वाले थे। अर्चना 17 जुलाई से सांप के काटने पर ट्रामा सेंटर में भर्ती थी। इसी तरह टीबी के मरीज राजू 24 जुलाई से और अवतार ड्रग ओवरडोज के कारण आइसीयू में भर्ती किया गया था। इस घटना के समय ट्रामा सेंटर के आइसीयू में कुल पांच मरीजों का उपचार चल रहा था। इनमें से दो मरीजों को बचा लिया गया। उधर, इस घटना की जांच के लिए अस्पताल प्रबंधन ने नौ सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है।

रविवार देर शाम अस्पताल के आक्सीजन प्लांट में तकनीकी खराबी आने से ट्रामा सेंटर में भर्ती सभी मरीजों की आक्सीजन सप्लाई बंद हो गई जिससे उनकी सांसें उखड़नी शुरू हो गईं। यह देख वहां मौजूद डाक्टरों व स्टाफ में हड़कंप मच गया। स्टाफ की ओर से तुरंत मरीजों को आक्सीजन कंसंट्रेटर के माध्यम से आक्सीजन देने की कोशिश की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और तीन मरीज दम तोड़ चुके थे। खराबी का पता चलते ही अस्पताल प्रबंधन ने दूसरा आक्सीजन प्लांट चलाकर आक्सीजन की आपूर्ति शुरू करवाई।

अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. राजकुमार ने बताया कि आक्सीजन प्लांट में खराबी आई थी 10 मिनट बाद ही दूसरा प्लांट शुरू कर दिया था।

फिरोजाबाद में सीट को लेकर विवाद, स्पेशल ट्रेन में यात्री को चाकू मारा

जासं, फिरोजाबाद: स्पेशल ट्रेन के सामान्य कोच में शनिवार रात सीट को लेकर दो यात्रियों में विवाद हो गया। इसके बाद एक यात्री ने दूसरे को चाकू मारकर घायल कर दिया। आरोपित को जेल भेज दिया।

राजेंद्र नगर टर्मिनल स्पेशल ट्रेन (02394) में शनिवार को काफी भीड़ थी। शनिवार रात गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से ट्रेन चली तो सामान्य कोच में सीट पर बैठने के लिए प्रयागराज के आदर्श सागर का मधुबनी (बिहार) के अनीश ठाकुर से विवाद हो गया। इसके बाद हाथापाई होने लगी। ट्रेन रात 10 बजे हाथरस रेलवे स्टेशन से निकली तभी अनीश ने चाकू से आदर्श पर हमला कर दिया। गले में चाकू लगने से वह घायल हो गया। कुछ यात्रियों ने अनीश को पकड़ लिया। टूंडला में अनीश को रेलवे सुरक्षा बल के सहायक उपनिरीक्षक सतीश कुमार के सिपुर्द कर दिया। पुलिस ने घायल आदर्श को उपचार के लिए रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित ने आरोपित के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

एक अक्षर की गलती से 22 दिन काटी जेल

जागरण संवाददाता, मैनपुरी

- गैंगस्टर की कार्रवाई में भेजा था राजवीर सिंह का नाम, 17 साल लड़ा केस
- केस रामवीर पर हुआ था दर्ज, न्यायालय में 300 सुनवाई के बाद बरी

मैनपुरी : रविवार को गांव में स्वजन के साथ बैठकर मामले की जानकारी देते सफेद शर्ट पहने बैठे राजवीर सिंह। सौजन्य: स्वजन

पुलिस की लिखा-पढ़ी में एक चूक निर्दोष किसान पर भारी पड़ गई। एक अक्षर की गलती से रामवीर सिंह की बजाय राजवीर सिंह को 22 दिन जेल में काटने पड़े। गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध राजवीर ने अपनी बेगुनाही को साबित करने के लिए 17 साल तक केस लड़ा। इस दौरान 300 बार सुनवाई में गए। आखिरकार राजवीर को गुरुवार को न्याय मिला। रविवार को उन्होंने पूरे मामले में हुई अदालती सुनवाई के बारे में जानकारी दी। अदालत ने गलत प्रकार से आरोप पत्र भेजने के दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

कोतवाली इंस्पेक्टर ओमप्रकाश ने 31 अगस्त, 2008 में राजवीर सिंह, मनोज यादव, प्रवेश यादव और भोला के खिलाफ गिरोहबंद अपराध की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दन्नाहार थाना के तत्कालीन उप निरीक्षक विवेचक शिवसागर दीक्षित ने एक दिसंबर 2008 को गैंगस्टर एक्ट सहित तीन अन्य मामले दर्शाकर राजवीर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। राजवीर सिंह ने बताया, ये गैंगस्टर का मुकदमा उनके भाई रामवीर के खिलाफ दर्ज हुआ था। जेल जाने के बाद राजवीर के स्वजन उन्हें निर्दोष साबित करने के लिए पुलिस के चक्कर काटते रहे। उस समय गैंगस्टर के मामलों की सुनवाई आगरा न्यायालय में हो रही थी तो स्वजन ने अधिवक्ता के माध्यम से वहां भी प्रार्थना पत्र दिया। राजवीर पर तीन अन्य मुकदमे का इतिहास दर्शाया गया। जबकि उनके खिलाफ कोई मामला ही दर्ज नहीं था। आगरा न्यायालय ने कोतवाली इंस्पेक्टर ओमप्रकाश और विवेचक शिवसागर दीक्षित को तलब किया तो इंस्पेक्टर ने स्वीकारा कि राजवीर का नाम मुकदमे में गलत दर्ज हो गया है और आपराधिक इतिहास उसके भाई रामवीर का है। इस पर न्यायालय ने राजवीर को जेल से 20 हजार रुपये के निजी मुचलके पर रिहाई के आदेश दिए। न्यायालय ने तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ओमप्रकाश, तत्कालीन थानाध्यक्ष दन्नाहार संजीव कुमार, उप निरीक्षक राधेश्याम सहित अन्य दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया था। इसके बाद पुलिस ने फिर लापरवाही की। विवेचक ने उसके भाई रामवीर का नाम जोड़ने के बजाय प्रवेश, भोला, मनोज सहित राजवीर के खिलाफ ही चार्जशीट कोर्ट में भेज दी।

****

737 बोइंग लास वेगास में शनिवार को सुरक्षित लैंडिंग से पहले एक अन्य विमान से टकराने के बेहद करीब था। पायलट ने विमान को महज 30 सेकेंड में सैकड़ों फीट नीचे उतारा। विमान अचानक इतना नीचे आने की इस अप्रत्याशित घटना से उसमें यात्री चिल्लाने लगे।

गाजा में 10 घंटे को रुके इजरायली हमले, गिराई गई खाद्य सामग्री

अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकी इजरायली सरकार, यूएई और जार्डन को सामग्री गिराने की जिम्मेदारी

जार्डन व यूएई ने 25 टन राहत सामग्री पैराशूट से गाजा के निर्धारित क्षेत्रों में गिराई

यरुशलम, रायटर : इजरायल ने कहा है कि गाजा के कुछ इलाकों में प्रतिदिन 10 घंटे उसकी सेना की कार्रवाई स्थगित रहेगी। इस दौरान जार्डन और यूएयू (संयुक्त अरब अमीरात) के विमान उन इलाकों में खाद्यान्न और अन्य राहत सामग्री गिराएंगे। इजरायल ने यह निर्णय गाजा में भुखमरी की स्थिति पैदा होने और उस पर विश्व समुदाय के गंभीर चिंता जताने व कड़ी आलोचना होने पर किया है।

इजरायल सरकार के अनुसार गाजा के अल-मवासी, दीर अल-बलाह और गाजा सिटी इलाकों में दिन में 10 बजे से रात आठ बजे तक उसकी सेना की कार्रवाई रुकी रहेंगी। रविवार से इजरायल ने इस योजना को लागू कर दिया। इसके तहत जार्डन और यूएई ने 25 टन राहत सामग्री पैराशूट के जरिये गाजा के निर्धारित क्षेत्रों में गिराई। जमीन पर राहत सामग्री लेने के लिए मची आपाधापी के बीच राहत सामग्री के बाक्स से टकराकर 10 लोग घायल भी हुए हैं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि राहत वितरण केंद्रों से सामग्री का वितरण पूर्ववत जारी रहेगा। विमानों से सामग्री का गिराया जाना उसका विकल्प नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की राहत एजेंसी के प्रमुख टाम फ्लैचर ने कहा है कि जमीन पर उनकी टीमें भूख से पीड़ित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने की हर संभव कोशिश कर रही हैं। खाद्य सामग्री वितरित करने का यह विकल्प भूख से एक सौ से ज्यादा लोगों के मरने के बाद चुना गया है।

इजरायल सरकार को समर्थन दे रहे धुर दक्षिणपंथी दल के नेता और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन-गिविर ने गाजा में हमले रोककर विमान से राहत सामग्री गिराए जाने के निर्णय से असहमति जताई है। कहा, उनकी जानकारी के बगैर सरकार ने यह निर्णय लिया है, यह ठीक नहीं है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

गाजा पट्टी में रविवार को सैन्य परिवहन विमान सी-130 (इनसेट) से गिराई जाती खाद्य सामग्री को पाने के लिए लगी फलस्तीनियों की भीड़। एएफपी

उत्तरी गाजा पट्टी के गाजा शहर में रविवार को दाल के सूप के वितरण केंद्र पर लगी फलिस्तीनियों की भीड़। एएफपी

खाद्यान्न लेने खड़े लोगों पर फिर फायरिंग, 17 मरे

खाद्य सामग्री लेकर आ रहे ट्रकों का इंतजार कर रहे लोगों पर रविवार को भी इजरायली सैनिकों ने फायरिंग की। गाजा के मध्य में हुई फायरिंग में 17 लोग मारे गए और 50 घायल हुए हैं। इजरायली सेना ने इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त की है। विदित हो कि मई से अभी तक इस तरह की घटनाओं में इजरायली सैनिकों की फायरिंग में एक हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। रविवार को छह और लोगों के भूख से मरने की सूचना है। इन्हें मिलाकर गाजा में भूख और कुपोषण से मरे लोगों की कुल संख्या 133 हो गई है, इनमें से 87 बच्चे हैं।

आस्ट्रेलिया में भारतवंशी पर किशोरों ने चाकू से बोला बेरहमी से हमला

- लगभग कटे हाथ को आपरेशन के बाद जोड़ा गया
- सिर और रीढ़ की हड्डी में भी चोट, चार किशोर हिरासत में

मेलबर्न, प्रेट्र : आस्ट्रेलिया में भारतीयों पर हमले नहीं रुक रहे। किशोरों के एक समूह ने 33 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति पर चाकू से बेरहमी से हमला बोल दिया। इसमें उसका हाथ लगभग कट गया, जिसे बाद में जोड़ा गया। यह हमला उसी दिन हुआ जिस दिन आस्ट्रेलिया के एडिलेड में एक भारतीय छात्र कथित नस्ली हमले का शिकार हुआ था।

सौरभ आनंद 19 जुलाई को मेलबर्न के अल्टोना मीडोज स्थित सेंट्रल स्क्वायर शापिंग सेंटर की एक फार्मेसी से दवाइयां लेने के बाद घर लौट रहे थे। उसी समय पीछे से पांच किशोरों ने उनपर हमला बोल दिया। उन्हें जमीन पर गिरा दिया। एक किशोर ने उनकी जेबों में हाथ डाला और कीमती सामान ढूंढ़ने लगा। दूसरे ने सिर पर तब तक घूंसे मारे जब तक वह जमीन पर गिर नहीं गए। तीसरे किशोर ने चाकू निकाला और गले पर रख दिया। उन्होंने जब खुद को बचाने की कोशिश की तो किशोर ने हमला बोल दिया, जिससे चाकू कलाई के आर-पार हो गया। वह चाकू से ताबड़तोड़ हमला बोलता जा रहा था। हमले में चाकू हाथ के आर-पार हो गया साथ ही हड्डी भी क्षतिग्रस्त हो गया। कंधे और पीठ पर भी चाकू से वार किए गए। आनंद ने कहा कि वह बस बचने की कोशिश कर रहे थे। हाथ लगभग कटकर लटक रहा था। उन्होंने आसपास गुजर रहे लोगों से मदद की गुहार लगाई तो उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। किशोर उनका फोन लेकर भाग गए। आनंद ने कहा कि डाक्टरों ने शुरू में सोचा था कि उन्हें उसका बायां हाथ काटना पड़ेगा, लेकिन सर्जरी के बाद उसे जोड़ने में कामयाबी मिली। उनके सिर में भी चोटें आईं और रीढ़ की हड्डी फ्रैक्चर हो गया। आनंद पर हमले के सिलसिले में चार किशोरों को हिरासत में लिया गया है। एक 14 वर्षीय किशोर को बाल न्यायालय में पेश किया गया और 15 अगस्त तक हिरासत में भेज दिया गया। दो 15 वर्षीय किशोरों को जमानत मिल गई है और वे 11 अगस्त को बाल न्यायालय में पेश होंगे। हाबसंस बे क्षेत्र से एक 14 वर्षीय लड़के को भी गिरफ्तार किया गया है और समन जारी कर आरोप लगाए जाने की संभावना है।

आस्ट्रेलिया में हमले के बाद अस्पताल में भर्ती सौरभ आनंद। इंटरनेट मीडिया

बलूचिस्तान में जून में 84 लापता, जबरन गायब करने में आइएसआइ का हाथ

क्वेटा, आइएएनएस : बलूचिस्तान में लोगों को जबरन लापता करने के मामले जारी हैं। बलूचिस्तान पोस्ट ने दावा किया कि बलूच और आसपास से लापता हुए कई मामलों में सैन्य खुफिया एजेंसी और आइएसआइ का हाथ सामने आ रहा है। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग पांक ने बताया कि बलूचिस्तान में जून में जबरन गायब किए गए 84 मामले व न्यायेतर हत्याओं के 33 मामले सामने आए।

एनआइ ने जानकारी दी है कि तुर्बत और नोश्की में बलूच किशोर व विश्वविद्यालय छात्र के अपहरण में सैन्य खुफिया एजेंसी आइएसआइ शामिल हैं। कराची विश्वविद्यालय में चौथे सेमेस्टर के दर्शनशास्त्र के छात्र मुस्लिम दाद बलूच का सोमवार शाम विश्वविद्यालय के गेट के पास अपहरण कर लिया गया। वह बलूचिस्तान के अवारन का रहने वाला था। द बलूच पोस्ट ने कहा कि 23 जुलाई को 16 वर्षीय कंबर बलूच का तुर्बत के जुसाक में सैन्य खुफिया एजेंसी और आइएसआइ के लोगों द्वारा अपहरण कर लिया गया था। एक अन्य युवक इमरान खान का 27 जून को अपहरण कर लिया गया था। फ्रंटियर कोर और सैन्य खुफिया विभाग के सदस्यों ने उसे अगवा कर लिया। वहीं, बलूच नेताओं की रिहाई की मांग पर रविवार को 12वें दिन भी धरना जारी रहा। बलूच यकजेहती समिति ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी अधिकारी बलूच लोगों को डराने-धमकाने का प्रयास कर रहे हैं।

थाइलैंड और कंबोडिया के शीर्ष नेता आज मलेशिया में करेंगे वार्ता

थाइलैंड से संघर्ष के बीच कंबोडिया के ओद्दार मींची प्रांत में लगे विस्थापितों के शिविरों (ऊपर दाएं) में रविवार को भोजन प्राप्त करने के लिए जुटे लोग (बाएं) और इसी प्रांत के गांव का गोलाबारी में क्षतिग्रस्त घर। एएफपी

- संघर्षविराम पर मलेशियाई पीएम की मध्यस्थता में होगी वार्ता
- ट्रंप ने लड़ाई खत्म न होने पर व्यापार रोकने की दी धमकी

कुआलालंपुर, रायटर : थाइलैंड और कंबोडिया के नेता सोमवार को मलेशिया में मुलाकात करेंगे और वहां पर संघर्षविराम पर वार्ता होगी। यह जानकारी मलेशिया के विदेश मंत्री मुहम्मद हसन ने दी है। जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि दोनों देशों के नेता वार्ता के लिए तैयार हो गए हैं और अब वे शांति समझौता करेंगे।

कंबोडिया के पीएम हुन मानेट और थाईलैंड के कार्यवाहक पीएम फुमथाम वेचायाचाई। प्रेट्र/फाइल

ट्रंप ने शनिवार को दोनों नेताओं से टेलीफोन पर वार्ता करके उनसे लड़ाई खत्म करने के लिए कहा था। लड़ाई जारी रहने पर उन्होंने अमेरिकी व्यापार बंद करने की धमकी दी थी।

विदेश मंत्री हसन ने कहा, दोनों ही देशों ने शांति वार्ता का हमारा अनुरोध माना है और हमारी मध्यस्थता स्वीकार की है। मलेशिया को उम्मीद है कि जल्द ही क्षेत्र में शांति स्थापित हो जाएगी। विदित हो कि मलेशिया के पास इस समय दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान की अध्यक्षता का दायित्व है। वहां के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम ने गुरुवार को थाइलैंड और कंबोडिया में लड़ाई छिड़ने के बाद शांति की अपील की थी और मध्यस्थता की पेशकश की थी।

थाइलैंड के प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता जिरायु हुआंगसैप ने बताया कि थाइलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाइ मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम के निमंत्रण पर कुआलालंपुर जाएंगे और वहां पर क्षेत्र में शांति स्थापित करने के उपायों पर वार्ता करेंगे। जिरायु ने बताया है कि कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत भी मलेशियाई प्रधानमंत्री की मध्यस्थता में होने वाली इस वार्ता में भाग लेंगे।

चौथे दिन भी लड़ाई जारी, दो लाख लोग हुए विस्थापित

सीमा पर स्थित शिव मंदिर के अधिकार को लेकर थाइलैंड और कंबोडिया के बीच लड़ाई रविवार को चौथे दिन भी जारी रही। दोनों ओर फायरिंग, राकेट प्रहार और गोलाबारी जारी रही। इस लड़ाई में अभी तक 33 लोग मारे गए हैं और दो लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं।

अमेरिका में डेनवर हवाई अड्डे पर विमान के लैंडिंग गियर में लगी आग, उड़ान रद

- आपातकालीन स्थिति के कारण 90 उड़ानों में हुई देरी
- विमान पर 173 यात्री और छह क्रू सदस्य मौजूद थे

डेनवर, आइएएनएस : अमेरिका के डेनवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक गंभीर हादसा टल गया। मियामी जा रहे अमेरिकन एयरलाइंस के एक विमान को लैंडिंग गियर में खराबी के कारण टेकआफ रद करना पड़ा। विमान में 173 यात्री और छह क्रू सदस्य मौजूद थे। सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। एक व्यक्ति को मामूली चोट आई। आपातकालीन स्थिति के कारण 90 उड़ानों में देरी हुई। डेनवर हवाई अड्डे पर बोइंग 737-800 श्रृंखला के विमान में आग लगने की यह दूसरी घटना है, जो पांच महीनों में हुई है। मार्च में डलास जाने वाली अमेरिकन एयरलाइंस की एक और उड़ान में टरमैक पर आग लग गई थी, जिससे रखरखाव और सुरक्षा मानकों को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं।

उड़ान संख्या एए-3023 बोइंग 737 मैक्स-8 द्वारा संचालित की जा रही थी। विमान शनिवार को स्थानीय समय दोपहर 2:45 बजे पर प्रस्थान की तैयारी कर रहा था, तभी यह घटना सामने आई। इससे संबंधित एक फुटेज भी प्रसारित हो रहा है, जिसमें अफरा-तफरी साफ नजर आ रही है। यात्री आपातकालीन ढलान से नीचे फिसलते दिखाई दे रहे हैं। विमान का निचला हिस्सा आग की लपटों और घने धुएं से घिरा नजर आ रहा है। हवाई अड्डा प्रशासन के अनुसार, आग उस समय लगी जब विमान रनवे पर ही था। पांच यात्रियों की मौके पर ही स्वास्थ्य जांच की गई और एक को आगे की चिकित्सा के लिए ले जाया गया। अमेरिकन एयरलाइंस ने समस्या का कारण लैंडिंग गियर के टायर से जुड़ी रखरखाव संबंधी समस्या को बताया। आधिकारिक बयान में कहा, सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित रूप से विमान से उतर गए और विमान को निरीक्षण के लिए सेवा से हटा दिया गया।

डेनवर हवाई अड्डे पर अमेरिकन एयरलाइंस के विमान में लगी आग और आपातकालीन निकास से निकलकर भागते यात्री। वीडियोग्रैब

टैरिफ लगाने की एक अगस्त की समयसीमा में बदलाव नहीं : अमेरिका

- वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने कहा, ईयू को अमेरिकी निर्यात के लिए अपने बाजार खोलने की जरूरत

नई दिल्ली, आइएएनएस : अमेरिकी प्रशासन ने रविवार को कहा कि पारस्परिक टैरिफ लगाने की एक अगस्त की समयसीमा अपरिवर्तित रहेगी और इस बार कोई विस्तार नहीं होगा। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने इस बाबत विस्तार की किसी भी संभावना से इन्कार किया। उन्होंने कहा, "कोई विस्तार नहीं, कोई और रियायती अवधि नहीं। एक अगस्त से टैरिफ तय हो गए हैं। ये लागू हो जाएंगे। सीमा शुल्क विभाग पैसा वसूलना शुरू कर देगा, और हम आगे बढ़ेंगे।"

उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) को अमेरिकी निर्यात के लिए बाजार खोलने की जरूरत है ताकि डोनाल्ड ट्रंप को एक अगस्त से लागू होने वाले 30 प्रतिशत टैरिफ दर को कम करने के लिए राजी किया जा सके। लुटनिक ने कहा, सवाल यह है कि क्या वे राष्ट्रपति ट्रंप को इतना अच्छा सौदा देते हैं कि वे अपने द्वारा तय किए गए 30 प्रतिशत टैरिफ से पीछे हट जाएं।" उन्होंने आगे कहा, वे उम्मीद कर रहे हैं कि वे कोई समझौता कर लेंगे और यह राष्ट्रपति ट्रंप पर निर्भर है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन यूरोप के लिए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए ट्रंप से मिलने वाली थीं, जिसके तहत यूरोपीय संघ के अधिकांश उत्पादों पर 15 प्रतिशत का शुल्क लगाया जा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर और वाणिज्य मंत्री लुटनिक इस सप्ताहांत यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक से मिलने स्काटलैंड गए।

यूरोप के लिए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए ट्रंप से मिलने वाली थीं उर्सुला वान डेर लेयेन

पूर्वी कांगो के चर्च पर आइएस के आतंकियों ने हमला कर 38 की हत्या की

गोमो, रायटर : इस्लामिक स्टेट समर्थित आतंकियों ने रविवार को पूर्वी कांगो के एक चर्च पर हमला कर 38 लोगों की हत्या कर दी। कोमांडा में हुए इस हमले को एडीएफ आतंकियों ने बंदूकों और छुरों से अंजाम दिया। शहर प्रशासन के एक अधिकारी जीन काटो ने बताया कि रविवार सुबह जब आतंकियों ने चर्च पर धावा बोला, तब श्रद्धालु रात्रि प्रार्थना सभा में हिस्सा ले रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि 38 लोग मारे गए, 15 घायल हुए और कई अन्य अभी लापता हैं। कई घर और दुकानें भी जला दी गईं।

कोमांडा में मौजूद मानवाधिकार कार्यकर्ता क्रिस्टोफ मुन्यांडेरू ने कहा कि रात भर गोलियों की आवाजें सुनी गईं, लेकिन लोगों को पहले लगा कि ये चोर हैं। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने उन ईसाइयों पर हमला किया जो कैथोलिक चर्च में रात बिता रहे थे। दुर्भाग्य से इन लोगों की हत्या कर दी गई। डीआर कांगो में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन ने इस तरह की घटना की निंदा की है।

नौसेना दिवस पर यूक्रेनी ड्रोन ने सेंट पीटर्सबर्ग को बनाया निशाना

- हमलों के कारण नौसेना दिवस समरोह पर पुतिन ने लिया भाग, युद्धपोत परेड किया रद
- हवाई अड्डे को पांच घंटे के लिए बंद करना पड़ा

मास्को, रायटर : रूस ने रविवार को सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए नौसेना के सम्मान में आयोजित होने वाले समारोहों के आकार में कटौती की और सेंट पीटर्सबर्ग में युद्धपोतों की परेड रद कर दी, जो आमतौर पर वार्षिक नौसेना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित की जाती हैं। उनकी आशंका सही साबित हुई। यूक्रेनी ड्रोनों ने रविवार को सेंट पीटर्सबर्ग को निशाना बनाया, जिसके कारण हवाई अड्डे को पांच घंटे के लिए बंद करना पड़ा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नौसेना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए शहर में ही मौजूद थे।

पुतिन ने कहा कि नौसैनिक परेड की बजाय युद्धाभ्यास करना अधिक विवेकपूर्ण है। उन्होंने नौसेना की सराहना करते हुए देश के हितों, संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा में इसकी बड़ी भूमिका को रेखांकित किया। वह रविवार को गश्ती स्पीड बोट से सेंट पीटसबर्ग के नौसेना मुख्यालय पहुंचे, जहां से प्रशांत और आर्कटिक महासागरों तथा बाल्टिक और कैस्पियन सागरों में 150 से ज्यादा जहाजों और 15,000 सैन्य कर्मियों के साथ अभ्यास का अवलोकन किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा इकाइयों ने रविवार को 291 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

सेंट पीटर्सबर्ग के आसपास के लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्डेंको ने कहा कि क्षेत्र में दस से ज्यादा ड्रोन मार गिराए गए और गिरते मलबे से एक महिला घायल हो गई। हमले के दौरान सेंट पीटर्सबर्ग का पुलकोवो हवाई अड्डा बंद कर दिया गया था, जिससे 57 उड़ानें विलंबित हुईं और 22 को अन्य हवाई अड्डों पर डायवर्ट कर दिया गया। पुलकोवो में रविवार को बाद में परिचालन फिर से शुरू हुआ। वहीं, दक्षिणी वोल्गोग्राद क्षेत्र में नष्ट हुए यूक्रेनी ड्रोन का मलबा गिरने से एक हिस्से में रेलवे की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिसके के कारण परिचालन पर असर पड़ा। गवर्नर आंद्रेई बोचारोव ने कहा है कि कोई हताहत नहीं हुआ। हमले के कारण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में ट्रेन देरी से चलीं। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इस घटनाक्रम ने न केवल सैन्य रणनीतियों को प्रभावित किया है, बल्कि नागरिक जीवन पर भी इसका गहरा असर पड़ा है।

रूस की सुरक्षा स्थिति और यूक्रेन के साथ चल रहे संघर्ष के बीच यह घटनाएं दर्शाती हैं कि क्षेत्र में तनाव कम होने के कोई संकेत नहीं हैं। यह संघर्ष न केवल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी एक चुनौती बनी हुई है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रविवार को नौसेना दिवस पर सेंट पीटर्सबर्ग के बाहर क्रोनस्टाट में सेंट निकोलस के नौसेना कैथेड्रल का दौरा कर मोमबत्ती जलाते हुए। एएफपी

यूक्रेन के दो गांवों पर कब्जे का दावा

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सेना ने पूर्वी यूक्रेन के दो और गांवों पर कब्जा कर लिया है। इनमें से एक निप्रापेट्रोस क्षेत्र का है, जहां मास्को का कहना है कि उसके सैनिकों ने आगे बढ़ना शुरू कर दिया है। यूक्रेनी सेना ने इस बात को स्वीकार नहीं किया कि गांवों का नियंत्रण बदला है। हालांकि यह जानकारी जरूर दी है कि यहां लड़ाई तेज हो गई है।

बांग्लादेश में अज्ञात समूह अवामी लीग मुख्यालय पर कब्जे की कर रहा कोशिश

ढाका, एएनआइ : फासीवाद और नरसंहार पर अंतरराष्ट्रीय संस्थान के बैनर तले एक अज्ञात समूह ढाका के मध्य में स्थित बांग्लादेश अवामी लीग के मुख्यालय पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। इमारत के हर कमरे की सफाई की जा रही है, लेकिन कोई नहीं बता सकता कि यह किसके आदेश पर हो रहा है। लोगों का कहना है कि पांच अगस्त को छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह में शेख हसीना के पतन की वर्षगांठ से पहले सफाई का काम पूरा हो जाएगा।

सफाई कार्य की निगरानी के प्रभारी शेखावत हुसैन ने कहा, यह फासीवादी शेख हसीना के जमाने का प्रतिष्ठान है। हम नहीं चाहते कि यहां और फासीवादी पैदा हों। इसलिए हम इसे अपने नियंत्रण में ले रहे हैं। इस काम के लिए किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। ढाका में 23, बंगबंधु एवेन्यू स्थित अवामी लीग मुख्यालय पर फासीवाद व नरसंहार पर अंतरराष्ट्रीय संस्थान लिखा एक बैनर लटका हुआ है।

मिशिगन में वालमार्ट स्टोर में चाकूबाजी में 11 लोग घायल

- छह की हालत बताई जा रही है नाजुक, हिरासत में लिया गया संदिग्ध

न्यूयार्क, एपी : अमेरिकी मिशिगन में ट्रैवर्स सिटी स्थित वालमार्ट स्टोर में चाकूबाजी की घटना में 11 लोग घायल हो गए। ग्रैंड ट्रैवर्स काउंटी के शेरिफ माइकल शी ने बताया कि शनिवार को स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 4:45 बजे 42 वर्षीय व्यक्ति स्टोर में घुसा और लोगों पर चाकू से हमला करने के लिए फोल्डिंग नाइफ जैसे हथियार का इस्तेमाल किया। संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है।

तीन लोगों की शनिवार शाम को सर्जरी की गई। मुनसन हेल्थकेयर ने कहा कि पांच पीड़ितों की हालत गंभीर है और छह की हालत नाजुक है। जांच जारी रहने तक लोगों को उस इलाके से दूर रहने की सलाह दी गई है। इससे पहले पुलिस ने कहा था कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। संदिग्ध मिशिगन का निवासी माना जा रहा है, लेकिन उन्होंने आगे कोई जानकारी देने से इन्कार कर दिया। गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने कहा कि हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और इस क्रूर हिंसा से त्रस्त समुदाय के साथ हैं। वालमार्ट ने कहा कि वह जांच में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। इस तरह की हिंसा अस्वीकार्य है। हमारी संवेदनाएं घायलों के साथ हैं और बचावकर्मियों की त्वरित कार्रवाई के लिए आभारी हैं।

अमेरिकी मिशिगन में ट्रैवर्स सिटी स्थित एक वालमार्ट स्टोर में चाकूबाजी की घटना के बाद बाहर खड़े कर्मचारी। रायटर

ईरान ने नागरिक स्थलों पर कथित हमलों के लिए दो लोगों को दी फांसी

लंदन, एपी : ईरान ने निर्वासित विपक्षी समूह मुजाहिदीन-ए-खल्क के दो सदस्यों को सार्वजनिक और नागरिक ढांचे पर हमलों के लिए दोषी ठहराने के बाद फांसी दे दी। न्यायपालिका की समाचार वेबसाइट मिजान आनलाइन ने रिपोर्ट किया कि बेहरूज एहसानी इस्लामलू और मेहदी हसन को रविवार सुबह फांसी दी गई। उन्हें आवासीय क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी भवनों को लक्षित करने के लिए अस्थायी मोर्टार लांचर का उपयोग करने का दोषी पाया गया।

मानवाधिकार समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल ने जनवरी में इस्लामलू और हसन के लिए अपील जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि दोनों से वकीलों की उपस्थिति के बिना पूछताछ की गई और उन्हें यातनाएं दी गईं। ईरान के मुजाहिदीन संगठन ने फांसी की निंदा करते हुए कहा कि दोनों को क्रूर यातनाएं दी गईं। एमनेस्टी ने कहा कि संगठन की कथित सदस्यता के लिए ईरान में 14 अन्य को मौत की सजा सुनाई गई है।

****

राष्ट्रीय फलक

सिपाही को पत्नी संग देख पति चौकी के सामने फांसी पर लटका

- युवक ने गुमटी में लिखा मौत का कारण, एसपी ने सिपाही को किया निलंबित
- पत्र में लिखा चोरी गई भैंस बरामद करने के बहाने सिपाही ने बर्बाद किया परिवार

जागरण संवाददाता, हरदोई

भैंस चोरी की पुलिस में शिकायत करने वाला परिवार तबाह हो गया। शिकायतकर्ता की पत्नी से सिपाही ने भैंस खोजकर दिलाने के बहाने अवैध संबंध बनाए। रंगे हाथों दोनों को देख कर पति असहज हुआ और पुलिस चौकी के सामने गूलर के पेड़ में फांसी पर लटक गया। पुलिस मामले को घुमा न दे...इसकी खातिर उसने अपनी गुमटी (दुकान) में करतूत लिख दी थी।

टड़ियावां के एक ग्राम निवासी मंजीत (बदला हुआ नाम) खेती-किसानी करते थे। उनके पिता पुलिस चौकी के बाहर बैठकर फरियादियों के प्रार्थना पत्र लिखा करते थे। मंजीत भी कभी-कभी प्रार्थना पत्र लिख दिया करते थे। शनिवार रात मंजीत ने फंदा लगाकर जान दे दी। रविवार सुबह उनका शव चौकी से करीब 100 मीटर दूरी पर गूलर के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। चौंकाने वाली बात सामने आई कि मंजीत ने मरने से पहले गुमटी पर लिखा कि मेरी मौत का जिम्मेदार सिपाही शेष कुमार है।। एएसपी पूर्वी नृपेंद्र ने बताया कि पिता की तहरीर पर सिपाही के विरुद्ध एफआइआर दर्ज की गई है। सिपाही शेष कुमार प्रयागराज के थाना आईमा ग्राम उमरिया मादरगेंदा का रहने वाला है। वह अविवाहत है। हिरासत में लिए गए सिपाही ने मृतक की पत्नी से संबंध होना स्वीकार किया है। एसपी के आदेश पर सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

माओवादियों ने हथियार खरीदने को जमीन में छिपा रखे थे 35 लाख

जासं, चाईबासा (प. सिंहभूम) : सुरक्षाबल ने भाकपा माओवादी संगठन के आर्थिक स्रोत पर चोट करते हुए जमीन के अंदर छुपाकर रखे गए 35 लाख रुपये बरामद करने में सफलता पाई है। पुलिस और सुरक्षाबल ने संयुक्त आपरेशन के दौरान रविवार को पहाड़ी क्षेत्र से ये रुपये बरामद किए गए। एसपी राकेश रंजन ने दावा किया है कि बरामद रुपये माओवादियों द्वारा संबंधित क्षेत्र में लेवी के तौर पर वसूले गए थे, जिनका इस्तेमाल आइईडी बिछाने के साथ-साथ हथियार एवं विस्फोटक खरीदने में किया जाना था।

सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन ने संबंधित क्षेत्र में बड़ी मात्रा में रुपये छुपाकर रखा है। पांच घंटे के अभियान में एक पुराने बंकर में जमीन के अंदर से 34 लाख 99 हजार रुपये बरामद किए गए।

कप्तान शुभमन गिल के बाद जडेजा और वाशिंगटन ने शानदार शतक जड़कर मैच कराया ड्रा अब ओवल में होगा सीरीज का फैसला

सीरीज अभी जिंदा है...

अभिषेक त्रिपाठी
मैनचेस्टर से

जी हां, सीरीज अभी जिंदा है... चोटों से जूझ रही, मुश्किलों से घिरी, लगातार आलोचना का शिकार हो रही कम अनुभव वाली भारतीय टीम ने एक दिन पहले असंभव लगने वाले कार्य को सच करके दिखाया। जिसने 2001 में कोलकाता में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध फालोआन खाने के बाद विजय हासिल करने वाला ऐतिहासिक टेस्ट नहीं देखा है वह मैनचेस्टर में शुभमन गिल (103), रवींद्र जडेजा (107*) और वाशिंगटन सुंदर (101*) की वीरता और अजेयता से परिपूर्ण पारियों को आत्मसात करके खुशियों के समुद्र में आरामदायक डुबकी लगा सकता है।

शनिवार को पहली पारी में 311 रन पीछे होने और शून्य पर दो विकेट गंवाने के बाद जो कार्य असंभव लग रहा था, वह लगभग 30 घंटे बाद हकीकत में बदल गया। एक समय सब सोच रहे थे कि फ्रैक्चर पैर के साथ मैदान पर रिषभ पंत को बल्लेबाजी के लिए उतरना होगा लेकिन तीन शतकवीरों के अलावा केएल राहुल (90) ने ऐसी बल्लेबाजी की कि अब भारतीय टीम पांच टेस्ट मैचों वाली तेंदुलकर-एंडरसन ट्राफी को भी बराबरी पर छुड़ाने की उम्मीद कर सकती है। अब नजरें 31 जुलाई से लंदन के ओवल स्टेडियम में शुरू होने वाले आखिरी टेस्ट में रहेंगी। अगर भारत वह मैच जीत लेता है तो सीरीज 2-2 से बराबरी पर छूटेगी। इसके साथ ही भारतीय टीम ने मैनचेस्टर में 1990 के बाद कोई भी शतक नहीं लगा पाने के अपशकुन को एक नहीं, दो नहीं बल्कि तीन-तीन शतक के साथ खत्म किया।

प्रचंड प्रतिकार: भारत के पहली पारी के 358 रन के जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 रन बनाए थे। रविवार को भारत ने 174/2 से आगे खेलना शुरू किया और आखिरी दिन सिर्फ दो विकेट गंवाए। जब दिन के 15 ओवर बचे थे तो हालत यह हो गई कि इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स, जडेजा और वाशिंगटन के पास जा जाकर पूछ रहे थे कि अब मैच का रिजल्ट नहीं निकलेगा तो मैच खत्म करते हैं। तब भारत के दोनों खिलाड़ी शतक बनाने के करीब थे। जडेजा ने ड्रेसिंग रूम की तरफ देखा तो गिल ने कहा खेलो। जडेजा ने थम्सअप दिखाया। स्टोक्स ने अपने गेंदबाजों को थकावट से बचाने के लिए हैरी ब्रूक को गेंद थमाई। पहले जडेजा और बाद में सुंदर ने शतक जड़ा। सुंदर के शतक जड़ते ही भारत ने 425 रन पर दूसरी पारी घोषित कर दी। आंकड़ों में भले ही भारत ने यह मैच नहीं जीता हो लेकिन ये ड्रा किसी जीत से कम नहीं है। यही नहीं भारत ने मानसिक तौर पर भी इंग्लिश टीम पर विजय प्राप्त की है।

कमाल के गिल: जब गिल दूसरी पारी के पहले ओवर में हैटट्रिक गेंद का सामना करने के लिए मैदान पर उतरे थे तो उनकी टीम का चार दिनों के भीतर हारना तय लग रहा था लेकिन उन्होंने रविवार को एक साहसी और चुनौतीपूर्ण शतक पूरा किया। भारतीय कप्तान के रूप में पहली सीरीज खेलने उतरे गिल ने चार टेस्ट मैचों में चार शतक लगा चुके हैं। यह उनके करियर का नौवां टेस्ट शतक है। इस सीरीज से पहले उनका ओवरआल टेस्ट में 35.05 और सेना (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया) देशों में सिर्फ 25.70 का औसत था। इस सीरीज में 722 रन बनाने के कारण अब उनका कुल औसत 42.18 का हो गया है। उन्होंने इस सीरीज की आठ पारियों में अब तक 90.25 के औसत से रन बनाए हैं। हालांकि गिल को पांचवें दिन की शुरुआत में जीवनदान मिला। ओली पोप शार्ट कवर पर एक शानदार मौके को लपकने में नाकाम रहे। बेन स्टोक्स ने दर्द की सीमा को पार करते हुए जेम्स एंडरसन छोर से आठ ओवर का स्पैल फेंका। स्टोक्स चौथे दिन ऐंठन के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। उन्होंने केएल राहुल को बैक-पैड पर पगबाधा आउट किया। इसी के साथ राहुल और गिल के बीच तीसरे विकेट के लिए 188 रनों की साझेदारी का अंत हुआ। गिल ने शतक पूरा किया लेकिन लंच से कुछ देर पहले आर्चर की एक बैक आफ द लेंथ गेंद वह अपने शरीर से दूर खेल गए। विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने उनका कैच लपक लिया।

जडेजा और वाशिंगटन की जोड़ी : 222 रन पर ही चार विकेट गिरने के बाद ऐसा लगने लगा था कि भारत को मुश्किल होगी लेकिन जडेजा और सुंदर ने आखिरी दम तक विकेट नहीं गिरने दिया। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए 203 रनों की अविजित साझेदारी की। एक समय इंग्लिश टीम इतना परेशान हो गई थी कि गेंद रिवर्स स्विंग हो सके इसलिए उसे जानबूझकर पिच के आसपास पटक रहे थे। पैर से गेंद को दबाने की कोशिश कर रहे थे। अंपायर अहसान रजा और राड टकर ने जैक क्राउली को इसके लिए फटकार भी लगाई।

जडेजा का जवाब नहीं: जब गिल के आउट होने के बाद जडेजा मैदान में उतरे और एक गेंद उनके स्टंप के बेहद से करीब गई तो लेग स्लिप पर खड़े बेन डकेट कहने लगे ये (आलआउट) तो झटपट होने वाला है दोस्तों। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। पहली पारी में सिर्फ 20 रन बनाकर आउट होने वाले जडेजा यहां पर बिल्कुल परेशान नहीं दिखे। वह लार्ड्स टेस्ट तो नहीं बचा पाए थे लेकिन यहां पर उन्होंने फिर साबित किया कि उनके जैसा दूसरा कोई नहीं है। जडेजा और सुंदर ने चायकाल से पहले 100 रनों की नाबाद साझेदारी की और उसके बाद धुंआधार बल्लेबाजी करके इंग्लैंड को मैच से दूर कर दिया। सुंदर ने पहली पारी में शार्दुल ठाकुर से नीचे आठवें नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन यहां कोच गौतम गंभीर ने उन्हें पांचवें नंबर पर पदोन्नत किया। जडेजा ने पिछली छह पारियों में चार अर्धशतक और एक शतक लगाया है। यह उनके करियर का पांचवां टेस्ट शतक है। वह इंग्लैंड में 1,000 टेस्ट रन पूरे करने वाले सातवें भारतीय भी हो गए हैं। वाशिंगटन ने भी करियर का पहला शतक लगाकर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में बार्डर-गावस्कर ट्राफी में मिली जीत के दौरान किए गए अपने प्रदर्शन की याद दिला दी।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी: 358 (114.1 ओवर)

इंग्लैंड पहली पारी: 669 (157.1 ओवर)

भारत दूसरी पारी: 425/4 (143 ओवर), (174/2 रन से आगे)

	रन	गेंद	4/6
राहुल एलबीडब्ल्यू स्टोक्स	90	230	8/0
शुभमन का. स्मिथ बो. आर्चर	103	238	12/0
सुंदर अविजित	101	206	9/1
जडेजा अविजित	107	185	13/1

अतिरिक्त : 24 (बा :14, लेबा: 2, नोबा- 6, वो- 2)

विकेटपतन : 3-188 (राहुल, 70.2), 4-222 (शुभमन, 87.4)

गेंदबाजी : वोक्स 23-4-67-2, आर्चर 23-3-78-1, कार्स 17-3-44-0, डासन 47-11-95-0, रूट 19-2-68-0, स्टोक्स 11-2-33-1, ब्रूक 3-0-24-0

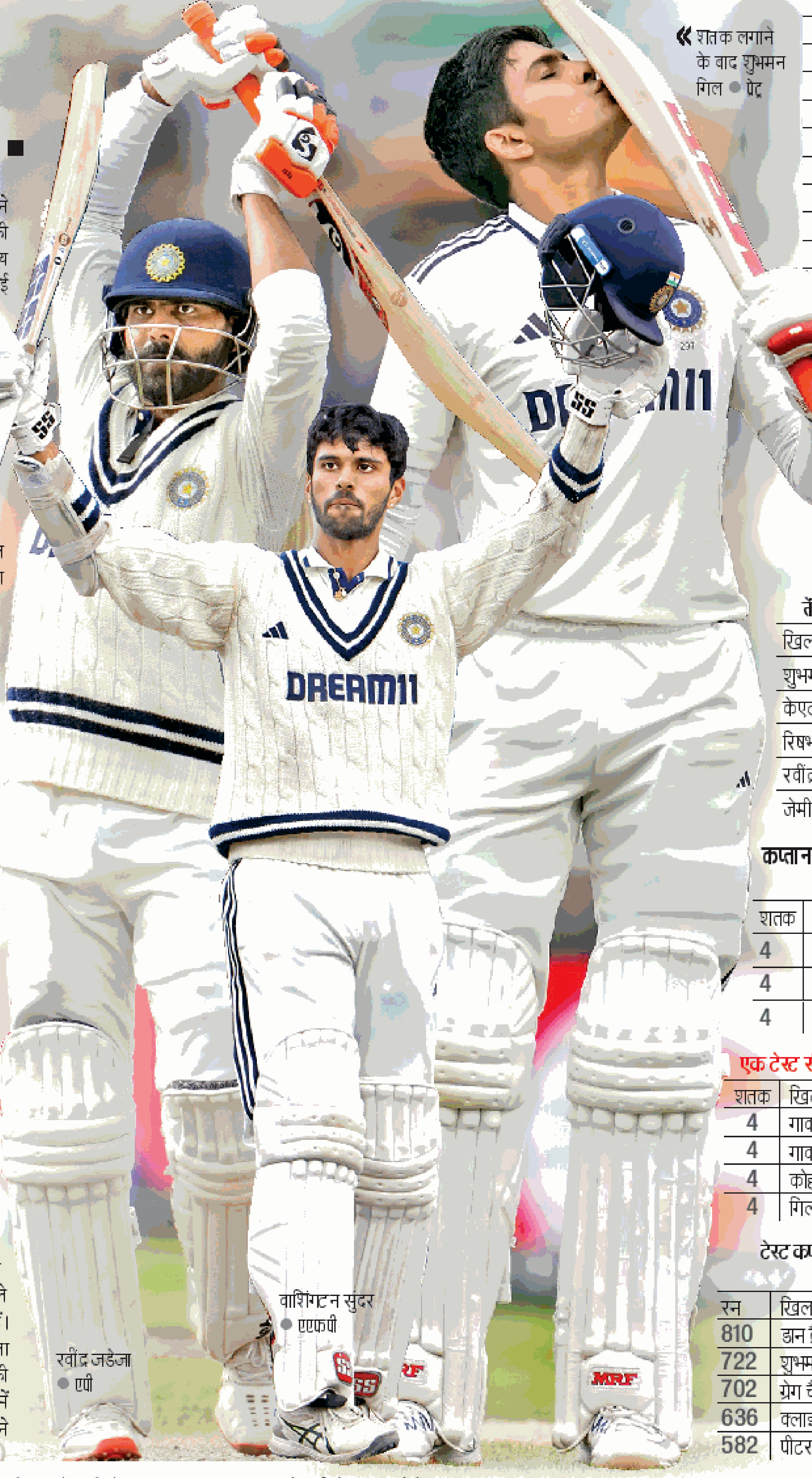

« शतक लगाने के बाद शुभमन गिल ● प्रेट्र

रवींद्र जडेजा ● एपी

वाशिंगटन सुंदर ● एएफपी

मैनचेस्टर में टेस्ट में शतक जड़ने वाले भारतीय

साल	खिलाड़ी	रन
1936	विजय मर्चेंट	114
1936	सैयद मुश्ताक अली	112
1959	अब्बास अली बेग	112
1959	पाली उमरीगर	118
1974	सुनील गावस्कर	101
1982	संदीप पाटिल	129*
1990	मोहम्मद अजहरुद्दीन	179
1990	सचिन तेंदुलकर	119*
2025	शुभमन गिल	103
2025	रवींद्र जडेजा*	107
2025	वाशिंगटन सुंदर	101*

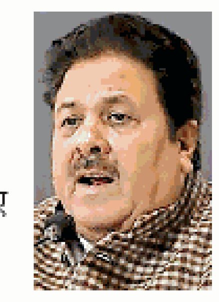

मैनचेस्टर टेस्ट में वाशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा ने कमाल किया। शुभमन गिल और केएल की भी जितनी तारीफ की जाए कम है।
– **राजीव शुक्ला**, उपाध्यक्ष, बीसीसीआइ

तेंदुलकर-एंडरसन ट्राफी में सबसे ज्यादा रन

खिलाड़ी	देश	रन	औसत
शुभमन गिल	भारत	722	90.25
केएल राहुल	भारत	511	63.87
रिषभ पंत	भारत	479	68.42
रवींद्र जडेजा	भारत	454	113.50
जेमी स्मिथ	इंग्लैंड	424	84.80

कप्तान के रूप में एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक शतक जड़ने वाले खिलाड़ी

शतक	खिलाड़ी	बनाम	साल
4	डान ब्रैडमैन	भारत	1947/48 (घरेलू)
4	गावस्कर	वेस्टइंडीज	1978/79 (घरेलू)
4	गिल	इंग्लैंड	2025 (विदेशी)

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक शतक जड़ने वाले भारतीय

शतक	खिलाड़ी	बनाम	साल
4	गावस्कर	वेस्टइंडीज	1971 (विदेश में)
4	गावस्कर	वेस्टइंडीज	1978/79 (घरेलू)
4	कोहली	आस्ट्रेलिया	2014/15 (विदेश में)
4	गिल	इंग्लैंड	2025 (विदेश में)

टेस्ट कप्तान के रूप में पहली सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

रन	खिलाड़ी	बनाम	साल
810	डान ब्रैडमैन	इंग्लैंड	1936/37 (घरेलू)
722	शुभमन गिल	इंग्लैंड	2025 (विदेश)
702	ग्रेग चैपल	वेस्टइंडीज	1975/76 (घरेलू)
636	क्लाइव लायड	भारत	1974/75 (विदेश)
582	पीटर मे	द. अफ्रीका	1955 (घरेलू)

1990 के बाद गिल मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बने। उसके बाद रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने भी शतक ठोका। 1990 में सचिन तेंदुलकर ने शतक लगाकर उस मैच को ड्रा कराया था

4 शतक शुभमन गिल इस सीरीज में लगा चुके हैं। वह एक सीरीज में चार शतक लगाने वाले कुल तीसरे कप्तान हैं। इससे पहले डान ब्रैडमैन ने 1947-48 में भारत के विरुद्ध और सुनील गावस्कर ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध ऐसा किया था

36 वें बल्लेबाज हैं गिल (722) जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में 700 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। भारत की तरफ से एक सीरीज में सबसे ज्यादा 774 रन सुनील गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध बनाए थे

मुझे लगता है कि जब आप एक आलराउंडर के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो आप अपने खेल का मूल्यांकन अंत में मिले नतीजे से करते हैं। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, पिच बल्लेबाजी के लिए थोड़ी आसान होती गई। वाशिंगटन और जडेजा ने अच्छा प्रदर्शन किया। डकेट और क्राउली की साझेदारी पहली पारी में बेहद अहम थी। ये सीरीज अब तक एकदम बराबरी की रही है।
-**बेन स्टोक्स**, कप्तान, इंग्लैंड टीम

7 अलग-अलग बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने इस टेस्ट में अर्धशतक लगाया। ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे पहले एक मैच में बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने टेस्ट में आठ अर्धशतक लगाए थे लेकिन उसमें जेसी रायडर और ब्रेंडन नैश ने दो-दो अर्धशतक लगाए थे

11 मेडन ओवर लियाम डासन इस मैच के चायकाल तक फेंके। इसमें 10 ओवर उन्होंने दूसरी पारी में फेंके। सीरीज में स्पिनर के तौर पर रवींद्र जडेजा ने कुल 13-13 ओवर मेडन फेंके हैं

हम बल्लेबाजी के प्रयास से बेहद खुश हैं। पिछले कुछ दिनों में हम पर जबरदस्त दबाव था। बात सिर्फ विकेट को समीकरण से बाहर रखने की थी। पांचवे दिन की पिच है, हर गेंद पर कुछ न कुछ हो रहा था। हमने बात की थी कि एक-एक गेंद खेलकर ज्यादा समय तक बल्लेबाजी करना चाहते थे और वही किया। हमें लगा जडेजा और सुंदर शतक के हकदार थे। हर मैच आखिरी दिन के आखिरी सेशन तक जा रहा है। इससे काफी कुछ सीखने को मिला। - **शुभमन गिल**, कप्तान भारतीय टीम

7 भारतीय बल्लेबाज 1000 से ज्यादा रन इंग्लैंड में बना चुके हैं। इस सप्ताह से पहले सचिन, द्रविड़, गावस्कर और कोहली ने ऐसा किया था। अब उसमें केएल राहुल, रिषभ पंत और रवींद्र जडेजा का नाम जुड़ गया है

1 टेस्ट मैच इस साल इससे पहले ड्रा हुआ है। पिछले महीने श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गाल में टेस्ट ड्रा हुआ था। स्टोक्स की कप्तानी में इससे पहले इंग्लैंड ने दो साल पहले एक टेस्ट ड्रा खेला था। मैनचेस्टर में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध वर्षा के कारण वह टेस्ट ड्रा हुआ था

228 गेंद पर गिल ने शतक पूरा किया। यह पहली बार है कि उन्होंने टेस्ट में शतक पूरा करने के लिए 200 या उससे ज्यादा गेंदें खेलीं। इससे पहले इसी सीरीज में बर्मिंघम में पहली पारी में 199 गेंदों पर लगाया गया सैकड़ा उनका सबसे धीमा शतक था

खेल डायरी

400 मीटर फ्रीस्टाइल में मैकिंटोश ने जीता स्वर्ण

तैराकी का खिताब जीतने के बाद समर मैकिंटोश ● एएफपी

सिंगापुर, रायटर : विश्व रिकार्ड धारी तैराक कनाडा की समर मैकिंटोश ने रविवार को विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर फ्रीस्टाइल का खिताब अपने नाम किया। यहां चीन की ली बिंगजी ने रजत और अमेरिकी दिग्गज केटी लेडेकी ने कांस्य पदक जीता। मैकिंटोश ने 3 :56.26 सेकेंड का समय निकाला। मैकिंटोश ली बिंगजी से लगभग दो सेकेंड आगे रही। तीन बार की ओलिंपिक चैंपियन मैकिंटोश के पास यहां एक ही विश्व चैंपियनशिप में पांच व्यक्तिगत खिताब जीतकर अमेरिका के पूर्व दिग्गज तैराक माइकल फेल्प्स के साथ बराबरी करने का मौका है। पुरुषों की 400 मीटर तैराकी की स्पर्धा के फाइनल में जर्मनी के लुकास मार्टेंस ने अंतिम लैप में सैम शार्ट को 0.02 सेकेंड पछाड़कर जीत दर्ज की।

तिलक वर्मा बने दक्षिण क्षेत्र के कप्तान

बेंगलुरु, प्रेट्र: भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को अगले महीने होने वाली घरेलू सत्र की शुरुआती टूर्नामेंट दलीप ट्राफी के लिए दक्षिण क्षेत्र का कप्तान बनाया गया है। तिलक ने भारत के लिए चार वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है। वह शानदार लय में है और इंग्लैंड की काउंटी टीम हैंपशर के लिए हाल ही में चार पारियों में 100, 56, 47 और 112 रन बनाए है। रणजी ट्राफी फाइनल तक शानदार प्रदर्शन करने वाले केरल के चार खिलाड़ियों ने 16 सदस्यीय टीम में जगह बनाई है। इसमें मोहम्मद अजहरुद्दीन टीम के उपकप्तान होंगे।

राडुकानू को हराकर फाइनल में कालिंस्काया

वाशिंगटन, एपी : गैर वरीयता प्राप्त अन्ना कालिंस्काया अपने करियर का पहला खिताब हासिल करने से बस एक कदम दूर हैं, जबकि कनाडा की लेयला फर्नांडीज इस सीजन का अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश में हैं। दोनों हार्ड कोर्ट डीसी ओपन के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। 2022 विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को सेमीफाइनल में 6-7 (2), 7-6 (3), 7-6 (3) से हराया। यह मुकाबला 3 घंटे 16 मिनट तक चला। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में अन्ना कालिंस्काया ने एक बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन एमा राडुकानू को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। चार साल पहले यूएस ओपन फाइनल में राडुकानू ने फर्नांडीज को हराकर खिताब जीता था।

क्या इंग्लैंड का खिलाड़ी 90 रन पर मैदान छोड़कर जाता : गंभीर

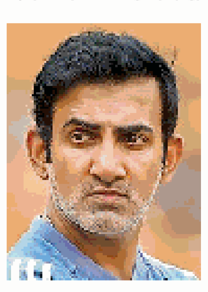

मैनचेस्टर, प्रेट्र : चौथे टेस्ट के पांचवें दिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के मैच को ड्रा करने के प्रयास पर रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की असहमति का भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल ने समर्थन किया है। मैच के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में कोच गंभीर ने कहा कि अगर इंग्लैंड का कोई खिलाड़ी 90 रन पर बल्लेबाजी कर रहा होता तो क्या वह मैदान छोड़कर चला जाता? क्या ये खिलाड़ी शतक के हकदार नहीं हैं? कान्फ्रेंस में कप्तान गिल ने भी कहा कि यह खिलाड़ियों पर निर्भर था और जडेजा और वाशिंगटन दोनों ही 90 के पार थे, इसलिए वे शतक बनाने के हकदार थे। इससे पहले मैदान पर जब जडेजा ने शतक से पहले ड्रा के लिए मना किया तो स्टोक्स ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि क्या आप हैरी ब्रूक के विरुद्ध शतक बनाना चाहते हैं? इस पर जडेजा ने बस इतना ही कहा कि मैं कुछ नहीं कर सकता। इस मामले में स्टोक्स ने मैच के बाद में कहा कि हमने खेल को जितना हो सके उतना आगे बढ़ाया। जैसे ही ड्रा निश्चित लगने लगा, मैं अपने गेंदबाजों को पांचवे टेस्ट से पहले यहां कम समय के लिए जोखिम में नहीं डालना चाहता था। विरोध जताने के लिए, स्टोक्स ने हैरी ब्रूक को आक्रमण पर लगाया और जडेजा ने उन पर छक्का जड़कर अपना तीसरा टेस्ट शतक पूरा किया।

शायद शार्दुल की जगह कुलदीप को टीम में लेना चाहते थे गिल : गावस्कर

मैनचेस्टर, प्रेट्र: महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। उनका कहना है कि यह फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए और मुख्य कोच सहित किसी और का इस पर प्रभाव नहीं होना चाहिए।

गावस्कर ने कहा कि हो सकता है कि शुभमन टीम में शार्दुल को नहीं चाहते थे और कुलदीप को चाहते थे। गावस्कर का मानना था कि कुलदीप को एकादश का हिस्सा होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उसे टीम में वह मिलना चाहिए था। वह कप्तान है। लोग उसके और उसकी कप्तानी के बारे में बात करेंगे। इसलिए यह फैसला असल में उसका ही होना चाहिए।

एशिया कप से पीछे नहीं हट सकता बीसीसीआइ

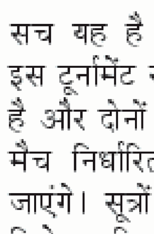

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में होने वाले मुकाबले को लेकर भले ही एक वर्ग आलोचना कर रहा है, लेकिन सच यह है कि बीसीसीआइ अब इस टूर्नामेंट से पीछे नहीं हट सकता है और दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियोंके बीच मैच निर्धारित समय पर ही खेले जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक में बीसीसीआइ ने ही इस फैसले को मंजूरी दी है। एसीसी ने शनिवार को एशिया कप 2025 का कार्यक्रम जारी किया था, जिसमें 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला खेला जाएगा। वहीं दोनों टीमों के बीच सुपर फोर में भी भिड़ंत हो सकती है।

बीसीसीआइ के सूत्रों ने बताया, अब हम टूर्नामेंट या इस मैच से पीछे नहीं हट सकता। एसीसी की बैठक में इस पर सहमति बनी थी। चूंकि भारत इस बार मेजबान देश है, इसलिए कार्यक्रम में अब कोई बदलाव संभव नहीं है। आधिकारिक स्तर पर चर्चा हो चुकी है और फैसला भी लिया जा चुका है। भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर अनिश्चितता तब और बढ़ गई थी जब बर्मिंघम में चल रहे वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स के दौरान युवराज सिंह की अगुआई वाली इंडिया चैंपियंस टीम ने पाकिस्तान चैंपियंस के विरुद्ध खेलने से इन्कार कर दिया था, जिसके बाद आयोजकों को यह मैच रद करना पड़ा था। यह फैसला पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बढ़े राजनीतिक तनाव के बाद लिया गया था। हालांकि, एशिया कप को लेकर बीसीसीआइ ने अब तक पाकिस्तान के बहिष्कार की कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है।

भारत-पाकिस्तान में खेल जारी रहना चाहिए : गांगुली

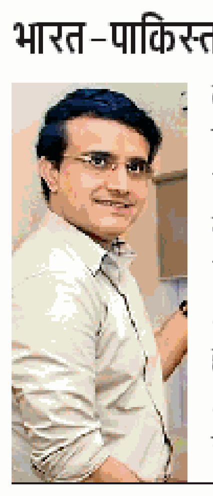

कोलकाता, एएनआइ : पूर्व भारतीय कप्तान और पूर्व बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली का कहना है कि भारत-पाकिस्तान के बीच खेल जारी रहना चाहिए, लेकिन आतंकवाद नहीं होना चाहिए। गांगुली ने एशिया कप में होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर अपनी राय रखते हुए कहा कि मुझे कोई आपत्ति नहीं है, खेल जारी रहना चाहिए। साथ ही, पहलगाम नहीं होना चाहिए, लेकिन खेल जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को रोकना होगा। भारत ने आतंकवाद के प्रति कड़ा रुख अपनाया है, पर खेल खेले जाने चाहिए।

कोनेरू हंपी और दिव्या के बीच दूसरी बाजी भी हुई ड्रा

महिला विश्व कप फाइनल

आज टाईब्रेकर में होगा विजेता का निर्णय, दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच शनिवार को पहली बाजी भी बराबरी पर छूटी थी

दूसरी बाजी से पहले हाथ मिलातीं दिव्या देशमुख और कोनेरू हंपी ● फिडे

बाटुमी (जार्जिया), प्रेट्र: अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली ग्रैंडमास्टर और हमवतन कोनेरू हंपी को फिडे महिला विश्व कप फाइनल की दूसरी बाजी में रविवार को कोई मौका दिए बिना ड्रा खेलने पर मजबूर किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच शनिवार को पहली बाजी भी ड्रा रही थी, इसलिए अब विजेता का निर्णय सोमवार को टाईब्रेकर में होगा, जहां कम अवधि की बाजियां खेली जाएंगी।

फाइनल के पहले गेम में शनिवार को अपनी शानदार शुरुआत का पूरा फायदा उठाने में विफल रही दिव्या ने दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलने के बावजूद बेहतर प्रदर्शन किया। वह इस दौरान अनुभवी हंपी की हर चाल का जवाब देने में सफल रही। हंपी ने अपने एक प्यादे को गंवाने के साथ दिव्या को उलझाकर मैच पर दबदबा बनाने की कोशिश की लेकिन इस दौरान वह अपने दोनों बिशप (ऊंट/वजीर) को गंवा बैठी। इससे युवा भारतीय खिलाड़ी को एक प्यादे के फायदे के साथ वापसी करने का मौका मिल गया। दोनो खिलाड़ियों ने 34 चालों को बाद मैच को बराबरी पर खत्म करने का फैसला किया। इस बीच, तीसरे स्थान के लिए चीन की झोंगयी टैन और लेई टिंगजी के बीच प्लेऑफ मुकाबला भी ड्रा की ओर बढ़ता दिख रहा है।

अब आगे क्या

- अब टाईब्रेक में 15-15 मिनट के दो गेम होंगे जिसमें हर चाल के बाद 10 सेकेंड का इजाफा होगा
- स्कोर इसके बाद फिर भी बराबरी पर रहा तो दोनों खिलाड़ी 10-10 मिनट प्रति गेम के हिसाब से एक और सेट खेलेंगी, जिसमें 10 सेकेंड का इजाफा होगा
- मैच का परिणाम अगर फिर भी नहीं निकला तो पांच-पांच मिनट के दो और गेम होंगे और इसमें हर चाल के बाद तीन सेकेंड की बढ़ोतरी होगी
- इसके बाद एक गेम का मुकाबला होगा जिसमें दोनों खिलाड़ियों को तीन मिनट मिलेंगे और दो सेकेंड का इजाफा होगा। यह तब तक चलेगा जब तक कोई खिलाड़ी विजेता ना बना जाए

अंकिता ने स्टीपलचेज में जीता रजत

20 किमी रेसवाक टीम ● साई

राइन रूहर (जर्मनी), प्रेट्र: स्टीपलचेज एथलीट अंकिता ने 9:31.99 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 3000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले चौकड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया जिससे भारतीय एथलीटों ने रविवार को विश्व विश्वविद्यालय खेलों के अंतिम दिन अभियान समाप्त किया।

मुनिता प्रजापति, मानसी नेगी और सेजल सिंह की तिकड़ी ने अंतिम दिन महिलाओं की 20 किमी टीम पैदलचाल में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में अपना अभियान दो स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। कई भारतीय एथलीट अंतिम दिन ट्रैक स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा में थे, लेकिन केवल दो पदक ही जीत सके। 23 वर्षीय अंकिता ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 9:39.00 सेकेंड से लगभग सात सेकेंड कम समय में रजत पदक जीता। जर्मनी की अदिया बुड्डे ने 9:33.34 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता। लालू प्रसाद भोई, अनिमेष कुजुर, मनिकांता होबलिधर और मृत्यम जयराम की पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ने 38.89 सेकेंड के समय से कांस्य जीता।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
साहित्य और संगीत का
सोमवार, 28 जुलाई, 2025

पावस गीत

कृष्ण भारतीय
गुरुग्राम, हरियाणा

वर्षा : एक शब्दचित्र

जोर से बादल दहाड़े
और सूरज डर गया।

आग जो बरसा रहा था
दंभ में था हो खड़ा,
जोर का चांटा लगा
बरसात का, तो रो पड़ा।
आंख बारिश ने दिखाई
भाग सूरज घर गया।

डर गए बरसात से,
सहमे मियां चीखे नहीं,
ऐसे घबराए कि हफ्तों
तक कहीं दीखे नहीं।

ताल सूखा गर्मियों में,
आज फिर से भर गया।

सुन, सड़क यों हंस पड़ी
आबाद फिर होने लगी;
और चिड़िया भीग कर
सुख में हंसी, रोने लगी;
जो शहर आया तरोतर
भीग कर वो घर गया।

kbhasin15@gmail.com

कहानी

तनुजा चौबे
इंदौर, मध्यप्रदेश

जर्जर दीवारों के मजबूत रिश्ते

इलस्ट्रेशन : अवधेश राजपूत

सायली पहली बार शादी के बाद पूरे एक महीने के लिए मायके आई थी। बरसों बाद वह बिना किसी जल्दी या मजबूरी के इस घर में रुकी थी। जैसे ही उसने दरवाजे के भीतर पांव रखा, बचपन की खोई हुई महक जैसे फिर से जिंदा हो गई। वही मिट्टी की खुशबू, आंगन की खामोशी और खिड़की से आती धूप में मां की हंसी झिलमिलाती हुई महसूस हुई।

घर में दो दिन से सफाई चल रही थी। मां आवाज लगा रही थीं- अभी ऊपर ना जाए कोई, अभी कमरे और छत की सफाई पूरी नहीं हुई है, लेकिन सायली चुपचाप सीढ़ियां चढ़ती हुई अपने पुराने कमरे में चली गई। वही छोटा-सा कमरा, जहां तीनों भाई-बहनों का बचपन से जवानी तक का समय बीता था, जहां बरामदे में बैठकर कहानियां सुनना, मां की डांट खाना, पापा को दिन भर की बातें सुनाना चलता था। दीवारों पर हाथ से बनाए फूल अब भी मौजूद थे। कमरे में घुसते ही एक लंबी सांस उसके भीतर से निकली। बिस्तर पर बैठी तो सहसा वह बचपन की सायली लौट आई, जो शाम को स्कूल से लौटकर पापा की गोद में चढ़ जाती थी, जो मां से नाराज होकर दरवाजा बंद कर लेती थी और रात में चुपचाप उठकर मां-पापा के बीच में लेट जाती थी।

एक बार की बात याद आई। बरसात के दिन थे। स्कूल से लौटते हुए तीनों भाई-बहन भीग गए थे। मां ने गुस्से में तौलिया फेंकते हुए कहा था, 'इतनी बारिश में भीगते हुए कौन आता है!' लेकिन उसी शाम गरम दूध और हलवा बनाकर उन्होंने तीनों को अपने पास बैठाकर समझाया कि बारिश में बीमार पड़ना कितना खराब होता है। मां की डांट में भी प्रेम था, जिसका स्पर्श अब भी सायली की हथेलियों में महसूस हो रहा था।

सायली की मां अचला ने तीनों बच्चों की परवरिश में कभी कोई भेदभाव नहीं किया। दो बेटियों के बाद जब बेटा हुआ तो समाज ने अनुमान लगाया कि शायद बेटे की चाह रही होगी। लेकिन सायली जानती थी कि यह ना तो कोई योजना थी, न आकांक्षा, बस ईश्वर की इच्छा थी। मां हमेशा कहती थीं कि उन्हें मातृत्व का पूर्ण सुख मिला है और उन्होंने उसी को अपनी तपस्या बना लिया। जब सास-ससुर जीवित थे, ससुर घर के हर काम में भाग लेते रहे। सास के जाने के बाद भी वे बच्चों को स्कूल छोड़ने, बाजार से सामान लाने और भोजन परोसने में अचला का साथ देते रहे। लेकिन एक दिन वह भी नहीं रहे। उनके जाने से घर की जिम्मेदारी अचला और सोमेश पर आ गई।

मकान उनका अपना था और उसके एक हिस्से का किराया आता था, मगर वह कम ही होता था, क्योंकि घर बहुत आधुनिक नहीं बना हुआ था। जो भी आता था, वह सारा पैसा बच्चों की पढ़ाई और घर के खर्च में चला जाता था। तीनों को अच्छे स्कूल में पढ़ाना, हर जरूरत को बिना जाहिर हुए पूरा करना, बच्चों की इच्छाओं को सहेजना- इन्हीं सब में समय बीतता गया।

अचला ने स्कूल में पढ़ाना शुरू कर दिया। सोमेश ने एक और काम पकड़ लिया। दोनों ने मिलकर अपने सपनों को बच्चों के भविष्य के लिए गिरवी रख दिया।

कई बार सोमेश दिन भर की नौकरी के बाद शाम को ट्यूशन पढ़ाने निकलते थे। कभी देर रात लौटते तो अचला उनका इंतजार करते हुए दरवाजे पर बैठी होतीं। जब बच्चे स्कूल प्रोजेक्ट के लिए कुछ लाने को कहते तो सोमेश तुरंत ही बाजार जाकर कार्डशीट, ग्लू और रंग खरीद कर लाते थे। उन्हें कभी अपना कोई शौक पूरा करने का मौका नहीं मिला। वे जीवन भर किसी की जरूरत बनकर ही जिए।

बड़ी बेटी सायली ने कालेज की पढ़ाई पूरी की और अपनी पसंद का जीवनसाथी चुना। अचला और सोमेश को राहत मिली कि कम से कम अब शादी के लिए लड़का खोजने की जरूरत नहीं। फिर दूसरी बेटी ने 95 प्रतिशत अंक लाकर विदेश में पढ़ाई की जिद ठान ली। लाख समझाने के बाद भी जब वह नहीं मानी, तो लोन लेकर उसका सपना भी पूरा कर दिया। दो साल की पढ़ाई के बाद उसकी वहां नौकरी लग गई। एक तरह से वह भी सेटल हो गई।

बेटे ने 12वीं में टाप किया और दिल्ली के एक प्रतिष्ठित सरकारी कालेज में दाखिला पाया, लेकिन वहां रहने, खाने और पढ़ाई का खर्च अब तक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी थी, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। रिटायरमेंट का समय करीब था, इसलिए खुद के खर्च घटा दिए। जीवन और अधिक सादा हो गया।

इन सब जिम्मेदारियों के बीच घर की मरम्मत पीछे छूट गई थी। दीवारों की सीलन, ढीले पंखे, चरमराते दरवाजे पुराने हो चले थे। जब कोई रिश्तेदार मकान की हालत की बात करता, तो सोमेश चुप हो जाते। उनके लिए बच्चों का भविष्य ही सबसे बड़ा सौंदर्य था।

सायली ने इन दो दिनों में पुराने दरवाजों को देखती रही, जिसके सहारे खड़े होकर कभी उन्होंने ऊंचाई नापी थी। वह पंखा देखती रही, जो जोर-जोर से चलता था और जिसकी आवाज से डरकर वे मां-पापा को बुला लेते थे। उन्हें अपने कमरे में सुलाकर मां-पापा बच्चों की नींद खराब ना हो, इसलिए खुद हाल में जाकर सो जाते थे।

सायली को याद आया कि उनका भाई सबसे छोटा है। वह अब भी पढ़ाई कर रहा है और नौकरी शुरू करने में थोड़ा समय है। उसके भीतर यह भाव उमड़ा कि जब मां-पापा ने सब कुछ बिना भेदभाव के दिया, तो अब घर की जिम्मेदारी उठाने में वे दोनों बहनें पीछे क्यों रहें? आखिर वे दोनों अब अपने-अपने जीवन में स्थिर हैं और अच्छा काम कर रही हैं। उसने गहरी सांस ली। आज वह और उसकी बहन अपने-अपने आलीशान घरों में हैं, जहां दीवारें चमकती हैं, पर्दे विदेशों से आए हैं और हवा कृत्रिम ठंडक देती है। लेकिन जिस घर की दीवारों ने उन्हें सहारा दिया, उस घर की सीलन आज उनकी उपेक्षा की प्रतीक बन गई है। सायली ने धीरे से मोबाइल उठाया और छोटी बहन का नंबर डायल किया। उसने कहा, 'मां-पापा ने कभी हम तीनों में फर्क नहीं किया। जब जरूरत थी, तो चुपचाप सब कुछ दे दिया। अब जब भाई अकेला है और अभी सब कुछ संभालने में उसे थोड़ा वक्त लगेगा तो क्या हम बहनें पीछे हट जाएं?'

उसकी आंखों में आंसू थे। वह चाहती थी कि अब इस पुश्तैनी घर की दीवारें फिर से मुस्कराएं। और यह तभी होगा, जब तीनों भाई-बहन मिलकर इस घर को संभालेंगे, जैसे कभी इस घर ने उन्हें संभाला था।

tanuja.choubey08@gmail.com

भाषा की पाठशाला

कमलेश कमल
नई दिल्ली

दैनिक जागरण हिंदी हैं हम

आज के शब्द : क्षेप, आक्षेप, अभिक्षेप और भर्त्सना

क्षेप : यह शब्द बना है, 'क्षिप्' धातु से (क्षिप् + घञ् = क्षेप)। क्षेप का अर्थ है- फेंकना, उछालना, डालना इत्यादि। क्षिप्त का अर्थ है- फेंका हुआ अथवा मिलाया हुआ। प्रक्षिप्त का अर्थ है- विशेष रूप से फेंका अथवा मिलाया हुआ। किसी प्राचीन ग्रंथ में कुछ 'प्रक्षिप्त' है तो इसका आशय है कि यह मूल कृति में नहीं था; बाद में कभी जोड़ दिया गया अथवा मिला दिया गया। किसी ग्रंथ का वह अंश, जो बाद में मिलाया गया हो, 'प्रक्षिप्तांश' कहलाता है। ज्ञातव्य है कि क्षेपण (क्षिप् + ल्युट् = क्षेपण) का अर्थ है- फेंकना, भेजना, गाली देना इत्यादि। 'क्षिप्' धातु से ही बने क्षेपक (क्षिप् + ण्वुल् = क्षेपक) का अर्थ है- फेंकनेवाला, बीच में मिलाने वाला, भेजने वाला इत्यादि।

आक्षेप : बना है, 'आ+क्षेप' से। इसका शाब्दिक अर्थ है, कुछ फेंकना, गिराना आदि; परंतु प्रयोग में इसका अभिप्राय किसी को निंदनीय अथवा दोषी सिद्ध करने के लिए प्रयुक्त शब्दों से होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो, किसी को गलत अथवा बुरा सिद्ध करने के लिए फेंके गए (प्रयुक्त) शब्दों को आक्षेप कहते हैं। आक्षेप लगने से प्रतिष्ठा धूमिल होती है।

अभिक्षेप : यह 'आक्षेप' से प्रभाव में कम अथवा हलका होता है। अभि उपसर्ग का अर्थ- 'की ओर', 'की दिशा में', सामने आदि है। जैसे 'अभिगम' का अर्थ 'की ओर गमन करना या जाना' है; वैसे, 'अभिक्षेप' का मूलार्थ है- किसी की ओर या किसी के प्रति कुछ फेंकना (शब्द)। यह साधारण दोषारोपण के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है। अभिक्षेप लगने से भी किसी की प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता ही है।

भर्त्सना : संस्कृत के 'भर्त्स्' से बने इस शब्द में धमकाने, झिड़कने और कड़ी निंदा करने का भाव है। 'भर्त्स्' का अर्थ है- धमकाना अथवा अपशब्द कहना। भर्त्सना शब्द का प्रयोग बुरा-भला कहने, शाप देने आदि के लिए होता है। इसमें कटुता का भाव भी उपस्थित रहता है।

kamalkeekalam@gmail.com

संगीतायन

चंदन तिवारी
वाराणसी, उत्तर प्रदेश

बदरिया घेरि आइल ननदी...

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से निकला कजरी का लोक-स्वर उपशास्त्रीय संगीत की एक विधा बन गया। कजरी गायन में प्रेम, विरह, भक्ति और राष्ट्रभक्ति सभी कुछ सम्मिलित है...।

सृष्टि व प्रकृति को नवजीवन देनेवाला सावन का महीना आशाओं और उल्लास का महीना होता है। इस महीने का लोकजीवन से जुड़ाव कई रूपों में है। इसी में एक आयाम है, कजरी गायन का, जो आषाढ़ से शुरू होता है और सावन में परवान चढ़ता है। कजरी शब्द आते ही सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर का नाम सामने आता है और वहां से निकली उस गायन विधा का, जिसकी शैली, कथ्य में अपार विस्तार है। कजरी का एक छोर गांव के मजदूर, किसान, साधारण महिला से जुड़ता है, दूसरा छोर संगीत के बड़े आयोजनों से। कजरी में खेती-किसानी, सृष्टि, प्रकृति का स्वर है, तो प्रेम-विरह का राग भी। यही नहीं, कजरी में स्वाधीनता आंदोलन से जुड़ी घटनाएं भी हैं।

मिर्जापुर ने न सिर्फ कजरी जैसी विधा को जन्म दिया, बल्कि उसमें इतने प्रयोग किए, इतना नवाचार किया कि लोक गायन की एक विधा शास्त्रीय संगीत की बड़ी महफिलों में भी सम्मान पाने लगी। मिर्जापुर विंध्याचल धाम मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। कहते हैं कि यहां देवी का एक नाम कज्जली देवी भी है। कजरी गानेवालों की अपनी देवी। कहते हैं कि जब कजरी गायन का सिलसिला चलता था, तो कजरी लिखनेवाले कवि और गानेवाले उस्ताद अपनी पहली रचना इन्हीं कज्जली देवी को समर्पित करते थे। इसी कजरी के दीवाने कवि थे प्रेमधन, जिन्होंने मिर्जापुर में एक कजरी की हवेली बनाई, जहां से कजरी की किताबें छपती थी, कजरी की महफिलें सजती थी। भारतेंदु हरिश्चंद्र भी कजरी के रसिक थे, जो सावन के महीने में मिर्जापुर आते थे। कजरी गायन से जुड़ी कथाओं की दुनिया अनंत है।

आमतौर पर जो कजरियां मशहूर हुईं, उन गीतों में प्रेम और विरह के गीत अधिक हैं, जैसे मिर्जापुर कइले गुलजार हो, कचौड़ी गली सून कइले बलमू... मशहूर कजरी गीत में शामिल है। इस गीत में विरह और प्रेम, दोनों का जुड़ाव है। इसी तरह एक कजरी गीत लोकप्रिय है- कइसे खेले जइबू सावन में कजरिया, बदरिया घेरि आइल ननदी, जिसमें भाभी और ननद का संवाद है। बंदिनी फिल्म के गीत अबके बरस भेज भैया को बाबुल सावन में लीजो बुलाय रे को कजरी गीत माना जाता है।

हिंदुस्तानी संगीत की महफिल में बरसन लागी बदरिया... मशहूर कजरी गीतों में शामिल है। रसूलन बाई, सिद्धेश्वरी देवी, गिरिजा देवी जैसी शीर्ष कलाकारों ने कजरी को हिंदुस्तानी संगीत की दुनिया में प्रतिष्ठित करने में अहम भूमिका निभाई। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान ने कजरी पर अलग से शहनाई वादन के जरिए विशेष काम कर मिर्जापुर कइले गुलजार और पिया मेंहदी लिया द मोतीझील से, जा के साइकिल से ना... जैसे गीतों को प्रतिष्ठित किया। बनारस के ही प्रसिद्ध गायक छन्नूलाल मिश्र ने कजरी और झूला गीतों की दुनिया को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई।

स्वाधीनता की लड़ाई के दौरान और बाद में लिखे और गाए गए कजरी गीतों में स्वतंत्रता संघर्ष की कई छोटी-बड़ी घटनाएं कजरी में आती हैं और गांधी, उनका चरखा, उनकी खादी तो विराट रूप में उपस्थित है।

कुल मिलाकर, कजरी ऐसी विधा है, जिसमें घर-परिवार के संबंध भी उसी जीवंतता से समाहित हैं, जितना कि देश की कहानी। प्रेम का राग उसी संवेदना से उभरता है, जितनी संवेदना के साथ विरह का राग भी।

chandan.tiwari59@gmail.com

पुस्तक परिचय

आज के दौर का प्रेम

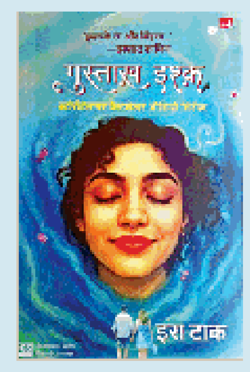

इरा टाक का उपन्यास गुस्ताख इश्क आधुनिक और आत्मनिर्भर स्त्री की संवेदनाओं और उसके प्रेम को अभिव्यक्त करता है। मिताली और रोनित की यह भावनात्मक कहानी एक सशक्त स्त्री के भीतरी कोमल पक्ष को उजागर करती है।
प्रकाशक : मंजुल कथाकार, **मूल्य :** 299 रुपये

पुस्तकें मिलीं

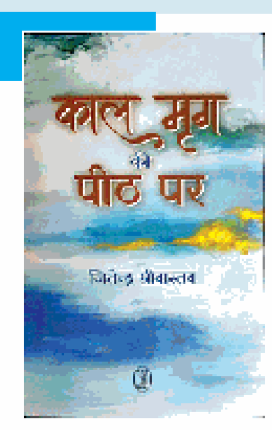

1. कालमृग की पीठ पर
(कविता संग्रह)
लेखक : जितेंद्र श्रीवास्तव
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन
मूल्य : 295 रुपये

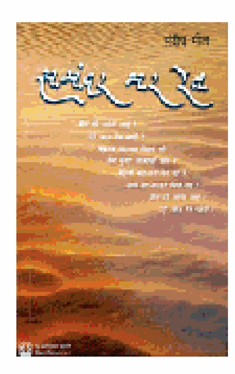

2. समंदर भर रेत
(उपन्यास)
लेखक : संदीप मील
प्रकाशक : राजपाल
मूल्य : 350 रुपये

कृपया इस पेज के बारे में अपनी सम्मति एवं सुझावों से अवगत कराएं : feature@jagran.com

आज का भविष्यफल - 28 जुलाई, 2025 सोमवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : श्रावण मास शुक्ल पक्ष चतुर्थी का राशिफल।
आज का राहुकाल : प्रातः 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक। दिशाशूल : पूर्व
पर्व : गणेश चतुर्थी व्रत, दूर्वा गणपति
आज की भद्रा : प्रातः 11 बजकर 04 मिनट से रात्रि के 11 बजकर 25 मिनट तक।
विशेष : मंगल कन्या राशि में।

कल 29 जुलाई, 2025 का पंचांग

कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : नागपंचमी, मंगला गौरी पूजन, कालसर्प पूजन।
विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की पंचमी 24 घंटे 47 मिनट तक तत्पश्चात षष्ठी, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र 19 घंटे 28 मिनट तक तत्पश्चात हस्त नक्षत्र, शिव योग 27 घंटे 5 मिनट तक तत्पश्चात सिद्ध योग, कन्या में चंद्रमा।

मेष : वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

वृष : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

मिथुन : आर्थिक मामलों में प्रगति होगी, लेकिन पारिवारिक तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क : भाई-बहन, अधीनस्थ कर्मचारी और शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

सिंह : आर्थिक मामलों में सुधार होगा, पर अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी।

कन्या : क्रोध न करें। मंगल आपकी राशि पर है, कष्टदायी होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

तुला : जीवनसाथी या सुसराल पक्ष से तनाव मिल सकता है। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं।

वृश्चिक : शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासनसत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु : रिश्तों में निकटता आएगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

मकर : यात्रा संभव। पिता या धर्म गुरु का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा।

कुंभ : अधीनस्थ कर्मचारी, किसी रिश्तेदार या शासनसत्ता से तनाव मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मीन : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वर्ग पहेली-3057

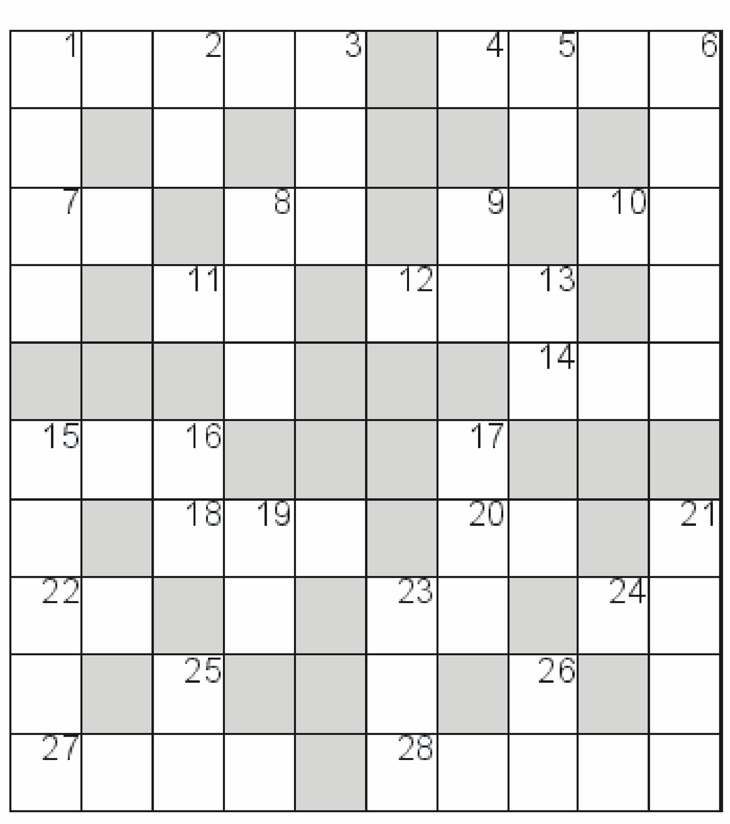

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं :
1 मन को लुभाने वाला (5)। 4 अंत तक साथ देने वाला मित्र (4)। 7 कहानी (2)। 8 राष्ट्रगान का पहला शब्द (2)। 10 प्रसिद्ध धातु (2)। 11 रास्ता (2)। 12 इस पौधे की पूजा होती है (3)। 14 कामदेव के दस बाणों में से एक (3)। 15 गमक, सुगंध (3)। 18 तिलक लगाना (3)। 20 ग्रीवा (2)। 22 स्वरभानु नामक दानव का धड़ (2)। 23 मतलब, अभिप्राय (2)। 24 संध्या (2)। 27 इंद्र के हाथी का नाम (4)। 28 व्यर्थ की बात (5)।

ऊपर से नीचे :
1 गंधया सुगंध देना (4)। 2 ममता, भ्रांति (3)। 3 आंख, चक्षु, नेत्र (3)। 5 चालीस सेर, इच्छा, अंतःकरण (2)। 6 चूड़ीहारिन (5)। 8 विष, हलाहल (3)। 9 कुशल-मंगल (3)। 13 जानकी, भूमिजा (2)। 15 पाकिस्तान से आई फिल्म (2,1,2)। 16 औषधीय वनस्पति (2)। 17 कोलकाता की साहित्यिक पत्रिका (3)। 19 अल्प, न्यून (2)। 21 एक प्रसिद्ध भारतीय स्त्री, कामिक चरित्र (4)। 23 पृथक, भिन्न (3)। 25 दशरथ के ज्येष्ठ पौत्र (2)। 26 अस्थि, हड्डी (2)।

कल का हल

क¹		गृ²			प³	रि	मा	र्ज	न
ठ		हं⁴	जा	म	त				
फो		प्र			नं⁵	कां⁶	ब	पों⁷	श
ड		वें⁸	द	ज्ञ		बि		ता	
वा⁹	गी¹⁰	श				ल		श्र	
	ति		अ¹¹				श¹²	य	नं¹³
	का		चं		डं¹⁴	ग	र		य
अ¹⁵	व्य	यी	भा	व¹⁶			णा		नां
				ह¹⁷	ल	च	ल		ज
उ¹⁸	प	न	य	न			य		न

जागरण सुडोकू-3057

		1	6					7
	2		5		7		9	
4						3		5
8				6	2		5	
	4		8			1		6
5					3			
	3		1		8	6		9
	8			4				
1						5	4	

कल का हल

6	7	1	2	5	8	9	4	3
2	5	3	9	6	4	1	8	7
9	4	8	7	1	3	2	5	6
4	1	9	6	2	7	8	3	5
7	8	5	3	4	9	6	2	1
3	6	2	5	8	1	7	9	4
5	3	6	1	9	2	4	7	8
1	9	4	8	7	5	3	6	2
8	2	7	4	3	6	5	1	9

राष्ट्रीय फलक

स्वर्ण-रजत हिंडोला में बैठे बांकेबिहारी की अद्भुत छवि देख श्रद्धालु भी रीझे

जागरण संवाददाता, वृंदावन

- भक्तों ने आस्था की डोर से अपने आराध्य को झुलाया
- भीड़ की सहूलियत को सुबह जल्दी खोले गए पट

स्वर्ण रजत जड़ित बेशकीमती हिंडोले पर जब ठाकुर बांकेबिहारी बैठकर प्रकट हुए तो अद्भुत छवि देख श्रद्धालु भी रीझ उठे। ठाकुरजी की एक झलक पाने को भोर से ही भक्तों का जमावड़ा शुरू हो गया। सेवायतों ने हरियाली तीज पर रविवार सुबह तय समय से 15 मिनट पहले ही पट खोल दिए। अद्वितीय और दिव्य हिंडोला में हरे परिधान में स्वर्ण श्रृंगार कर ठाकुर बांकेबिहारी ने महारास की मुद्रा में दर्शन दिए तो परिसर जयकारों से गूंज उठा। पुलिस और प्रशासन की व्यवस्था के चलते गलियों में न तो भीड़ का दबाव रहा और न ही आपाधापी का माहौल।

हरियाली तीज पर सुबह पांच बजे से ही देश दुनिया से आए श्रद्धालुओं ने ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के बाहर डेरा डाल दिया। भीड़ को बढ़ते देख सेवायतों

वृंदावन में हरियाली तीज पर बेशकमती स्वर्ण-रजत हिंडोला में विराजित ठाकुर बांकेबिहारीजी के दर्शन को उमड़ी भक्तों की भीड़। जागरण

ने सुबह 6:30 बजे पट खोल दिए। मंदिर के जगमोहन में 20 किलोग्राम सोना और एक कुंतल चांदी से बने बेशकीमती हिंडोले में हरे परिधान और हीरे जवाहरात धारण कर आराध्य बांकेबिहारी झोटे ले रहे थे तो भक्तों की आस्था का ज्वार भी बढ़ता नजर आया। आस्था की डोर से भक्त आराध्य बांकेबिहारी को झोटे दे रहे थे। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं का ठहराव भी हरियाली तीज पर पूरी तरह खत्म रहा। श्रद्धालुओं को रोकने की जरूरत नहीं पड़ी और बड़े आराम से दर्शन हुए।

हरियाली तीज पर बृषभान नगरी बरसाना में भक्ति, भाव और श्रृंगार की त्रिवेणी बहती नजर आई। राधारानी मंदिर में बृषभान नंदनी श्रीराधारानी को स्वर्ण हिंडोले में झूला झुलाया गया। समूचा मंदिर परिसर हरे परिधानों, पुष्पों और झिलमिल रोशनी से सजाया गया। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ रही। सेवायत लोकेंद्र गोस्वामी ने बताया कि हर शाम राधा रानी स्वर्ण हिंडोले में दर्शन देंगी, वहीं रक्षाबंधन पर दिन में दो बार ये दर्शन सुलभ रहेंगे।

रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग पर संगम के जल से होगा अभिषेक

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : श्री काशी विश्वनाथ मंदिर प्रबंधन की ओर से रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग पर गंगा जल से अभिषेक की एक नई व्यवस्था शुरू होने जा रही है। इसमें अहम भूमिका में तीर्थराज प्रयाग है क्योंकि यहां के त्रिवेणी संगम से जल को ले जाकर ज्योतिर्लिंग पर अर्पण किया जाएगा। इसके अलावा रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग से एक टीम जल लेकर वाराणसी आ रही है। काशी में दोनों धाम के जल का आदान-प्रदान होगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. विश्व भूषण मिश्रा के बनाए कार्यक्रम के अनुसार आए एक दल ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संगम से पांच कलशों में जल लिया। इसे बंधवा के लेटे हनुमान मंदिर में कुछ देर रखने और पूजन के बाद काशी ले जाया गया। सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में प्रयाग और रामेश्वरम के जल का आदान प्रदान होगा।

****

बिहार में 11 नदियों के जल से रखी जाएगी माता सीता के मंदिर की आधारशिला

अवध बिहारी उपाध्याय ● जागरण

- सीतामढ़ी के पुनौराधाम में तीन दिनों का होगा उत्सव
- शिलान्यास में गृह मंत्री अमित शाह का होगा आगमन

सीतामढ़ी : बिहार के सीतामढ़ी जिले में माता सीता की जन्मस्थली पुनौराधाम में भव्य और दिव्य मंदिर निर्माण का सपना साकार होते देख चहुंओर खुशी है। निर्माण की आधारशिला आठ अगस्त को रखी जाएगी। बीते शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दौरे के बाद सक्रियता बढ़ गई है। शिलान्यास में गृह मंत्री अमित शाह के आगमन को लेकर भी तैयारी शुरू हो गई है। महंत कौशल किशोर दास की अध्यक्षता में बिहार के साधु-संतों की बैठक में निर्णय लिया गया है कि माता जानकी की सखी कमला, विमला, दुधमती, गंगा, लक्ष्मणा गंगा, उर्विजा कुंड एवं गंगाजल को कलश में आमंत्रित कर पूजन किया जाएगा। मंदिर की आधारशिला 11 पवित्र नदियों के जल से रखी जाएगी। ये नदियां हैं, गंगा, यमुना, सरस्वती, भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी, पिंडर, धौलीगंगा, लक्ष्मणा

बिहार में सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम में माता सीता मंदिर का प्रस्तावित माडल। सौ. मंदिर प्रबंधन

गंगा, कमला और सरयू। इनका जल एकत्र करने का काम शुरू हो गया है। जलयात्रा का नेतृत्व संत स्वामी दिलीप योगीराज तीर्थराज जी महाराज कर रहे हैं। छह अगस्त को नदियों का जल सीतामढ़ी आ जाएगा।

मंदिर निर्माण के लिए राज्य सरकार ने 883 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। अभी 12 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई है। निर्माण के लिए रामायण रिसर्च काउंसिल के अंतर्गत पहले ही 'श्रीभगवती सीता तीर्थ क्षेत्र समिति' का गठन हो चुका है। महंत कौशल किशोर दास के अनुसार, शिलान्यास कार्यक्रम तीन दिवसीय महोत्सव के रूप में मनेगा। छह अगस्त को अभिषेक और जल पूजन, सात अगस्त को वैदिक अनुष्ठान, प्रवचन और भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। आठ अगस्त को मुख्य शिलान्यास समारोह होगा।

कांग्रेस ने प्रिंस आफ वेल्स की यात्रा का बहिष्कार किया

1921 में आज ही कांग्रेस ने प्रिंस आफ वेल्स की नवंबर में प्रस्तावित यात्रा का बहिष्कार करने का फैसला किया था। असहयोग आंदोलन के तहत ब्रिटिश सरकार की नीतियों के प्रति विरोध जताने के लिए ऐसा किया गया था। असहयोग आंदोलन 1920 में शुरू हुआ था।

देश के पांचवें प्रधानमंत्री बने किसान नेता चौधरी चरण सिंह

1979 में आज ही किसान नेता चौधरी चरण सिंह देश के पांचवें प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाई थी। हालांकि, उनका कार्यकाल काफी छोटा रहा। कांग्रेस द्वारा समर्थन वापस ले लिए जाने की वजह से 14 जनवरी 1980 को उनकी सरकार गिर गई थी।

शोषितों की मजबूत आवाज बने पत्रकार हरीश चंद्र मुखर्जी

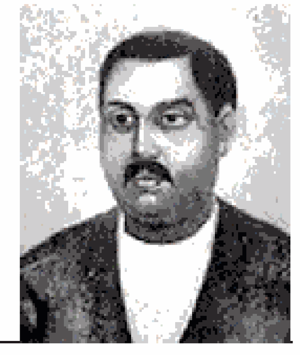

हरीश चंद्र मुखर्जी का जन्म 1824 में आज ही के दिन कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ था। आर्थिक दिक्कतों की वजह से स्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। आजीविका के लिए बिल, पत्र, याचिकाएं लिखीं और और बंगाली दस्तावेजों का अंग्रेजी में अनुवाद किया। पहली पूर्णकालिक बिल राइटर के तौर पर थी। आगे चल कर पत्रकार के तौर पर एक छोटे कार्यकाल ने बंगाल में घर-घर में जाना पहचाना नाम बना दिया। उन्होंने हिंदू पैट्रियट के संपादक के तौर पर शोषितों की आवाज को मजबूती से उठाया। 1861 में मात्र 36 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

इधर-उधर की

7.5 सेकंड में 10 गुब्बारे फोड़ बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

न्यूयार्क, एजेंसी: 181 से अधिक गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड तोड़ने वाले डेविड रश ने एक और रिकार्ड तोड़ दिया है। डेविड रश और उनके एक दोस्त ने 7.5 सेकंड में अपने शरीर के बीच 10 गुब्बारे फोड़ दिए। रश ने पहले दोस्त जोनाथन हैनान संग 15 सेकंड में अपने शरीर के बीच 10 गुब्बारे फोड़ दिए थे। जल्द ही कोल्टन शेफर्ड और कैमरन सेमरसन ने 11 सेकंड में 10 गुब्बारे फोड़ कर रिकार्ड तोड़ दिया। इसके बाद रश व उनके दोस्त ने अपना समय घटाकर 7.5 सेकंड करने में सफल रहे।

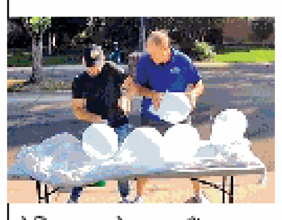

डेविड रश के नाम हैं 181 गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड। इंटरनेट मीडिया

एआइ माडल से निकल सकेगा चेहरे का प्रिंट

पंजाब यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने तैयार किया माडल, केंद्र सरकार से मिला पेटेंट

अहमदाबाद प्लेन जैसे बड़े हादसों में जान गंवाने वालों की पहचान हो सकेगी आसान

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने खास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) माडल तैयार किया है। इस माडल से किसी आगजनी या अन्य हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान करना आसान होगा क्योंकि इसमें जबड़े और दांतों के आधार पर कंप्यूटर साफ्टवेयर से उस व्यक्ति का चेहरे तैयार हो सकेगा। इस तकनीक में अधिकतम 15 से 20 मिनट का समय लगता है।

यह एआइ माडल अहमदाबाद प्लेन जैसे बड़े हादसों में काफी कारगर साबित हो सकता है। करीब सात माह के शोध के बाद तैयार इस एआइ माडल को केंद्र सरकार ने पेटेंट सर्टिफिकेट जारी किया है। हाल ही में अहमदाबाद प्लेन हादसे में मृतकों की पहचान में काफी समय लग गया। ऐसे हादसों में डीएनए से ही मृतकों की पहचान की जाती है, लेकिन इसमें काफी समय लगता है। हालांकि, पीयू के एंथ्रोपालिजी विभाग के प्रो. केवल कृष्ण की अगुआई में नौ शोधकर्ताओं के एआइ माडल से मृतकों की पहचान सिर्फ दांतों व जबड़े के आधार पर हो सकेगी। इसकी विशेषता यह है कि यह न केवल पहचान तेज करता है, बल्कि इससे मृतकों के परिवारों को भी जल्दी न्याय मिल सकेगा।

हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की होगी पहचान। फाइल

827 लोगों के नमूने के 95 प्रतिशत प्रयोग सफल रहे

डा. कृष्ण ने बताया कि इसके लिए तीन प्रोफेसर और छह शोधकर्ताओं ने सात माह शोध किया। 827 लोगों के नमूने लिये और 95 प्रतिशत तक प्रयोग सफल रहे। पहले किसी हादसे के बाद मृतकों की पहचान के लिए मेनुअल तौर पर फेस तैयार किया जाता था, लेकिन नई तकनीक से कुछ ही मिनट में चेहरे को तैयार कर व्यक्ति की जानकारी मिल जाएगी। इस तकनीक का देशभर में फोरेंसिक लैब को फायदा होगा। घटना स्थल पर ही एआइ माडल से दांतों और जबड़े के फोटो लेकर चेहरे को तैयार किया जा सकेगा। इस तकनीक में खर्च भी अधिक नहीं आएगा।

इन्होंने तैयार किया माडल

माडल को तैयार करने में प्रो. केवल कृष्ण, इंस्टीट्यूट आफ फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलाजी (एएफएससी) के प्रो. विशाल शर्मा, डेंटल कालेज पीयू से डा. अरुण के गर्ग के अलावा छह रिसर्च स्कालर दामिनी, नंदनी, अंकिता गुलेरिया, राकेश मीना, आकांक्षा राणा और आयूषी श्रीवास्तव का भी योगदान रहा। पीयू कुलपति प्रो. रेणू विग ने शोध को केंद्र से पेटेंट मिलने पर टीम को बधाई दी है।

फिल्म रिव्यू: महावतार नरसिम्हा ✪✪✪

निर्देशक: अश्विन कुमार, आवाज डबिंग: आदित्य राज शर्मा, हरिप्रिया मट्टा, अवधि: दो घंटा 11 मिनट

शानदार पौराणिक चित्रण

फिल्म द केरल स्टोरी में एक संवाद है कि पापा आपने बहुत कुछ बताया, पर धर्म क्या है इसके बारे में नहीं बताया। होम्बाले फिल्म ने भगवान विष्णु के दस अवतारों से परिचित कराने के लिए एक दशक में दस फिल्में बनाने की घोषणा की है। इस सीरीज की पहली फिल्म महावतार नरसिम्हा सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

भगवान विष्णु के चौथे अवतार नरसिम्हा (नरसिंह) भगवान माने जाते हैं। वे आधे मानव और आधे सिंह के रूप में प्रकट हुए थे, जिनका सिर और धड़ मानव का था, जबकि चेहरा और पंजे सिंह के थे। नरसिम्हा भगवान को विशेष रूप से दक्षिण भारत में वैष्णव संप्रदाय के लोगों द्वारा पूजा जाता है। एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा इन्हीं को लेकर राक्षस हिरण्यकशिपु और उसके भक्त प्रह्लाद पर आधारित है। भगवान विष्णु के घोर विरोधी हिरण्यकशिपु ने घोर तपस्या के बाद ब्रह्मा से वरदान प्राप्त किया था कि उसे न कोई मनुष्य, ना जानवर, न दिन में, ना रात में, न घर के अंदर ना बाहर, न ही किसी अस्त्र से, ना शस्त्र से मार सकेगा। अपने हिरण्यकशिपु ने अपने साम्राज्य में भगवान विष्णु की पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया। उसका पांच वर्षीय बेटा प्रह्लाद परम विष्णु भक्त था। हिरण्यकशिपु ने उसे मारने का प्रयास किया, लेकिन हर बार भगवान विष्णु ने रक्षा की।

अश्विन कुमार द्वारा निर्देशित और जयपूर्णा दास लिखित पटकथा सराहनीय है। उन्होंने पौराणिक कहानी को सम्मोहक रूप से दर्शाया है। एनिमेशन फिल्म की शुरुआत दिति के पुत्र हिरण्यकशिपु और उसके भाई हिरण्याक्ष के जन्म से होती है। वहां से उसके शक्ति हासिल करने, तीनों लोकों को अपने अधीन करने से लेकर बेटे प्रह्लाद को मारने का सफर ड्रामा, इमोशन, हास्य, रोमांच और प्रेरणा से ओतप्रोत है। फिल्म का विशेष आकर्षण इसका क्लाइमेक्स है, जब भक्त की रक्षा के लिए भगवान स्वयं हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए आते हैं। फिल्म के विजुअल्स, संगीत, डबिंग, बैकग्राउंड स्कोर इसे दर्शनीय बनाने में मददगार साबित हुए हैं। फिल्म बुराई पर अच्छाई की जीत साथ ही मानवता को घृणा, लालच, ईर्ष्या और क्रोध के स्थान पर आध्यात्मिकता, प्रेम, करुणा और शांति को चुनने का संदेश देती है।

प्रेम, करुणा और शांति का संदेश देती है फिल्म। चित्र सौ.: फिल्म टीम

पिछली एनीमेशन फिल्मों में महावतार नरसिम्हा की गुणवत्ता बहुत बेहतर है। एनिमेशन इतना जबरदस्त है कि यकीन नहीं होता है कि ये फिल्म भारत में बनी है, जबकि इस फिल्म का पूरा वीएफएक्स इंडिया में बना है, और जिस तरह से कहानी दिखाई गई है, आप एक सेकेंड के लिए स्क्रीन से नजर नहीं हटाते। हरिप्रिया मट्टा द्वारा की गई प्रह्लाद की डबिंग में मासूमियत और भोलापन है। वहीं हिरण्यकशिपु की आवाज बने आदित्य राज शर्मा भी प्रभाव छोड़ते हैं। सीरीज की अगली फिल्म महावतार परशुराम होगी, जो वर्ष 2027 में रिलीज होगी।

–प्रियंका सिंह

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं: feature@jagran.com

नई थेरेपी से किडनी फेल होने की रफ्तार थमी

कुमार संजय ● जागरण

- लखनऊ एसजीपीजीआइएमएस ने विकसित की नई कांबिनेशन थेरेपी
- थेरेपी से मरीजों को मिल सकती दो-तीन वर्ष तक डायलिसिस से राहत

लखनऊ: क्रानिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के बढ़ते मामलों के बीच संजय गांधी परास्नातक आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआइएमएस) के नेफ्रोलाजी विभाग ने नई कांबिनेशन थेरेपी विकसित की है जिससे मरीजों की दो से तीन वर्षों तक डायलिसिस टल रही है। अब तक क्रिएटिनिन का स्तर तीन से पांच मिलीलीटर प्रति डेसीलीटर (एमजी/डीएल) तक पहुंचने में जहां एक वर्ष लगता था, वहीं यह थेरेपी उस प्रक्रिया को धीमी कर देती है। रोगियों को समय पर इलाज मिलने पर डायलिसिस को वर्षों तक टालना संभव हो सकता है।

नेफ्रोलाजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नारायण प्रसाद व प्रो. रवि शंकर कुशवाहा के अनुसार इस थेरेपी में चार से पांच दवाओं का संयोजन किया गया है। इनमें आर-ए-एस इनहिबिटर (रेनिन-एंजियोटेंसिन सिस्टम अवरोधक), एसजीएलटी-2 इनहिबिटर (सोडियम-ग्लूकोज को-ट्रांसपोर्टर टाइप-2 अवरोधक), फिनेरेनोन (गैर-स्टेरायड मिनरल कोर्टिकोइड रिसेप्टर विरोधी) व सेमाग्लूटाइड (ग्लूकागन जैसे पेप्टाइड रिसेप्टर एगोनिस्ट) शामिल हैं। इन दवाओं के साथ मरीज को प्रोटीन की मात्रा 0.8 ग्राम/किलोग्राम वजन तक प्रतिदिन सीमित रखनी होती हैं। इसके साथ ही रक्तचाप 130/80 मिलीमीटर पारा से कम और एचबीएवनसी सात प्रतिशत से नीचे बनाए रखना जरूरी होता है। प्रो. नारायण के मुताबिक देश की 10 प्रतिशत से ज्यादा आबादी किसी न किसी रूप में किडनी की बीमारी से पीड़ित है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अधिक प्रोटीनयुक्त खानपान प्रमुख कारण हैं।

प्रो. नारायण प्रसाद

डा. रवि शंकर कुशवाहा। फाइल

बचाव कैसे करें

- छह माह में ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट (जीएफआर) की जांच
- पेशाब में प्रोटीन की जांच, खासकर डायबिटीज और बीपी के मरीजों में
- प्रोटीन सप्लीमेंट और नमक से परहेज
- मधुमेह और बीपी का सख्त नियंत्रण
- संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय-समय पर जांच

मलेरिया से निपटने में एक पुरानी दवा ने जगाई लोगों में नई उम्मीद

अनुसंधान

कभी रिवर ब्लाइंडनेश और स्केबीज के इलाज के लिए जानी जाने वाली दवा आइवरमेक्टिन मलेरिया को महत्वपूर्ण रूप से कम करने में सहायक साबित हो सकती है। एक नए शोध में कहा गया है कि पूरी आबादी को आइवरमेक्टिन देने से मलेरिया का संक्रमण काफी कम हो जाता है, जिससे बीमारी से लड़ने में नई उम्मीद जगी है। मलेरिया के इलाज के लिए आइवरमेक्टिन पर अब तक का सबसे बड़ा अध्ययन बोहेमिया परीक्षण मलेरिया संक्रमण में 26 प्रतिशत की कमी दर्शाता है। बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फार ग्लोबल हेल्थ द्वारा मैनहिका हेल्थ रिसर्च सेंटर और केईएमआरआई-वेलकम ट्रस्ट रिसर्च प्रोग्राम के सहयोग से समन्वित इस परियोजना के परिणाम द न्यू इंग्लैंड जर्नल आफ मेडिसिन में प्रकाशित किए गए हैं। मलेरिया एक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है, जिसमें 2023 में 26.3 करोड़ मामले और 597,000 मौतें दर्ज की गई हैं। वर्तमान वेक्टर नियंत्रण विधियां मच्छरों में व्यवहारगत अनुकूलन के कारण कम प्रभावी हो गई हैं, क्योंकि वे बाहर और शाम या सुबह के समय काटते हैं। उस समय लोग इन उपायों से सुरक्षित नहीं होते। यह मलेरिया से निपटने के लिए नवीन समाधानों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। आइवरमेक्टिन आन्कोसेरसियासिस (रिवर ब्लाइंडनेश) और लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (हाथीपांव) के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। यह मलेरिया के संचरण को कम करने में कारगर साबित हुई है क्योंकि यह उन मच्छरों को मार देती है जो इस दवा का उपयोग करने वालों को काटती है।

(एएनआइ)

स्क्रीन शाट

सलमान को पिता सलीम खान की सीख न मानने का पछतावा

बैटल आफ गलवान में सैन्य अधिकारी की भूमिका में दिखेंगे सलमान। इंस्टाग्राम (@beingsalmankhan)

दबंग अभिनेता सलमान खान इंस्टाग्राम पर अक्सर अपने प्रशंसकों के साथ जिंदगी से जुड़ी सलाह भी साझा करते हैं, जो कई लोगों को पसंद आती है। अब उन्होंने अपनी नई पोस्ट में अपने पिता सलीम खान की बात न मानने पर पछतावा व्यक्त किया है।

अपनी फोटो के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा कि वर्तमान आपका अतीत बन जाता है, अतीत आपके भविष्य को पकड़ लेता है, वर्तमान एक उपहार है, इसके साथ सही व्यवहार करें, बार-बार की गई गलतियां आदत बन जाती हैं और फिर आपका चरित्र। किसी को दोष न दें, कोई भी आपसे ऐसा कुछ नहीं करवा सकता जो आप नहीं करना चाहते। मेरे पिताजी ने मुझसे यह कहा है, यह बिल्कुल सच है। सलमान ने आगे लिखा काश, मैंने यह पहले सुना होता, लेकिन अभी भी देर नहीं हुई है। इस पर एक यूजर ने लिखा कि यह सिर्फ कैप्शन नहीं यह जिंदगी का एक सबक है। आत्मनिरीक्षण, विकास और ईमानदारी... यही उन्हें अलग बनाती है।

वैसे यह पहली बार नहीं है जब सलमान ने सार्थक बातें लिखी हैं। पहले भी प्रशसंकों के साथ दिल को छू लेने वाली बातें लिखी हैं। अभिनय की बात करें तो सलमान आगामी दिनों में फिल्म बैटल आफ गलवान में दिखेंगे। इसकी शूटिंग अगले महीने से आरंभ होगी। इसे अगले साल रिलीज किया जाएगा।

... जब दोस्तों के साथ हाकी स्टिक लेकर पहुंची थी राधिका मदान

फिल्मों में होने वाले कास्टिंग काउच के किस्सों की वजह से आडिशन काल पर अमूमन विश्वास करना आसान नहीं होता। ऐसा ही कुछ हुआ था करियर की शुरुआत में अभिनेत्री राधिका मदान के साथ। दिल्ली से ताल्लुक रखने वाली राधिका बताती हैं एक कास्टिंग डायरेक्टर ने मुझे फेसबुक पर मैसेज किया था कि दिल्ली में आडिशन चल रहे हैं। मैं उस समय क्राइम पेट्रोल और गुमराह धारावाहिक काफी देखती थी। मैं दो दोस्तों के साथ गई साथ में हाकी स्टिक भी ले गई। मैंने उनसे कहा कि मैं अंदर जाऊंगी तुम पीछे से आना फिर अगले दिन अखबार के फ्रंट पेज पर खबर होगी। पर जब वहां पहुंची तो देखा वाकई में वहां पर टीवी शो का आडिशन चल रहा था। मैं जाने लगी तो उन्होंने कहा कि तुम राधिका हो, मैंने कहा हां। मेरे साथ फिल्मी चीज हुई कि जब कैमरा आन हुआ तो मैंने खुद को सहज पाया। हालांकि, मैं प्रोफेशनल डांसर बनना चाहती थी। मैं जैज, बैले में प्रशिक्षित थी। मुझे लगा नहीं था कि मुझे बुलाया जाएगा। पर तीन दिन में उनका काल आ गया। लुक टेस्ट हुआ और दो दिन में मैं पहले धारावाहिक मेरी आशिकी तुमसे ही शूट कर रही थी।

टीवी से राधिका ने की थी अपने अभिनय सफर की शुरुआत। इंस्टाग्राम (@radhikkamadan)

फिल्म चकदा एक्सप्रेस पर बोले दिव्येंदु भट्टाचार्य, अनुष्का का बेहतरीन काम

अनुष्का शर्मा अभिनीत फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' लंबे समय से रिलीज की बाट जोह रही है। फिल्म में अभिनेता दिव्येंदु भट्टाचार्य भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। जब उनसे रिलीज को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें रिलीज के संबंध में कोई जानकारी नहीं है। वह भी बाकियों की तरह इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि क्या फिल्म की रिलीज में देरी हुई है या इसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। उनके मुताबिक, यह शानदार फिल्म है और अनुष्का ने बेहतरीन काम किया है।

फिल्म चकदा एक्सप्रेस में केंद्रीय भूमिका में हैं अनुष्का शर्मा। फाइल

यह फिल्म भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन प्रोसित राय (Prosit Roy) ने किया है। इसमें झूलन के जीवन के न भूलने वाले पलों को शामिल किया गया है। अनुष्का ने 2022 में इस फिल्म की घोषणा की थी। इसका निर्माण क्लीन स्लेट फिल्म्स द्वारा किया गया है, जो उनके भाई कर्णेश शर्मा का प्रोडक्शन हाउस है। पिछले साल आई खबरों में कहा गया था कि प्रोडक्शन हाउस की नेटफ्लिक्स के साथ साझेदारी खत्म हो गई है, जिससे इसकी रिलीज में देरी हो रही है। बहरहाल, फिल्म की रिलीज को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

हम हर किसी को खुश नहीं कर सकते

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, धड़कन और लक्ष्य फिल्मों में अभिनय कर चुके परमीत सेठी ने साल 2010 में फिल्म बदमाश कंपनी से निर्देशन में कदम रखा। हालिया प्रदर्शित वेब सीरीज स्पेशल आप्स-2 में नरेश चड्ढा की भूमिका में भी उनका काम सराहनीय रहा। डिजिटल प्लेटफार्म के साथ इन दिनों अपनी फिल्म पर भी काम कर रहे परमीत से उनकी प्राथमिकताओं और आगामी योजनाओं पर बातचीत:

सात सवाल

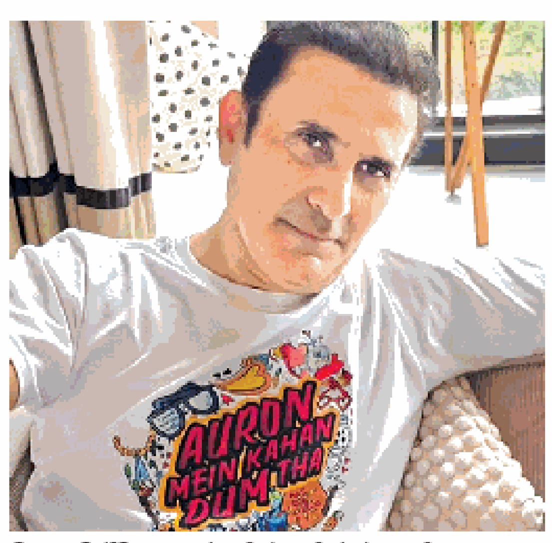

फिल्म निर्देशित करने की तैयारी में हैं परमीत @iamparmeetsethi

● स्पेशल आप्स 2 शो में आपकी भूमिका छोटी, लेकिन याद रह जाने वाली रही। इसको हां करने के पीछे आपकी क्या सोच थी?

– जब नीरज पांडे जैसे फिल्मकार आपको फोन करते हैं, तो आप ज्यादा नहीं सोचते हैं। वह कोई हल्की-फुल्की सीरीज तो बनाएंगे नहीं। मैंने उनसे ज्यादा कुछ पूछा नहीं। मैंने उनसे कहा कि आप जो रोल देंगे, मैं वो करूंगा। मैं तो इतने बड़े शो का हिस्सा बनकर ही खुश हूं। हालांकि, जो रोल मुझे दिया गया था, वो मुझ पर जंच खूब रहा है।

● बतौर अभिनेता कोई आफर आने पर क्या निर्देशक के नजरिये से भी कमियां खूबियां देखते हैं?

– बिल्कुल, स्क्रिप्ट पर नजर जाना स्वाभाविक है। हम देखते हैं कि उसमें क्या कमियां हैं, कहां कमजोरियां हैं? अगर वह बहुत ज्यादा कमजोर रहती है, तो प्रोजेक्ट करता ही नहीं हूं। अगर स्क्रिप्ट अच्छी होती है, लेकिन पूरी तरह से मुकम्मल नहीं होती है, तो मैं निर्देशक के साथ बैठकर चर्चा करता हूं, ये मेरी राय है। बाकी उनके ऊपर है कि वह बदलाव करना चाहते हैं या नहीं। अगर स्क्रिप्ट अच्छी है तो फिर ज्यादा नहीं सोचता हूं।

● बदमाश कंपनी की रिलीज को 15 साल हो गए। क्या कारण रहा कि उसके बाद कोई फिल्म नहीं निर्देशित की?

– इस बीच मैंने जो पांच-छह फिल्में लिखी, वो सारी प्रोडक्शन के स्तर पर बहुत बड़ी थी। उनके लिए बहुत बड़ा बजट चाहिए था। स्वाभाविक तौर पर स्टार भी बड़ा चाहिए, बजट भी उन्हीं के नाम पर मिलता है। बड़े सितारों के साथ समस्या यह है कि मुझसे पहले ही 50 फिल्मकार उनको साइन करने के लिए लाइन में हैं। यहीं मुझसे थोड़ी चूक हो गई। अगर मैंने कोई छोटी फिल्म लिखी होती तो अभी तक बन गई होती।

● वैसे तो सितारे दावा करते हैं कि कोई भी उनको कहानी सुना सकता है, फिर आपके लिए इतनी मुश्किल क्यों हुई?

– मुझे अपनी फिल्म के लिए किसी बड़े सितारे के पीछे पड़ने में कोई समस्या नहीं है। हालांकि, जब उनसे बात करो तो पता चलता कि उनके पास आगे के दो-तीन वर्षों तक समय ही नहीं। मैं उस समय में क्या करूंगा। मैं एक फिल्म बनाने के लिए इतना इंतजार थोड़े ना करूंगा। इसीलिए फिर मैंने कुछ टीवी धारावाहिक निर्देशित किया, थोड़ी-बहुत एक्टिंग की।

● इन दिनों सीक्वल और फ्रेंचाइजी फिल्मों का दौर है, कभी बदमाश कंपनी की फ्रेंचाइजी बढ़ाने का ख्याल आया?

– ख्याल तो कई बार आया, लेकिन अगर मेरे पास पहली फिल्म से बेहतर कोई कहानी नहीं है तो मैं उसे जबरदस्ती नहीं बढ़ाना चाहता हूं। सिर्फ नाम के लिए मैं सीक्वल नहीं बनाना चाहता हूं। मेरे पास कुछ कहानियां थी, लेकिन मैं उनसे स्वयं पूरी तरह से संतुष्ट नहीं था। अब मेरे दिमाग में फिर उसको लेकर कुछ पक रहा है। अगर वो कहानी उसी तरह से उभरकर सामने आ गई, जैसे मैं चाह रहा हूं, तो शायद बना देंगे।

● पारिवारिक मौज मस्ती के साथ अर्चना जी (पत्नी और अभिनेत्री अर्चना पूरण सिंह) के वीलाग में कई बार शादी और रिश्तों जैसी व्यक्तिगत चीजों पर भी सफाई देनी पड़ती है..

– यूट्यूब और डिजिटल प्लेटफार्म ही तो भविष्य हैं। मैं इसका हिस्सा बनना चाहता था। अब अगर घर में किसी ने शुरू कर दिया है और वह चल गया है तो आगे बढ़ता ही जाएगा। रही बात लोगों की टिप्पणियों की तो हम हर टिप्पणी देखते हैं और जिनका जवाब देना होता है, उनका जवाब भी देते हैं। 99.9 प्रतिशत लोग हमें चाहते हैं। बाकी अगर यहां हम हर एक व्यक्ति को खुश करने जाएंगे, तो वो किसी से हो ही नहीं सकता है। फिर वो शाह रुख खान हो या कोई गंगू तेली।

● आगामी दिनों में किस तरह के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं?

– बतौर अभिनेता एक वेब सीरीज को लेकर मेरी बातचीत चल रही है, लेकिन मैं अभी उसका नाम नहीं ले सकता हूं। वो दिलचस्प सीरीज है, उसमें मेरा अच्छा रोल है। इन दिनों यूट्यूब पर भी मेरा काफी वक्त जा रहा है, मैं वहां कुछ सेटअप कर रहा हूं। इसके अलावा बतौर निर्देशक एक प्रोजेक्ट भी लिख रहा हूं।

(दीपेश पांडेय)

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

अगस्त से एक दूसरे के आमने-सामने होंगे खिलाड़ी और अनाड़ी

प्रियदर्शन की फिल्म में फिर साथ दिखेगी अक्षय-सैफ की जोड़ी। फाइल

हिंदी सिनेमा के खिलाड़ी अभिनेता अक्षय कुमार और अभिनेता सैफ अली खान ने तू अनाड़ी मैं खिलाड़ी, ये दिल्लगी, तू चोर मैं सिपाही, आरजू, कीमत और टशन समेत छह फिल्मों में एक साथ काम किया है। अब करीब 17 साल बाद इस जोड़ी को एक बार फिर साथ लाने का काम कर रहे हैं फिल्मकार प्रियदर्शन। दरअसल, अक्षय कुमार व परेश रावल के साथ फिल्म भूत बंगला की शूटिंग खत्म करने के बाद प्रियदर्शन अपनी अगली फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। यह साल 2016 में प्रदर्शित मलयालम फिल्म ओप्पम की हिंदी रीमेक है। हाल ही में इंग्लैंड में एक क्रिकेट स्टेडियम में अक्षय और सैफ एक साथ नजर आए, तो इंटरनेट मीडिया पर टिप्पणी करते हुए प्रियदर्शन ने इस फिल्म के अभिनेताओं की आधिकारिक घोषणा की थी। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, प्रियदर्शन की योजना 23 अगस्त से इस फिल्म की शूटिंग कोचीन में शुरू करने की है। फिल्म में सैफ एक दृष्टिहीन व्यक्ति की भूमिका निभाएंगे, जिसकी सूंघने और महसूस करने की शक्ति कमाल की है। वहीं अक्षय फिल्म में खलनायक की भूमिका में होंगे, जो अपने परिवार का बदला लेने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहता है। इस भूमिका के लिए प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार, अक्षय खन्ना और बाबी देओल तीन अभिनेताओं के बारे में विचार किया था। हालांकि, अंत में फिल्म अक्षय के हाथ में आई। इस फिल्म का नाम हैवान बताया जा रहा है।

सैयारा का दोहरा शतक, नरसिम्हा को भी मिली अच्छी शुरुआत

सैयारा से चमकी नवोदित अनीत पड्डा और अहान पांडे की जोड़ी ● मिडडे

पिछले सप्ताह प्रदर्शित फिल्म सैयारा की लहर को देखते हुए अभिनेता अजय देवगन ने अपनी फिल्म सन आफ सरदार 2 की प्रदर्शन तिथि बदलकर एक अगस्त कर दिया। ऐसे में इस सप्ताह एनीमेशन फिल्म महावतार नरसिम्हा अकेले ही प्रदर्शित हुई। अश्विन कुमार निर्देशित यह फिल्म भगवान विष्णु के चौथे अवतार नरसिम्हा भगवान पर आधारित है।

सैयारा की लहर के बीच यह फिल्म देशभर में 500 से ज्यादा स्क्रीन पर हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में प्रदर्शित हुई। शुक्रवार को इसे हिंदी में 1.3 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। कन्नड़, तेलुगु, तमिल तथा मलयालम भाषाओं में फिल्म की ओपनिंग क्रमशः पांच लाख, पैंतीस लाख, तीन लाख तथा दो लाख रुपये रही। सारी भाषाओं को मिलाकर फिल्म की कुल ओपनिंग 1.75 करोड़ रुपये रही। वहीं शनिवार को हिंदी में फिल्म ने बढ़त के साथ 3.25 करोड़ रुपये कमाए। पहले दो दिनों में फिल्म की हिंदी में कुल कमाई 4.55 करोड़ रही। वहीं पांचों भाषाओं में दो दिन की कुल कमाई 6.35 करोड़ रही। दूसरी तरफ अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत सैयारा की लहर दूसरे सप्ताह भी दिखी। दूसरे शुक्रवार और शनिवार को फिल्म ने क्रमशः 18.5 तथा 27 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह शनिवार को फिल्म की कमाई दोहरा शतक पार करते हुए 220.75 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

****